शुभ लाभ (ಶುಭ್ ಲಾಭ್)
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम सिद्धरामैया को आगे आकर देना चाहिए इस्तीफा: अशोक @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 27 सितंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-268

संरा और विश्व व्यापार संगठन में जल्द सुधार की आवश्यकता : जयशंकर

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को न्यूयॉर्क में ब्राज़ील की अध्यक्षता वाले जी-20 विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक में संयुक्त राष्ट्र और उसके सहायक निकायों के सुधार, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय वास्तुकला में सुधार तथा बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली में सुधार पर भारत के विचारों पर प्रकाश डाला।

बैठक की अध्यक्षता ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने की और इसमें दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, महासभा के अध्यक्ष फिलेमोन यांग और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी उपस्थित रहे। डॉ. जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज न्यूयॉर्क में जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक में वैश्विक शासन सुधार विषय पर बात की। प्रतिनिधित्वपूर्ण, विश्वसनीय और प्रभावी बहुपक्षवाद सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुधारों की तात्कालिकता पर प्रकाश डाला। इसमें दोनों श्रेणियों में यूएनएससी का विस्तार शामिल है। उन्होंने पोस्ट में कहा, मजबूत, व्यापक और प्रभावी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय वास्तुकला की अनिवार्यता पर ध्यान दिया गया।

विकासशील विश्व की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बहुपक्षीय विकास बैंक (एमडीबी) में सुधार के लिए जी20 में भारत के प्रयासों के बारे में बात की।

अतरराष्ट्रीय व्यापार प्रणाली के लिए संरक्षणवाद और बाजार-विकृत प्रथाओं की चुनौतियों को रेखांकित किया गया। नियम-आधारित, गैर-भेदभावपूर्ण और निष्पक्ष बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए डब्ल्यूटीओ में व्यापक सुधारों का आह्वान किया गया।

विदेश मंत्री ने याद दिलाया कि भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान महत्वपूर्ण प्रगति हुई थी, जिसमें नेताओं ने विकास और जलवायु वित्त का विस्तार करने का आह्वान किया था और एमडीबी को अपने दृष्टिकोण, प्रोत्साहन संरचनाओं, परिचालन दृष्टिकोण और वित्तीय क्षमताओं को परिष्कृत करने के लिए प्रोत्साहित किया था, ताकि उनके विकासात्मक प्रभाव को अधिकतम किया जा सके।

यूएन महासभा के मंच से फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने की भारत की वकालत

यूएनएससी में स्थायी सीट का किया समर्थन

न्यूयॉर्क, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बड़ा बयान दिया है। दरअसल उन्होंने अपने संबोधन में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विस्तार की जरूरत बताई और भारत को इसमें स्थायी सीट देने की वकालत की। गौरतलब है कि इससे पहले अमेरिका समेत कई प्रमुख राष्ट्र भी भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने का समर्थन कर चुके हैं।

अपने संबोधन में इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस, सुरक्षा परिषद के विस्तार के पक्ष में है और जर्मनी, जापान, भारत और ब्राजील को भी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होना चाहिए। साथ ही अफ्रीका से भी दो देशों को इसमें प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। गौरतलब है कि अमेरिका भी भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने का समर्थन कर चुका है। बीते दिनों ही संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस ने भी अपने एक बयान में कहा था कि भारत, जापान और जर्मनी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट दी जानी चाहिए। ▶10 पर

आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों का हश्र अफजल गुरु जैसा होगा : शाह

अब्दुल्ला और नेहरू जम्मू कश्मीर में 40 हजार हत्याओं के जिम्मेदार

जब कश्मीर में आतंकवाद हावी था, फारूक लंदन में छुट्टियां मना रहे थे

उधमपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि जो कोई भी जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देगा, उसका हश्र संसद पर हमले के दोषी मोहम्मद अफजल गुरु जैसा होगा, जिसे नई दिल्ली की तिहाड़ जेल में फांसी पर लटका दिया गया था। उन्होंने कहा कि यह अब्दुल्ला और नेहरू ही हैं जो जम्मू और कश्मीर में 40,000 लोगों की हत्या के जिम्मेदार हैं। उस समय फारूक अब्दुल्ला कहां थे? वह गर्मियों में लंदन में छुट्टियां मना रहे थे और महंगी मोटरसाइकिल चला रहे थे।

समाचार एजेंसी कश्मीर न्यूज ऑब्जर्वर (केएनओ) ने बताया कि श्री शाह ने उधमपुर जिले में एक सभा को संबोधित करते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला पर यह दावा करने के लिए निशाना साधा कि अफजल गुरु को फांसी नहीं दी जानी चाहिए थी। श्रीर शाह ने कहा, फिर क्या बिरयानी खिलानी थी उसको। जो लोग आतंकवाद को बढ़ावा देंगे, उनका हश्र अफजल गुरु जैसा ही होगा। उन्होंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से अनुच्छेद 370 की बहाली का दावा किए जाने पर कटाक्ष करते हुए कहा, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि राहुल की आने वाली पीढ़ियां भी अनुच्छेद 370 को बहाल नहीं कर पाएंगी। यह पहली बार है कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव अनुच्छेद 370 और अलग झंडे के बिना हो रहे हैं। दो संविधानों की संस्कृति का अंत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुनिश्चित किया है।

गृह मंत्री ने कहा, नेकां और राहुल बाबा द्वारा अनुच्छेद 370 की बहाली के बारे में दावे किए जा रहे हैं, लेकिन राहुल की कई पीढ़ियों में इन प्रावधानों को फिर से लागू करने की ताकत नहीं है। उन्होंने कहा, पिछले 40 वर्षों के दौरान कांग्रेस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और नेकां ने आतंकवाद को बढ़ावा दिया, जिसके कारण 40 हजार लोग मारे गए और 3000 दिन कर्फ्यू भी लगा, इसके अलावा हर दिन हमले, बम धमाके होते रहें।

हालांकि, जब से श्री मोदी ने सत्ता संभाली है, पथराव और गोलीबारी बंद हो गयी हैं। तीनों पार्टियां जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को फिर से जीवित करना चाहती हैं, लेकिन मैं उमर अब्दुल्ला को बताना चाहता हूं कि आप जो भी चाहें, कश्मीर की धरती से आतंकवाद को हमेशा के लिए खत्म कर दिया जाएगा। केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार होने के कारण किसी में भी जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को फिर से जिंदा करने की ताकत नहीं है।

श्री शाह ने कहा, मैंने राहुल और उमर को दावा करते सुना कि वे राज्य का दर्जा लाएंगे, लेकिन मैं यह स्पष्ट कर दूं कि ▶10 पर

लेबनान पर जारी इजराइली हमलों के बीच भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी

भारतीय नागरिक जल्द से जल्द छोड़ दें लेबनान

बेरूत, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने एक एडवाइजरी जारी कर भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द लेबनान छोड़ने की सलाह दी है। वहीं उन लोगों को अत्यधिक सावधानी बरतने और दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी गई है, जिन्हें गंभीर हालात के बीच लेबनान में ही रहना है। इसके अलावा भारतीय नागरिकों से अगली सूचना तक लेबनान की यात्रा न करने की अपील की गई है। लेबनान पर जारी इजराइली हमले के बीच भारतीय दूतावास ने यह एडवाइजरी जारी की है। अल जजीरा की गुरुवार की एक रिपोर्ट के अनुसार, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइली हमलों में अब तक 620 लोग मारे जा चुके हैं।

बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने देर रात एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा कि 1 अगस्त, 2024 को जारी की गई सलाह के अनुसार और क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों और तनाव को देखते हुए, भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक लेबनान की यात्रा न करने की सलाह दी जाती है। दूतावास ने कहा, लेबनान में पहले से मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को यहां से जाने की सलाह दी जाती है। जो लोग किसी भी कारण से वहां रह जाते हैं, उन्हें अत्यधिक सावधानी बरतने, अपनी गतिविधियों को सीमित रखने और बेरूत में भारतीय दूतावास से हमारी ईमेल आईडी: cons.beirutmea.gov.in या इमरजेंसी फोन नंबर +96176860128 के माध्यम से संपर्क में रहने की सलाह दी जाती है।इस बीच इजराइल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला जारी रखा है। ▶10 पर

जम्मू कश्मीर की धरती से योगी आदित्यनाथ ने की हुंकार

भाजपा की वापसी यानी पीओके भारत का : योगी

जम्मू, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार से जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव प्रचार में उतरे। योगी आदित्यनाथ ने रामगढ़ से उम्मीदवार देविंद्र कुमार मणियाल, विजयपुर से चंद्रप्रकाश गंगा, सांबा से सुरजीत सिंह, और आरएस पुरा से डॉ. नरिंदर सिंह रैना, सुचेतगढ़ से प्रो. घारूराम भगत, बिश्नाह से भाजपा उम्मीदवार राजीव भगत को जिताने की अपील की। आरएस पुरा की रैली में सीएम योगी के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र रैना भी रहे। योगी आदित्यनाथ ने मौसम खराब होने के कारण मोबाइल से संदेश देकर छंब से भाजपा प्रत्याशी राजीव शर्मा के लिए कमल खिलाने की अपील की। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में भी विकास व सुरक्षा के लिए भाजपा आवश्यक है। भाजपा की वापसी पर पीओके भारत का हिस्सा बनने वाला है।

सीएम योगी ने रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में कहा कि यहां भाजपा की वापसी पर पीओके भारत का हिस्सा बनने वाला है। पाकिस्तान को लोकतंत्र बचाने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर अलग होने की आवाज उठा रहा है। लोग कह रहे कि जम्मू-कश्मीर के चुनाव के साथ यदि मुर्शिदाबाद में भी चुनाव होता तो अच्छा संदेश जाता। बलूचिस्तान कह रहा है कि पाकिस्तान से हमारी कमेस्ट्री मिलती ही नहीं है, क्योंकि यह मानवता का कैंसर है और दुनिया को इससे मुक्ति मिलनी चाहिए।सीएम योगी ने कहा कि एक तरफ भारत में 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन, 60 करोड़ लोगों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा, जीवन ज्योति, ▶5 पर

यूपी के मुख्यमंत्री की रामगढ़ और आरएस पुरा में हुई जोरदार रैलियां

जो राम को लाए हैं, वो आरएसपुरा आए हैं

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

आरएस पुरा की चुनावी रैली में गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र रैना ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कहा, महाराज जी! जहां आपका आगमन हुआ है, वहां से मात्र दो किमी. दूरी पर उनका एरिया शुरू होता है, जिन्हें आप चुनौती देते हो। भाजपा के शीर्षस्थ पदाधिकारी के मुख से जैसे ही यह शब्द निकले, पूरा आरएस पुरा योगी-योगी की जयकार से गूंज उठा। चुनावी जनसभा में उमड़ा जनसैलाब योगी के अभिवादन में खड़ा हो गया। योगी को देख आह्लादित जम्मू-कश्मीर के लोग कह उठे, जो राम को लाए हैं, वो आरएसपुरा आए हैं। सीएम योगी के निशाने पर पाकिस्तान भी रहा। उन्होंने एक तरफ देश में चल रहीं भाजपा की विकास योजनाओं को गिनाया तो वहीं पाकिस्तान को रोटी के लिए लड़ने वाला भीखमंगा भी कहा। बोले मानवता के कैंसर पाकिस्तान से दुनिया को मुक्ति मिलनी चाहिए। रामगढ़ और आरएस पुरा में योगी का यह बयान पाकिस्तान के हालातों को चुनौती देता दिखा। 2017 के पहले तक यूपी की छवि किस रूप में थी, यह किसी से छिपी नहीं है। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

घरेलू हिंसा से संरक्षण कानून हर धर्म की महिला पर है लागू

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू हिंसा अधिनियम पर ऐतिहासिक फैसला सुनाते कहा कि घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 हर महिला पर लागू होता है। चाहे उस महिला की धार्मिक संबद्धता और सामाजिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और एन कोटिस्वर की पीठ ने कहा कि 2005 में बना कानून हर महिला के अधिकार की रक्षा करता है। शीर्ष अदालत ने भरण-पोषण और मुआवजा देने से संबंधित मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती देने वाली एक महिला द्वारा दायर अपील पर फैसला सुनाया। महिला ने अधिनियम की धारा 12 के तहत एक याचिका दायर की थी। इससे पहले एक मजिस्ट्रेट ने फरवरी 2015 में महिला को 12 हजार रुपए मासिक और एक लाख रुपए मुआवजा देने के उसके पति को निर्देश दिए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि महिला के पति ने 2015 के आदेश के खिलाफ अपील दायर की थी। महिला के पति ने अधिनियम की धारा 25 के तहत मजिस्ट्रेट से आदेश में परिवर्तन करने की अपील की थी, जिसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद महिला के पति ने अपीलीय अदालत के सामने अपनी मांग रखी। इसे अपीलीय अदालत ने स्वीकार करते हुए दोनों पक्षों को अपने साक्ष्य लाकर मजिस्ट्रेट के सामने पेश होने के लिए कहा। इसके बाद महिला ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने उसकी याचिका खारिज कर दी और मजिस्ट्रेट को पति की ओर से दायर आवेदन पर विचार करने का निर्देश दिया। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 77,760/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 93,350/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30⁰

न्यूनतम : 22⁰

ठोस परिणामों पर ध्यान दें वैज्ञानिक : धनखड़

अनुसंधान एवं विकास में योगदान दिखावटी या सतही नहीं होना चाहिए

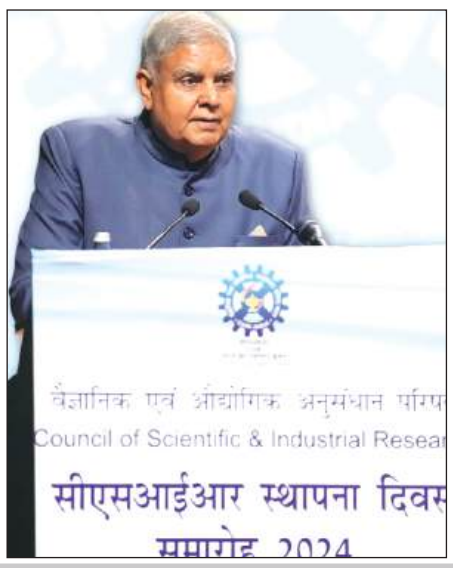

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कॉरपोरेट्स से अनुसंधान एवं विकास में निवेश करने का आह्वान करते हुए गुरुवार को कहा कि केवल वित्तीय संसाधनों की प्रतिबद्धता पर्याप्त नहीं है और किसी भी अनुसंधान का महत्व ठोस परिणामों के संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

श्री धनखड़ ने यहां 83वें सीए-सआईआर स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए करते हुए कहा कि अनुसंधान और विकास सॉफ्ट डिप्लोमेसी और राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि केवल वित्तीय संसाधनों पर गर्व नहीं किया जा सकता। अनुसंधान और विकास में निवेश को ठोस परिणामों से जोड़ा जाना चाहिए। श्री धनखड़ ने कहा, अनुसंधान एवं विकास में योगदान पर्याप्त होना चाहिए। परिणाम पर्याप्त होना चाहिए। दिखावटी या सतही नहीं। उप राष्ट्रपति ने कहा कि अनुसंधान और विकास में निवेश स्थायी है। अनुसंधान और विकास इन दिनों सुरक्षा से इतना जुड़ गया है। यह निवेश राष्ट्र के लिए है। निवेश विकास और स्थिरता के लिए है। ▶10 पर

मेरे सपनों से परे है जम्मू-कश्मीर की स्थिति

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के 83वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने 1990 में केंद्रीय मंत्री के रूप में श्रीनगर की अपनी यात्रा को याद किया, जब वे डल झील के पास एक होटल में रुके थे। उपराष्ट्रपति ने कहा, कश्मीर में सब कुछ नीरस था। इस दौरान सड़क पर 20 लोग भी नहीं दिख रहे थे। वहां निराशा और हताशा की स्थिति थी। लेकिन अब वो पर्यटकों से भरी हुई है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा को पिछले साल बताया गया था कि दो करोड़ पर्यटक जम्मू-कश्मीर आए थे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने वर्तमान स्थिति की तुलना 1990 के दशक से करते हुए कहा, आज देश के राज्य की स्थिति मेरे सपनों से परे है। मैंने कभी इसकी कल्पना नहीं की थी, मैंने आज के भारत की कल्पना नहीं की थी। उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि 1990 का दशक ऐसा दौर था जब भारत को अपनी वित्तीय साख बनाए रखने के लिए स्विस बैंकों में अपना सोना गिरवी रखना पड़ा था क्योंकि विदेशी मुद्रा भंडार 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक गिर गया था और विश्व बैंक एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसी वित्तीय संस्थाओं ने सलाह के रूप में भारत को निर्देश जारी किए थे। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

सांसद मोहन से राजस्थान जाने वाली ट्रेनों के फेरे बढ़ाने की मांग

मैसूरु-अजमेर एक्सप्रेस का जवाई बांध पर ठहराव हो सुनिश्चित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्थानी प्रवासियों ने गुरुवार को सांसद पीसी मोहन से उनके निवास पर भेंट कर राजस्थान जाने वाली ट्रेनों के फेरे बढ़ाने के साथ मैसूरु-अजमेर एक्सप्रेस का जवाईबांध स्टेशन पर ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की। इस अवसर पर सांसद को दिए ज्ञापन में बेंगलूरु मंडल रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य अश्विन सेमलानी ने बताया कि मैसूरु से फालना तक जाने में जितना किराया लगता है उससे कहीं ज्यादा किराया फालना से जवाई बांध तक पहुंचने में लगता है। रेलवे बोर्ड इस ट्रेन का ठहराव उत्तर पश्चिम रेलवे के जवाई बांध स्टेशन पर करता है तो बेंगलूरु व मैसूरु में रहने वाले हजारों लोगों को इसका लाभ मिलेगा। इस पर सांसद पीसी मोहन ने रेल मंत्री

अश्विनी वैष्णव से चर्चा कर मैसूरु-अजमेर एक्सप्रेस का ठहराव जवाई बांध स्टेशन पर कराने तथा राजस्थान के लिए दैनिक ट्रेन चलवाने के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया। सेमलानी ने ज्ञापन में बताया कि मैसूरु व बेंगलूरु से राजस्थान के लिए एक भी नियमित ट्रेन नहीं होने के कारण प्रवासी बंधुओं को वेटिंग टिकट में ही यात्रा करने को मजबूर होना पड़ता है। रेलवे ने अब वेटिंग टिकट में यात्रा करने पर भी पाबंदी लगा दी है। इसके बाद प्रवासी बंधुओं के लिए खासी परेशानी हो गई है। चार माह पहले जिस दिन ट्रेन खुलती है उसी दिन सभी ट्रेनों में आरक्षण फुल हो जाता है और पहले दिन से ही वेटिंग टिकट शुरू हो जाते हैं। ऐसे में त्योहार व वैवाहिक सीजन में अपने घर जाने का प्रवासियों का सपना धूमिल होता नजर आ रहा है। उन्होंने बताया कि रेलवे ने राजस्थान के विभिन्न शहरों के लिए मैसूरु व बेंगलूरु से नौ जोड़ा ट्रेन चला रखी है। ताज्जुब की बात ये है कि इनमें से एक भी ट्रेन दैनिक नहीं है। बेंगलूरु-मैसूरु व यशवंतपुर से राजस्थान की ओर जाने वाली नौ ट्रेनों में से पांच साप्ताहिक व चार द्विसाप्ताहिक ट्रेन हैं। हाल ये है कि कर्नाटक की राजधानी से राजस्थान की राजधानी को जोड़ने के लिए मात्र दो ट्रेन हैं। इनमें एक यशवंतपुर जयपुर साप्ताहिक सुविधा एक्सप्रेस व एक द्विसाप्ताहिक ट्रेन मैसूरु जयपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन है। इस अवसर पर किया के अध्यक्ष दिलीप जैन, जय क्रांति युवा सेना के अध्यक्ष विनोद चौहान, गांधीनगर भाजपा मंडल अध्यक्ष शैतान सिंह राजपुरोहित, प्रेस्टिज वेस्टवुड सीनियर सिटीजन संघ के नरेन्द्र सिंघवी, किया के सदस्य मूलसिंह राजपुरोहित भी उपस्थित थे।

साधना का मार्ग ही कल्याण की ओर ले जाता है: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने ऋषिभाषित सूत्र के दसवें अध्ययन का वर्णन करते हुए कहा कि केतलिपुत्र अरहत ऋषि के उपदेश आज भी जैन समाज में एक महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और उनके जीवन से प्रेरणा लेकर लोग धर्म और मोक्ष के मार्ग पर चलते हैं। उनके उपदेशों ने समाज को नैतिकता, संयम और आध्यात्मिकता का मूल्य सिखाया है। जो धर्म के मार्ग पर साधना के मार्ग पर चलता है वह आत्म कल्याण की ओर बढ़ता है। जो साधना करते है उन साधकों की गति उच्च गति होती है। उन्होंने केतलिपुत्र अरहत ऋषि के जीवन चारित्र को बताते हुए कहा केतलिपुत्र ने परिजनों, मित्रों-पुत्रों आदि से युक्त होकर भी जीवन में असहाय अनुभव किया। धन-सम्पत्ति से युक्त होकर भी दीन बने और निराश होकर आत्म-हत्या के प्रयत्न किये किन्तु उसमें भी असफल रहे। अतः उनके जीवन में अविश्वास भर गया। जहाँ सभी श्रद्धा की बात करते हैं, केतलिपुत्र अकेले अश्रद्धा का प्रतिपादन करते हैं और कहते हैं कि श्रद्धा बिलकुल ना करो। यह अविश्वास या अनास्था ही उनके वैराग्य का कारण बनता है। शनिवार को श्रमण संघीय महामंत्री सौभाग्यमुनि का चतुर्थ पुण्य स्मृति दिवस तप त्याग व गुणगान द्वारा मनाया जायेगा। पूर्व में रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। प्रसन्न भलगट ने आभार ज्ञापित किया और संचालन नेमीचंद दलाल ने किया।

सीएम सिद्धरामैया ने लॉन्च किया क्विन सिटी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को नॉलेज, वेलबीइंग एंड इनो-वेशन सिटी (ज्ञान, कल्याण और नवा-चार शहर) लॉन्च किया। इसे आसान भाषा में क्विन सिटी नाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह एक गेम चेंजर होगा। सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि क्विन सिटी भविष्य के लिए कर्नाटक की साहसिक सृष्टि का प्रतिनिधित्व करता है। यह ज्ञान, स्वास्थ्य, नवनिर्माण और अनुसंधान के लिए एक अत्याधुनिक केंद्र होगा। सिद्धरामैया ने कहा हम एक इकोसिस्टम बना रहे हैं, जो आर्थिक विकास को गति देगा, वैश्विक टैलेंट को आकर्षित करने के साथ अभूतपूर्व प्रगति को बढ़ावा देगा। अधिकारियों ने कहा कि 5,800 एकड़ में फैली क्विन सिटी कर्नाटक के व्यापार

परिदृश्य को फिर से परिभाषित करेगी। यह ज्ञान, कल्याण और नवाचार को एक इकोसिस्टम में अंकीकृत करेगी। क्विन सिटी डोब्बास्पेट और डोड्डाबल्लापुरा के बीच स्थित है। यह बेंगलूरु एयरपोर्ट से केवल 45 मिनट का समय लगता है और सिटी सेंटर से यह 50 किमी की दूरी पर है। बेंगलूरु -पुणे ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे से यह केवल पांच किमी की दूरी पर है। यहां इंट्रा और इंटर ट्रांसपोर्ट सिस्टम होगा, जो भीड़भाड़ को कम कर यातायात को सुविधाजनक बनाएगा। सिद्धरामैया ने क्विन सिटी को गेम चेंजर बताया। उन्होंने आगे कहा कि यह केवल एक परियोजना नहीं बल्कि लोगों की भलाई के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि क्विन सिटी को शहर के इकोसिस्टम से फायदा होगा। साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण यो-गदान भी देगा। मंत्री एम बी पाटिल ने कहा कि यह एक परिवर्तनकारी पहल है जो एक मजबूत व्यवसायिक इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए कर्नाटक की प्रतिबद्धता का सबूत है। उन्होंने आगे कहा इस शहर के साथ हम औद्योगिक विकास और वृद्धि के लिए मंच तैयार करेंगे। यह परियोजना केवल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निवेश को ही आकर्षित नहीं करेगी बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी।

हिंदी दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शेषाद्रिपुरम महाविद्यालय के हिंदी विभाग के हिंदी संघ द्वारा हिंदी दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजयनगर के प्रसिद्ध मारुति मेडिकल्स के मालिक, अंबा संस्था के संस्थापक महेंद्र मुणोत थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी.जी. भास्कर ने की। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान-गीत-गायन, कुमारी अनन्या द्वारा ईश्वर की स्तुति और कुमारी रितिका सुरेंद्रन के स्वागत नृत्य से हुई। आमंत्रित एवं उपस्थित सभी का स्वागत हिन्दी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. सौम्या बी.एल ने किया। तत्पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय संस्कृति के प्रतीक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे महेंद्र मुणोत के जीवन एवं उपलब्धियों का परिचय डॉ. सौम्या बी.एल. ने दिया। इसके बाद महेंद्र मुणोत पर बनी डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई। हिन्दी विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गई। तत्पश्चात महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के बौद्धिक विकास हेतु आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि और प्राचार्य के करकमलों से प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित किये गये। इसके अलावा तीन वर्षों तक हिंदी विभाग के सभी कार्यक्रमों के आयोजन में सहयोग करने वाले सभी विद्यार्थियों को विशेष पुरस्कार के साथ प्रमाण पत्र वितरित किये गये। बाद में हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. एनएस शास्त्री ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सहयोग दिये गये सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। मंच संचालन कुमारी खुशी चावत ने किया।

नेत्रदान जागरूकता अभियान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित दृष्टिहीनों के लिए दृष्टि महाअभियान के तहत प्रचार-प्रसार करते हुए तेरापंथ युवक परिषद् राजाजीनगर ने बाजारों, कॉलेजों, मेडिकल की दुकानों पर नेत्रदान के पोस्टर लगाकर नेत्रदान जागरूकता अभियान का आयोजन किया। बाजारों, कॉलेज, मेडिकल आदि स्थलों पर स्थानीय लोगों से वार्तालाप करते हुए नेत्रदान कब, कौन, कैसे कर सकते है एवं नेत्रदान के पश्चात कैसे उन नेत्रों का उपयोग होता है, की विस्तृत जानकारी परिषद सदस्यों द्वारा प्रदान की। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने तेयुप सदस्यों के इस आयाम की खूब-खूब सराहना की एवं इससे जुड़ने की इच्छा जताई।

सिद्धरामैया सरकार का बड़ा फैसला : कर्नाटक में सीबीआई को जांच के लिए दी गई सहमति वापस ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक की सिद्धरामैया सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने कर्नाटक में सीबीआई को जांच के लिए दी गई सहमति वापस ले ली है। राज्य कानून मंत्री एचके पाटिल ने इसकी जानकारी दी। अब केंद्रीय जांच एजेंसी बिना राज्य सरकार की अनुमति के कर्नाटक में प्रवेश नहीं कर सकेगी।

एचके पाटिल ने कहा, हम सीबीआई को जांच के लिए दी गई सहमति वापस ले रहे हैं। हम राज्य में सीबीआई के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। हमने सभी मामलों में सीबीआई का हवाला दिया है। उन्होंने आरोप पत्र दाखिल नहीं किया। कई मामले लंबित पड़े हैं। उन्होंने हमारे द्वारा

भेजे गए कई मामलों की जांच करने से भी इनकार कर दिया। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं। वे पक्षप-ाती हैं, इसलिए हमने यह फैसला लिया। हमने मुडा घोटाले के कारण यह फैसला नहीं लिया। हमने यह फैसला केवल उन्हें गलत रास्ता अपनाने से बचाने के लिए है। दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (डीएसपीई) अधिनियम, 1946 की धारा 6 के अनुसार, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को अपने अधिकार क्षेत्र में जांच करने के लिए संबंधित राज्य सरकारों से सहमति की आवश्यकता होती है। डीएसपीई अधिनियम की धारा-6 के तहत सीबीआई का गठन किया गया है। इस प्रावधान के तहत, डीएसपीई का एक सदस्य यानी सीबीआई संबंधित राज्य सरकार की सहमति के बिना उस राज्य में अपनी शक्तियों और अधिकार क्षेत्र का प्रयोग नहीं कर सकती है। दरअसल, कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल केंद्रीय जांच एजेंसियों पर गंभीर आरोप लगाते रहे हैं।

ईडी, सीबीआई या आयकर विभाग सभी पर विपक्षी दलों ने सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि केंद्र की सत्तारूढ़ भाजपा नीत गठबंधन सरकार केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। उनका दावा है कि इन एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी दलों और उनके नेताओं को फंसाने या परेशान करने के लिए किया जा रहा है। कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि पंजाब, झारखंड, केरल, राजस्थान, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, मिजोरम, तेलंगाना, मेघालय और तमिलनाडु ने सामान्य सहमति वापस ले ली है।

जिंदगी तभी सफल मानी जाती है जब खुद का परिचय खुद ना देना पड़े : मुनि

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में स्टेशन मार्ग पर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित वज्र रत्न सागरजी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिंदगी तभी सफल मानी जाती है जब खुद का परिचय खुद ना देना पड़े। आप जिंदगी में जो चाहते हैं उसके प्रति गंभीर और जागृत रहे। आप जो चाहते है उसे पाने के लिए कभी कभी अति स्वार्थी भी हो जाते हो। इसके लिए कभी कभी दुसरों को दुःख भी होता है। आप को ध्यान रखना चाहिए कि आपकी वजह से किसी का दिल ना दुखे। लोगों की भावनाओं से समझौता करने को अपनी कमजोरी ना समझते हुए इसे जहां तक हो अपनाएं। दुसरों को दुख पहुंचाए बिना अपनी जरुरते पूरी करने की कला आप को सीखनी होगी। जिंदगी में हमेशा संघर्ष ही न करते रहे न ही खुद को काम के बोझ तले दबाए रखें। किसी की मदद करना या किसी से मदद लेने में कोई बुराई नही। व्यक्ति को विरासत में धन, सम्पत्ति बढ़िया घर, पद, सभी मिल सकता है, लेकिन अनुभव नही। आज प्रत्येक व्यक्ति अपनी आय व्यय का लेखा जोखा रखता है, परंतु यह कैसा दुर्भाग्य है कि वह स्वयं के कृत्यों का लेखा जोखा नही रखता है। जीवन को सुखी और सफल बनाना चाहते हो तो दुसरों को मान दो सम्मान दो।

परमात्मा के प्रति अटूट श्रद्धा और पूर्ण समर्पण भाव जरूरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी, दरबार में धर्मसभा में उप-स्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी धर्मप्रभा जी ने कहा कि परमात्मा के निकट होने का सिर्फ एक मात्र उपाय है कि परमात्मा के प्रति अटूट श्रद्धा और पूर्ण समर्पण भाव का होना। परमात्मा को बुद्धि या दिमाग से नहीं बल्कि हृदय की गहराईयों से ही प्राप्त किया जा सकता है।

हम प्रभु के प्रति भक्तिपूर्ण समर्पण तभी कर सकते हैं जब परमात्मा हमारी आवश्यकता बन जाए। केवल वो ही हमारे जीवन का ध्येय और हमारा परम लक्ष्य होना चाहिये और जब हमारी नजर केवल अपने लक्ष्य पर होती है तभी हमें अपनी मंजिल प्राप्त हो सकती है।

जिस प्रकार एक बीज की यात्रा वृद्ध, फल व रस की देयता तक सम्पूर्ण होती है उसी प्रकार एक आत्मा और एक सच्चे साधक की यात्रा का लक्ष्य परमात्मा एवं मोक्ष होना चाहिए। उस परम पिता परमात्मा को प्राप्त करने के लिये

या नर से नारायण बनने के लिए चाहिए कि अपने ध्येय के प्रति पूर्ण समर्पण, पूर्ण विश्वास पूर्ण आशा और पूर्ण भक्ति हो। उन्होंने आगे कहा कि व्यक्ति को जीवन में सफल होने के लिये हमेशा ज्ञानी संत महापुरुषों की संगत करना चाहिये जिससे हमारी आत्मा की भी शुद्धि होकर उनके सद्गुणों का हमारे जीवन में संप्रेक्षण हो सके।

व्यक्ति को हमेशा दूसरों की निन्दा चुगली करने से बचना चाहिये और नाही दूसरों की निन्दा, बुराई करने वालों की संगत करना चाहिये। जैसे अपने स्वच्छ साफ किये हुए घर में हम बाहर का कचरा - गन्दगी नहीं डालते हैं और ना किसी को डालने देते हैं। वैसे ही हमारा यह हृदय मंदिर भी भक्ति साधना का केन्द्र है, फिर हम उस परमात्मा के निवास स्थान हृदय- मंदिर में भक्ति, गुण कीर्तन, धर्म साधना रूपी रत्नों को छोड़कर उस पवित्र स्थान में राग-द्वेष, निन्दा, क्रोध, मान, मायादि कषायों की गन्दगी रूप कचरा कैसे डाल सकते हैं। मनुष्य को इसका अवश्य ही चिंतन करना चाहिए।

सीएम के इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा प्रतिनिधियों का प्रदर्शन

सीएम सिद्धरामैया को आगे आकर देना चाहिए इस्तीफा: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के वरिष्ठ नेता आर. अशोक ने कहा कि अगर सीएम सिद्धरामैया विधानसभा भंग कर देंगे तो भाजपा उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन नहीं करेगी। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग को लेकर गुरुवार को राज्य भाजपा की ओर से विधान सौधा की गांधी प्रतिमा के सामने एक विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस अवसर पर आर. अशोक ने कहा सिद्धरामैया, अगर आप विधानसभा भंग करने का प्रस्ताव रखेंगे तो कांग्रेस के 136 विधायकों में से 135 विधायक आपके साथ नहीं होंगे। जमीर, महादेवप्पा और पाटिल भी वहां नहीं होंगे। राज्य में विकास एक सपना है। लूट और भ्रष्टाचार अब सीमा से बाहर है। उन्होंने कहा कि इस सरकार के पास विधानसौधा में कैबिनेट बैठक आयोजित करने का अधिकार और क्षमता नहीं है और उन्होंने सुझाव दिया कि आपके लिए आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता इस्तीफा देना है। आप किस का इंतजार कर रहे हैं? हाईकोर्ट ने आदेश दिया है। जनप्रतिनिधि न्यायालय का आदेश भी आ गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया इस्तीफा देने के अलावा कुछ नहीं कर सकते। क्या आपने पहले येदियुरप्पा के लिए नहीं कहा था कि वह मुख्यमंत्री रहते हुए जांच को प्रभावित करेंगे? विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि कांग्रेसियों और सिद्धरामैया ने कर्नाटक में एटीएम से खुद को बर्बाद कर लिया। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार के जरिए कर्नाटक की जनता को देश में नीलाम कर रही है। उन्होंने सिद्धरामैया को इस्तीफा देकर थोड़ी सी गरिमा बनाए रखने की सलाह दी। इससे पहले मुख्यमंत्री को हाईकोर्ट का आदेश आते ही इस्तीफा दे देना चाहिए था। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को आपका इस्तीफा स्वीकार कर लेना चाहिए था और आपको पार्टी से निष्कासित कर देना चाहिए था। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि कांग्रेस आलाकमान पूरी तरह से कमजोर है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र के आह्वान पर किए गए विरोध प्रदर्शन में उपनेता अरविंद बेलाड, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, सांसद, विधायक और विधान परिषद के सदस्य उपस्थित थे।

महालक्ष्मी के प्रेमी ने गुस्से में आकर उसकी हत्या कर दी, उसके शरीर को एक्सल ब्लेड से काट डाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु में महालक्ष्मी हत्याकांड की पुलिस जांच में पता चला है कि उसके सहकर्मी और कथित प्रेमी ने गुस्से में आकर उसकी हत्या कर दी और उसके शरीर को एक्सल ब्लेड से 59 टुकड़ों में काट डाला। आरोपी मुक्तिरंजन रॉय, जो एक मॉल में महालक्ष्मी का टीम लीडर था, ने उसका गला घोंटकर हत्या कर दी, उसके शरीर को बाथरूम में घसीटा और उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। रॉय ने शरीर के अंगों को फ्रिज में भर दिया और सबूत मिटाने के लिए बाथरूम को तेजाब से साफ कर दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उसने घर की सफाई भी की थी, ताकि अगर कोई अंदर झांकने की कोशिश करे तो ऐसा लगे कि कुछ हुआ ही नहीं है। संदिग्ध हत्यारे ने अपने सुसाइड नोट में लिखा है कि उसने उसके व्यवहार से तंग आकर यह क्रूर अपराध किया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुसाइड नोट उसकी डायरी में लिखा था। आरोपी ने अपनी डायरी में लिखा था मैंने 3 सितंबर को अपनी प्रेमिका महालक्ष्मी की हत्या कर दी है। उन्होंने कहा मैं उसके व्यवहार से तंग आ चुका था। मैंने निजी मामलों को लेकर उससे झगड़ा किया और महालक्ष्मी ने मुझ पर हमला किया। उसके कृत्य से क्रोधित होकर मैंने उसे मार डाला। रॉय को ओडिशा के भद्रक जिले के एक गांव में पेड़ से लटका हुआ पाया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया रॉय बुधवार को पांडी गांव पहुंचा और बाद में दोपहिया वाहन से चला गया। स्थानीय लोगों ने रॉय के शव को पेड़ से लटका हुआ देखा। 1 सितंबर से रॉय ड्यूटी से अनुपस्थित हैं, जो महालक्ष्मी के काम के आखिरी दिन से मेल खाता है। हत्या का मामला 21 सितंबर को तब सामने आया जब पड़ोसियों ने दो दिनों से महालक्ष्मी के घर से दुर्गंध आती देखी और उसके रिश्तेदारों को इसकी सूचना दी। महालक्ष्मी की मां और बहन उसके घर आईं और उन्होंने भयानक दृश्य देखा। हालांकि रेफ्रिजरेटर चालू था, लेकिन शव में कीड़े लग गए थे। इलाके के निवासियों के अनुसार, महालक्ष्मी अपने पड़ोसियों से ज्यादा घुलती-मिलती नहीं थी। कुछ दिनों तक उसका भाई उसके साथ रहा। पुलिस को यह भी पता चला है कि वह शादीशुदा थी और उसका एक बच्चा भी था, लेकिन वह अलग रहती थी। फ्रिज में महालक्ष्मी के कटे हुए शरीर के अंगों की बरामदगी के बाद रॉय का कार्यस्थल पर न होना पुलिस को संदिग्ध लगा। जांच के दौरान, पुलिस को पता चला कि रॉय महालक्ष्मी के बहुत करीब था और अक्सर उसे फोन करता था।

सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

बागलकोट/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुनागुंडा तालुक के धन्नूर गांव के पास बुधवार देर रात एक दुखद घटना घटी, जिसमें एक कार और कैंटर की टक्कर में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

बताया जाता है कि विजयपुर जिले के बिदारकुंडी गांव निवासी लक्ष्मण वड्डर (55), बैलप्पा बिरदार (45), रामन्ना नायक (50), ड्राइवर रफीक मुल्ला (25) की मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब मृतक रात करीब 2 बजे होस्पेट के पास हुलिगेमा मंदिर से लौट रहे थे, तभी मुद्देबिहाला से हुनागुंडा की ओर जा रही कार पीछे से टकरा गई। पता चला है कि देर रात तक लगातार कार चलाने और ड्राइवर को कुछ देर के लिए नींद आ जाने के कारण यह हादसा हुआ। टक्कर जोरदार होने के कारण कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई और खबर सुनते ही हुनागुंडा पुलिस स्टेशन ने घटनास्थल का दौरा किया, जांच की, मामला दर्ज किया और आगे की कार्रवाई शुरू की।

मैं दोषी नहीं हूं और अपने पद से इस्तीफा नहीं दूंगा: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को कहा कि वह दोषी नहीं हैं और अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे। उन्होंने यह बात मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाला मामले में विशेष अदालत के आदेश के मद्देनजर भाजपा और जद (एस) की मांग पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कही। विधानसभा में पत्रकारों से बात करते हुए सीएम सिद्धरामैया ने कहा मैंने कोई गलती नहीं की है और मुझे इस्तीफा देने की कोई जरूरत नहीं है। कई भाजपा नेता जमानत पर हैं, क्या इससे उन्हें शर्मिंदगी नहीं होगी? क्या उनमें से किसी ने अपना इस्तीफा दिया है? डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में

कहा मैं कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष के तौर पर मीडिया को बता रहा हूं कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया इस्तीफा नहीं देंगे। शिवकुमार ने कहा वह अपना इस्तीफा नहीं देंगे। सीएम सिद्धरामैया के पद छोड़ने का प्रस्ताव नहीं आएगा। यह भाजपा और जेडी(एस) की साजिश है। वे गारंटी योजनाओं की सफलता को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि भाजपा ने सीएम सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग को लेकर राज्य में अपना आंदोलन तेज कर दिया है। इस बीच, सीएम सिद्धरामैया ने गृह मंत्री जी. परमेश्वर, कानून मंत्री एच.के. पाटिल, सीएम के कानूनी सलाहकार, कांग्रेस विधायक ए.एस. पोन्ना और कानूनी विशेषज्ञों के साथ बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें भविष्य की कार्रवाई पर चर्चा की गई, क्योंकि विशेष अदालत ने मुडा मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और जांच करने का निर्देश दिया था। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया विधान सौधा में कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता भी कर रहे है। सूत्रों ने कहा कि वह मंत्रिपरिषद का समर्थन मांगेंगे और इस संबंध में घोषणा करेंगे।

कैबिनेट बैठक में सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ राज्यपाल थावरचंद गहलोत की कथित पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के खिलाफ राष्ट्रपति से संपर्क करने के विकल्प पर भी विचार किए जाने की उम्मीद है। कर्नाटक की एक विशेष अदालत ने बुधवार को लोकायुक्त को मुडा घोटाले में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ जांच करने का निर्देश दिया। अदालत ने लोकायुक्त को तीन महीने में रिपोर्ट पेश करने को कहा और सक्षम अधिकारियों को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया।

राज्यपाल अगर रोज पत्र लिखेंगे तो जवाब नहीं दे पाएंगे: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने गुरुवार को कहा कि अगर राज्यपाल थावरचंद गहलोत रोज सवाल पूछेंगे तो सरकार जवाबदेह नहीं है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा हमें राज्यपाल के सभी सवालों के जवाब देने की जरूरत नहीं है। वह संवैधानिक प्रमुख हैं। मुख्यमंत्री और सरकार कार्यकारी प्रमुख हैं। अगर राज्यपाल रोज सवाल पूछना चाहें तो हम जवाबदेह नहीं हैं। हमें हर दिन रिपोर्ट देने की जरूरत नहीं है। हम उन्हें नीतिगत मामलों और बड़े फैसलों के बारे में जानकारी देते रहेंगे। अगर वह रोज पत्र लिखेंगे और जानकारी देने के लिए कहेंगे तो हम जवाब नहीं दे पाएंगे। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले में सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ

मैसूरु लोकायुक्त को जांच शुरू करने के लिए अदालत द्वारा निर्देश दिए जाने के बाद भविष्य की कार्रवाई के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा हमें कानूनी टीम की सलाह देखनी होगी। एक बार उनकी राय आने के बाद हम इसकी जांच करेंगे। उनकी राय के आधार पर फैसला लिया जाएगा। परमेश्वर ने कहा, हमें कानूनी तौर पर विकल्पों की जांच करनी होगी। विधायकों/सांसदों के लिए विशेष अदालत ने बुधवार को सीआरपीसी 156 ए का हवाला दिया है। सीआरपीसी अब निरर्थक है और इसे प्रभावी नहीं बनाया जा सकता। बीएनएसएस को प्रभावी रहने दिया गया है और आदेश बीएनएसएस के तहत दिया गया होगा। इस पर भी चर्चा हो रही है। हमें देखना होगा कि इस संबंध में कानूनी टीम की क्या सलाह है। इस पर चर्चा की जाएगी और निर्णय लिया जाएगा। केंद्र सरकार ने सीआरपीसी (आपराधिक प्रक्रिया संहिता) की जगह बीएनएसएस (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता) लागू कर दिया है।

उन्होंने कहा हमें चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ना होगा। राय मिलने के बाद हमें हाईकोर्ट की खंडपीठ के पास जाना होगा। इसके बाद हमें सुप्रीम कोर्ट जाना होगा। विकल्प मौजूद हैं और हर विकल्प पर विचार करने के बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा। भाजपा और जेडीएस के विरोध के बारे में पूछे जाने पर परमेश्वर ने कहा विपक्ष के तौर पर भाजपा को जो करना है, वह करना स्वाभाविक है। हम कानून के मुताबिक जरूरी कदम उठाएंगे। कानून श्रेष्ठ है या उनकी राय श्रेष्ठ? भाजपा की राय श्रेष्ठ नहीं हो सकती। कानून हमेशा सबसे ऊपर होता है और व्यक्तिगत राय हमेशा बाद में आती है। उन्होंने कहा भाजपा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को मुख्यमंत्री पद से हटने के लिए मजबूर करने के लिए उन पर आरोप लगा रही है। एक कानून है। हम कानून के प्रावधानों के तहत लड़ेंगे। मैं फैसले पर टिप्पणी नहीं करूंगा, मैं सिर्फ इतना कहूंगा कि हम आदेश से संतुष्ट नहीं हैं। फैसला आ चुका है, लेकिन हम खुश नहीं हैं। अदालत के समक्ष हमारी प्रार्थनाओं और दिए गए सबूतों पर विचार नहीं किया गया और यह हमारी चिंता है। इसलिए, हमारे भविष्य के विकल्प खंडपीठ और सर्वोच्च न्यायालय हैं।

डॉक्टर की लापरवाही से युवक की मौत

डीसी ने क्लिनिक को सील करने का दिया आदेश

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कॉस्मेटिक सर्जरी के लिए क्लिनिक आए युवक की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने शहर के एक निजी कॉस्मेटिक सर्जरी क्लिनिक को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. एच.आर. तिम्मैया ने डिप्टी कमिश्नर (डीसी) मुल्लई मुहिलान के निर्देशानुसार क्लिनिक को सील कर दिया है।

उल्लाल निवासी एक व्यक्ति की मौत के बाद क्लिनिक को सील कर दिया गया है। व्यक्ति कॉस्मेटिक सर्जरी के लिए क्लिनिक गया था। स्वास्थ्य विभाग ने मृतक के परिजनों द्वारा डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाए जाने के बाद मामले को स्वतः संज्ञान में लिया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि डॉक्टर ने

सर्जरी से पहले एनेस्थीसिया का गलत इस्तेमाल किया था। परिवार के अनुसार, मृतक शनिवार की सुबह अपने बाएं सीने पर एक छोटे से फोड़े को निकलवाने के लिए क्लिनिक गया था। हालांकि, उनका दावा है कि डॉक्टर की लापरवाही के कारण उसकी मौत हुई। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.आर. तिम्मैया ने कहा स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा प्रारंभिक निरीक्षण के दौरान, यह पाया गया कि क्लिनिक में बुनियादी ढांचे की कमी थी। मामले की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है, और समिति अपनी जांच रिपोर्ट डीसी को सौंपेगी।

कांग्रेस शहरी नक्सलियों की प्रवक्ता : नड्डा

अनुच्छेद 370 पर विपक्ष के रुख की निंदा की

भुवनेश्वर, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुवार को ओड़ीशा पहुंचे। ओड़ीशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और अन्य वर्ष्ठ नेताओं ने उनका राज्य में स्वागत किया। भुवनेश्वर में उन्होंने भाजपा सदस्यता अभियान को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोला। नड्डा ने कांग्रेस को शहरी नक्सलियों का प्रवक्ता बताया। इसके अलावा उन्होंने अनुच्छेद 370 और तीन तलाक व्यवस्था को खत्म करने पर कांग्रेस के रुख की भी निंदा की।

नड्डा ने कहा, कांग्रेस अब शहरी नक्सलियों की प्रवक्ता बन गई है और साथ ही देश में विघटनकारी ताकतों को बढ़ावा दे रही है। दो पार्टियों की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस अलग-अलग धड़ों में काम करती है, जबकि भाजपा मिलजुल कर काम करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम सबका साथ, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

नड्डा ने दावा किया कि भाजपा ही एकमात्र सच्ची राष्ट्रीय पार्टी है जो लोकतांत्रिक ढंग से काम करती है। उन्होंने कहा, भाजपा एक समर्पित कैडर और अधिकतम जन अनुयायी वाली एक वैचारिक पार्टी है। भाजपा नेता ने कहा, कौन सी ऐसी पार्टी है जो विचारधारा पर चली? हमारे वामपंथी दल के साथी कहां से चले थे और कहां पहुंच गए। किससे दोस्ती की किससे दुश्मनी की समझ ही नहीं आया। आज केरल में वे आपस में नूरा कुश्ती करते हैं और दिल्ली में दोस्ती करते हैं। पश्चिम बंगाल में लड़ते हैं और दिल्ली में साथी बनकर खड़े हो जाते हैं।

अनुच्छेद 370 और तीन तलाक पर कांग्रेस के रुख की निंदा करते हुए उन्होंने कहा, ये भाजपा है जिसने भारतीय जनसंघ के नाम पर 1952 में कहा था कि एक ही देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे। हमने एक लंबी यात्रा की। साल 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में धारा 370 को हटा दिया गया। जम्मू-कश्मीर का संविधान अलग था और भारत का संविधान अलग था। भारत के लगभग 200 कानून ऐसे थे जो जम्मू-कश्मीर की धरती पर लागू नहीं होते थे।

नेम प्लेट मामले में अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया : हिमाचल सरकार

शिमला/ नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

हिमाचल प्रदेश में रेहड़ी पटरी वालों को पहचान पत्र जारी करने को लेकर राज्य सरकार ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि वेंडर्स के लिए नेम प्लेट सहित अन्य मामले में अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार स्ट्रीट वेंडर्स नीति के संबंध में मंत्रियों तथा विधायकों की एक समिति का पहले गठन किया गया है, जिसमें राज्य सरकार के मंत्री और विधायक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को समाज के विभिन्न वर्गों से इस बारे में सुझाव भी मिले हैं और उन सुझावों को ध्यान में रखते हुए इस मामले के हर पहलू पर संवेदनशीलता से विचार किया जा रहा है और फिर मंत्रिमंडल द्वारा इन सिफारिशों का गहनता से मूल्यांकन करने के बाद ही इस बारे में अन्तिम निर्णय लिया जाएगा। राज्य सरकार स्ट्रीट वेंडर्स से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और इस सन्दर्भ में कोई भी निर्णय लेने से पूर्व सभी सुझावों पर गहनता से विचार विमर्श किया जाएगा।

प्रवक्ता ने यह भी बताया कि इस संदर्भ में संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान की अध्यक्षता में कांग्रेस और भाजपा विधायकों की एक समिति का गठन किया गया है। ग्रामीण विकास एवं पंचायती मंत्री अनिरूद्ध सिंह, लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, विधायक अनिल शर्मा, सतपाल सती, रणधीर शर्मा और हरीश जनारथा इस समिति के सदस्य हैं। समिति इस मामले में प्रदेश सरकार को अपनी सिफारिशें देने से पूर्व विभिन्न हितधारकों के सुझावों की समीक्षा करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी को दी सशर्त जमानत

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने परिवहन विभाग में कर्मचारियों की नियुक्ति में कथित अनियमितताओं से संबंधित धन शोधन के एक मामले में तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका को गुरुवार को सशर्त मंजूरी दे दी।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और याचिकाकर्ता की दलीलें विस्तारपूर्वक सुनने के बाद पूर्व मंत्री की जमानत याचिका मंजूर की। शीर्ष अदालत ने 12 अगस्त को मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। पीठ ने मुकदमे की सुनवाई में शुरू होने में देरी का आधार मानते हुए बालाजी की याचिका स्वीकार की।

मद्रास उच्च न्यायालय ने 28 फरवरी को और उससे पहले सत्र न्यायालय ने बालाजी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उच्च न्यायालय में राहत नहीं मिलने के बाद उन्होंने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम नेता बालाजी को ईडी ने 14 जून 2023 को धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ तमिलनाडु परिवहन विभाग में बस कंडक्टरों, ड्राइवरों और जूनियर इंजीनियरों की नियुक्ति में कथित अनियमितताओं का आरोप है। ईडी ने इसी से जुड़े धनशोधन का मामला दर्ज किया था। अनियमितताओं का यह मामला कथित तौर पर 2011 से 2015 की अवधि में उनके परिवहन मंत्री के कार्यकाल के दौरान का है।

मंकीपॉक्स के लिए केंद्र ने दिए जिला स्तर पर तैयारी करने के निर्देश

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने मंकीपॉक्स बीमारी से निपटने के लिए राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए जिला स्तर पर तैयारी करने को कहा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में सचिव अपूर्व चंद्रा ने सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे एक पत्र में कहा है कि सभी सरकारी और निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में मंकीपॉक्स के संदिग्ध रोगियों को लेकर सतर्कता बरती जानी चाहिए और त्वचा के स्राव को परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा जाना चाहिए।

इस पत्र की प्रति गुरुवार को यहां जारी की गई। मंकीपॉक्स पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों का उल्लेख करते हुए पत्र में कहा गया है कि इस बीमारी से निपटने के लिए जिला स्तर पर तैयारी की जानी चाहिए। जिला अस्पतालों में मंकीपॉक्स के रोगियों के लिए अलग वार्ड बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा गया है कि बीमारी में निपटने में पर्याप्त मानव बल जुटाया जाना चाहिए।

उपचार के लिए संबंधित दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए और औषधि तथा उपकरणों का उपलब्ध होना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

पत्र में मुख्य सचिवों से जिला अस्पतालों की निरंतर निगरानी करने को कहा गया है। इसके अलावा इस बीमारी और इसके उपचार के संबंध में समाज में जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए और प्रत्येक संदिग्ध मामले को दर्ज किया जाना चाहिए।

श्रीनगर जिले में कम मतदान की लोगों ने गिनाई वजहें

जम्मू, 26 सितंबर (ब्यूरो)।

तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद श्रीनगर जिले में हुए कल के मतदान प्रतिशत ने सबको निराश किया है। हालांकि कम मतदान के लिए जिले के वोटरों ने अलग अलग कारण गिनाए तो पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इसके लिए केंद्र सरकार को दोषी करार दिया है।

श्रीनगर जिले में सबसे कम मतदान हुआ, जो कि लगभग 29.00 प्रतिशत रहा। ईदगाह विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 36.93 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि हब्बाकदल निर्वाचन क्षेत्र में जिले में सबसे कम 18.39 प्रतिशत मतदान हुआ। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि श्रीनगर में कम मतदान केंद्र सरकार द्वारा उच्च मतदान प्रतिशत की तुलना सामान्य स्थिति से करने का परिणाम है। पत्रकारों से बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि दूसरे चरण में मतदान प्रतिशत उनकी अपेक्षा से कम

था। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि उच्च मतदान प्रतिशत की तुलना सामान्य स्थिति से करना और इसे अनुच्छेद 370 हटाने का प्रभाव कहना केंद्र सरकार की गलती है। मुझे लगता है कि श्रीनगर में कम मतदान इसी की प्रतिक्रिया थी।

हालांकि श्रीनगर में कुछ युवाओं ने मतदान न करने का विकल्प चुना था क्योंकि उन्होंने उम्मीदवारों के प्रति अपनी निराशा और केंद्र शासित प्रदेश में चुनावी प्रक्रिया से बढ़ते मोहभंग को व्यक्त किया। अब्बास जैसे कई लोगों के लिए, जो श्रीनगर के डाउनटाउन के एक युवा हैं, मतदान न करने का निर्णय उदासीनता की भावना से आया था।

अब्बास का कहना था कि चुनाव के बाद प्रतिनिधि शायद ही वोटों की परवाह करते हैं। साथ ही, अनुच्छेद 370 के निरस्त होने से पहले पिछली विधानसभा की तुलना में उनके पास कम शक्ति है, मेरा मानना है कि विधायकों के कम अधिकार ने कई लोगों को दैनिक चिंताओं को दूर करने की उनकी क्षमता पर संदेह करने के लिए प्रेरित किया है। वे कहते हैं कि केंद्र शासित प्रदेश और राज्य में चुनाव दो अलग-अलग चीजें हैं। उन्होंने इस धारणा की ओर इशारा करते हुए कहा कि वर्तमान संरचना स्थानीय प्रभाव को सीमित करती है। श्रीनगर में किराए के मकान में रहने वाले हुसैन डार ने भी यही भावना व्यक्त की।

डार ने कहा, मैंने आकर्षक उम्मीदवारों की कमी का हवाला देते हुए अपना वोट नहीं डालने का फैसला किया और मेरे पास अपनी पसंद का उम्मीदवार नहीं था, इसलिए मुझे वोट देने की ज़रूरत महसूस नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि कई लोग मौजूदा राजनीतिक चर्चा से अलग-थलग महसूस कर रहे हैं। हमारे निर्वाचन क्षेत्र में कोई प्रमुख चेहरा नहीं है। कश्मीर विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के शोध छात्र तनवीर अहमद लोन ने कम मतदान का एक कारण लोकसभा चुनावों में मतदाताओं की थकान बताया। लोन ने कहा कि इस बार लोगों में मतदान केंद्रों पर जाने की उतनी इच्छा नहीं दिखी। वे कहते थे कि पिछले चुनावों में जो उत्साह और उम्मीद देखी गई थी, वह कम हुई है।

पर्यवेक्षकों का यह भी कहना है कि अलगाव की भावना, परिचित राजनीतिक चेहरों की वापसी और बेरोजगारी के बढ़ते मुद्दे ने कम मतदान में भारी योगदान दिया। कई नागरिकों ने निराशा व्यक्त की कि उनकी चिंताओं का समाधान नहीं किया गया, जिससे चुनावी प्रक्रिया के प्रति उदासीनता की भावना बढ़ रही है।

गौरतलब है कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद मई 2024 में हुए पिछले लोकसभा चुनाव में श्रीनगर लोकसभा क्षेत्र जिसमें श्रीनगर, गंदरबल, पुलवामा और बडगाम और शोपियां जिले शामिल हैं, में रिकार्ड 38.49 प्रतिशत मतदान हुआ था। पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में इसी प्रतिशत 14.43 प्रतिशत मतदान हुआ था।

अबूझमाड़ के बदलने लगे हैं हालात

माड़ बचाओ अभियान से इलाके में जगी शांति की नई उम्मीद

अबूझमाड़, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित अबूझमाड़ का नाम सुनते ही घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ियों तथा वहां छिपे खतरनाक नक्सलियों का ख्याल जहां एक सिहरन पैदा करती है और जहां आम इंसान का पहुंचना मुश्किल होता है, वहां अब हालात बदलने लगे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में चलाए गए माड़ बचाओ अभियान से नक्सलियों के इस गढ़ में शांति की एक नई उम्मीद जगी है। सुरक्षा बलों के लगातार अभियान से नक्सलियों को निरंतर चुनौती मिल रही है। मुख्यमंत्री स्वयं ऐसे अभियानों की निरंतर समीक्षा कर रहे हैं और हर कदम की बारीकी से निगरानी करते हैं। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से समय-समय पर फीडबैक लेकर यह सुनिश्चित किया है कि हर अभियान नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक साबित हो। उनका उद्देश्य स्पष्ट है-नक्सल प्रभावित इलाकों को आतंक से मुक्त करके, वहां शांति और सुरक्षा का वातावरण स्थापित करना। उनका कहना है कि अबूझमाड़ और अन्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को पूरी तरह से मुक्त किया जाना उनकी सरकार का लक्ष्य है, ताकि यहां के लोगों को विकास और स्थिरता का अनुभव हो।

श्री साय का ध्यान केवल सुरक्षा अभियानों तक सीमित नहीं है बल्कि वह इन इलाकों में विकास कार्यों को भी अत्यधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। सड़क निर्माण, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं को तेज़ी से लागू करने के लिए उन्होंने विशेष निर्देश दिये गये हैं। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री

अमित शाह छत्तीसगढ़ में लगातार चलाये जा नक्सल विरोधी अभियान और इन क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्यों की रिपोर्ट सीधे मुख्यमंत्री से ले रहे हैं। उन्होंने कहा है कि नक्सलियों के पास अब दो ही रास्ते बचे हैं- या तो वे आत्मसमर्पण करें या सुरक्षा बलों की कार्रवाई का सामना करें। उनका यह बयान नक्सलियों को मुख्यधारा में लौटने और शांति की राह अपनाने के लिए प्रेरित करने वाला है, जिससे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास और सुरक्षा की दिशा में सकारात्मक बदलाव आ सके।

अबूझमाड़ में हाल में नक्सलियों के खिलाफ अभियान में सुरक्षा बलों को एक बड़ी सफलता मिली है। गत 23 सितंबर को अबूझमाड़ में परादी के जंगलों में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर नक्सलियों के एक बड़े समूह को घेर लिया। सुरक्षा बलों ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने को कहा लेकिन नक्सलियों ने जवाब में गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। दोनों पक्षों के बीच चली इस मुठभेड में तीन कुख्यात नक्सली मारे गये। इनमें एक महिला भी शामिल है। मुठभेड़ के बाद घटनास्थल से भारी संख्या में हथियार और विस्फोटक बरामद किये गये , जिनमें एके-47, इंसास, एसए-लआर, और बीजीएल लॉन्चर जैसे अत्याधुनिक हथियार शामिल हैं। अबूझमाड़ की मुठभेड़ में सुरक्षा बलों की सफलता के बाद यहां के ग्रामीणों में एक नई आशा जगी है। नक्सली आतंक के साये में घिरे लोग अब अपनी आजादी और विकास की उम्मीद में जी रहे हैं। सुरक्षा बलों के इस साहसिक अभियान ने साबित कर दिया है कि नक्सलियों का अबूझमाड़ में अब टिक पाना असंभव है। पुलिस महानिरीक्षक (बस्तर रेंज) सुंदरराज पी. ने बताया कि इस वर्ष बस्तर क्षेत्र में मुठभेड़ में ढेर 157 नक्सलियों के शव बरामद किये गये हैं और 663 को गिरफ्तार किया गया है जबकि 556 ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने दावा किया कि अबूझमाड़ में नक्सलियों की कमर टूट चुकी है और बहुत जल्द यह क्षेत्र पूरी तरह नक्सल मुक्त हो जायेगा।

प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों का हुआ सामूहिक पिंडदान

गया, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार के गया में चल रहे विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला में गुरुवार को प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों सामूहिक पिंडदान किया गया।

गया शहर के विष्णुपद मोहल्ला निवासी चंदन कुमार सिंह ने प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान एवं तर्पण कर्मकांड किया। यह कर्मकांड फल्गु नदी के तट पर स्थित देवघाट पर पूरे विधि विधान के साथ किया गया। पिंडदान की प्रक्रिया स्वामी वेंकटेश प्रपन्नाचार्य के द्वारा संपन्न कराई गई।श्री सिंह ने कहा ने इस मौके पर कहा, हमारे पिता सुरेश नारायण के द्वारा प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों का पिंडदान वर्ष 2001 से कराया जा रहा था। पिता जी की मृत्यु के पश्चात 2014 से प्राकृतिक आपदा, जंघन्य अपराध में मारे गए लोग या ऐसे लोग जिनका इस दुनिया में कोई नहीं है और उनकी मृत्यु हो गई है, ऐसे लोगों का हम सामूहिक पिंडदान करते आ रहे हैं। हाल के दिनों कोलकाता में जंघन्य अपराध के दौरान मारी गई महिला डॉक्टर की आत्मा के शांति लिए भी हमने तर्पण कर्मकांड किया है. आगे भी हमारा यह कार्य जारी रहेगा।

आम के उत्पादन में ही नहीं निर्यात में भी नंबर वन बनेगा यूपी

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

फलों के राजा आम के उत्पादन में देश भर में अव्वल उत्तर प्रदेश ने अब एक योजना के तहत आम के निर्यात में भी नंबर वन बनने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं।

अधिकृत सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि आम की रंगीन प्रजातियों की यूएस और यूरोपियन देशों में अच्छी मांग है। केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईएसएच) द्वारा पिछले कुछ वर्षों में रिलीज हुई अरुणिका और अंबिका भी रंगीन हैं। जल्दी रिलीज होने वाली अवध समृद्धि भी रंगीन है। अवध मधुरिमा जो रिलीज होने की पाइप लाइन में है, वह भी रंगीन है। ऐसे में इनके निर्यात की संभावना बढ़ जाती है। सरकार की मंशा सिर्फ आम के उत्पादन में ही नहीं निर्यात में भी उत्तर प्रदेश को नंबर वन बनाने की है। उन्होने बताया कि यूएस और यूरोपियन देशों के निर्यात मानकों को पूरा करने के लिए सरकार जेवर एयरपोर्ट के पास रेडिएशन ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करेगी। अभी तक उत्तर भारत में कहीं भी इस तरह का ट्रीटमेंट प्लांट नहीं है। इस तरह के ट्रीटमेंट प्लांट सिर्फ मुंबई और बेंगलुरु में है।

इन्हीं दो जगहों के आम की प्रजातियों (अलफांसो, बॉम्बे ग्रीन, तोतापारी, बैगनफली) की निर्यात में सर्वाधिक हिस्सेदारी भी है। ट्रीटमेंट प्लांट न होने से संबंधित देशों के निर्यात मानक के अनुसार ट्रीटमेंट के लिए इनको मुंबई या बेंगलुरु भेजिए। ट्रीटमेंट के बाद फिर निर्यात कीजिए। इसमें समय और संसाधन की बर्बादी होती है। साथ ही सेल्फ लाइन कम होने से गुणवत्ता भी खतरे में रहती है। इसीलिए सरकार पीपीपी मॉडल पर जेवर इंटर नेशनल एयरपोर्ट के पास रेडिएशन ट्रीटमेंट प्लांट लगाने जा रही है। सूत्रों ने दावा किया कि रेडिएशन ट्रीटमेंट तकनीक में निर्यात किए जाने वाले फल, सब्जी,अनाज को रेडिएशन से गुजरा जाता है। इससे उनमें मौजूदा कीटाणु मर जाते हैं और ट्रीटेड उत्पाद की सेल्फ लाइफ भी बढ़ जाती है।

ट्रीटमेंट प्लांट चालू होने पर उत्तर प्रदेश के आम बागवानों के लिए यूएस और यूरोपियन देशों के बाजार तक पहुंच आसान हो जाएगी। चूंकि उत्तर प्रदेश में आम का सबसे अधिक उत्पादन होता है, इसलिए निर्यात की किसी भी नए अवसर का सर्वाधिक लाभ भी यहीं के बागवानों को मिलेगा।

सूत्रों ने बताया कि पुराने बागों की उपज और गुणवत्ता सुधारने के लिए आम के कैनोपी प्रबंधन की जरूरत होती है। इस काम में गतिरोध दूर करने के लिए सरकार शासनादेश भी जारी कर चुकी है। वैज्ञानिक लगातार बागवानों को पुराने बागों की इस विधा से प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित भी कर रहे हैं। कुछ समय बाद आम की उपज और गुणवत्ता पर इसका असर दिखेगा। पिछले दिनों सीआईएसएच रहमानखेड़ा (लखनऊ) में आम पर आयोजित राष्ट्रीय गोष्ठी में इजरायल के वैज्ञानिक युवान कोहेन ने कहा भी था कि भारत को यूरोपीय बाजार की पसंद के अनुसार आम का उत्पादन करना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी हरदम किसानों से कृषि विविधिकरण और बाजार की मांग के अनुसार फसल लेने पर जोर देते हैं। हालांकि आम के उत्पादन में भारत में भारत नंबर एक है। देश के उत्पादन में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी एक तिहाई से अधिक है पर जब बात आम के निर्यात की आती है तो भारत फिसड्डी देशों में शामिल है। आम के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी मात्र 0.52 फीसद है। आम के प्रमुख निर्यातक देश थाईलैंड, मैक्सिको, ब्राजील, वियतनाम और पाकिस्तान आदि हैं। इनके निर्यात का फीसद क्रम से 24, 18, 11, 5 और 4.57 है। ऐसे में वैश्विक बाजार में भारत के आम के निर्यात की अपार संभावना है।

पिछले साल इनोवा फूड के एक प्रतिनिधिमंडल ने कृषि उत्पादन आयुक्त देवेश चतुर्वेदी से मुलाकात की थी। निर्यात के बाबत बात चली तो उन लोगों ने बताया कि यूएस और यूरोपियन बाजार में चौसा और लगड़ा की ठीक ठाक मांग है। उनके निर्यात के मानकों को पूरा किया जाय तो उत्तर प्रदेश के लिए यह संभावनाओं वाला बाजार हो सकता है। मालूम हो कि ये दोनों प्रजातियां उत्तर प्रदेश में ही पैदा होती हैं। जरूरत सिर्फ बाजार की मांग के अनुसार आम के उत्पादन और संबंधित देशों के निर्यात मानकों को पूरा करने की है। इसके लिए योगी सरकार संभव प्रयास भी कर रही है। आम की लाल रंग की प्रजातियां सिर्फ देखने में ही आकर्षक नहीं होती। स्वास के लिहाज से भी ये बेहतर हैं। आम या किसी भी फल के लाल रंग के लिए एंथोसायनिन जिम्मेदार होता है। इससे इसकी पौष्टिकता बढ़ जाती है। अब तक के शोध बताते हैं एंथोसायनिन मोटापे और मधुमेह की रोकथाम में सहायक हो सकता है। यह संज्ञानात्मक और मोटर फ़ंक्शन को मॉड्यूलेट करने, याददाश्त बढ़ाने और तंत्रिका कार्य में उम्र से संबंधित गिरावट को रोकने में भी मददगार हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट भी सेहत के लिए जरूरी है। इसमें एंटीइंफ्लेमेट्री गुण भी पाए जाते हैं। साथ ही आम में मिलने वाले अतिरिक्त पोषक तत्व भी पाये जाते हैं।

शहरी पर्यटन के साथ अब प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन पर भी जोर

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में पर्यटन के क्षेत्र में व्यापक प्रसार किया है। आज प्रदेश घरेलू पर्यटकों के लिहाज से देश का नंबर वन टूरिस्ट डेस्टिनेशन है और इसमें आध्यात्मिक पर्यटन का सबसे बड़ा योगदान है। मगर, प्रदेश में प्राकृतिक, वन्य व लोक पारंपरिक कलाओं को देखने और उसे अनभूत करने की ललक न केवल देसी बल्कि विदेशी पर्यटकों में भी बहुत है। यही कारण है कि प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाओं को भी व्यापक स्तर पर जाग्रत करने की दिशा में योगी सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं। सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है, जिस पर कार्य भी शुरू हो गया है। इस क्रम में, प्रदेश के प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशंस के समीप ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 93 गांवों में होम स्टे समेत पर्यटन विकास की प्रक्रिया पर फोकस किया जा रहा है। साथ ही, ग्रामीण, वन समेत पर्यटन के लिहाज से प्रमुख टूरिस्ट सर्किट में टूर गाइड्स व ऑपरेटर्स की ट्रेनिंग प्रक्रिया को भी बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में विस्तृत फ्रेमवर्क पर काम जारी है। इस क्रम में, लखनऊ में स्थापित मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट के कायाकल्प प्रक्रिया को भी जल्द पूरा करने पर फोकस किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में सीएम योगी की मंशा अनुरूप 12 मेगा टूरिज्म सर्किट चिह्नित किए गए हैं। उत्तर प्रदेश टूरिज्म पॉलिसी 2022 के अनुसार, इनमें रामायण सर्किट, सूफी-कबीर सर्किट, बुंदेलखंड सर्किट, जैन सर्किट, कृष्ण-ब्रज सर्किट, शक्ति-पीठ सर्किट, महाभारत सर्किट, वाइल्ड लाइफ़-ईको पर्यटन सर्किट, स्वतंत्रता संग्राम सर्किट, आध्यात्मिक सर्किट, बौद्ध सर्किट तथा शिल्प सर्किट प्रमुख हैं। ऐसे में, इन सभी सर्किट्स में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाओं को विकसित करने की दिशा में कार्य जारी हैं। इसी क्रम में, देवीपाटन मंडल, चित्रकूट मंडल, अयोध्या मंडल, लखनऊ मंडल तथा वाराणसी मंडल में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे के निर्माण व विकास प्रक्रियाओं को गति दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि यह सभी मंडल प्राकृतिक छटाओं, लोक कलाओं, ग्रामीण संस्कृति तथा आध्यात्मिक, ऐतिहासिक व पारंपरिक मूल्यों के लिहाज से बेहद समृद्ध हैं। ऐसे में, इन सभी मंडलों के ग्रामीण परिवेश को लक्षित कर घरेलू व विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने की योजना पर कार्य करना शुरू कर दिया है।

अयोध्या मंडल में कुल 19 गांवों का चयन ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हुआ है। इनमें फिलहाल अंबेडकर नगर चुइंटियापारा, दर्वान तथा अयोध्या के अबनपुर सरोहा, अमौनी, सेवाधाट, रामपुरवा और गौराघाट को ग्रामीण पर्यटन के लिए होम स्टे विकास के तौर पर चिह्नित हुआ है। वहीं, सुल्तानपुर, बाराबंकी व अमेठी में 12 गांवों के चिह्नांकन की प्रक्रिया जारी है। इसी प्रकार वाराणसी मंडल में वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर व चंदौली में 10 गांवों को रूरल टूरिज्म के लिए होम स्टे प्रक्रिया से विकसित किया जाएगा। लखनऊ मंडल में कुल 23 ग्रामों में होम स्टे व पर्यटन विकास किया जाएगा, जिसमें सीतापुर के कोरौना, रामकोट, सरायसानी, बीहट बीरम, उरदौली व ठाकुर नगर प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त लखनऊ, हरदोई, लखीमपुर खीरी, रायबरेली और उन्नाव में अन्य 17 गांवों का चिह्नांकन किया जाएगा। इसके अतिरिक्ट देवीपाटन मंडल में कुल 17 गांवों का विकास ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा। इसमें, बहराइच, बलरामपुर, गोण्डा व श्रावस्ती के गांवों को चिह्नित कर विकसित किया जाएगा। वहीं, चित्रकूट मंडल में बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर व महोबा के 24 गावों को चिह्नित कर होम स्टे प्रक्रिया व ग्रामीण पर्यटन के लिहाज से विकसित किया जाएगा। यानी, परियोजना के अंतर्गत पहले फेज में पांच मंडल के 93 गांवों को चिह्नित कर विकसित किया जाएगा। उक्त सभी ग्रामों में टूरिस्ट गाइड, लोक कलाकार व अन्य पर्यटन स्टाफ की तैनाती भी की जाएगी जोकि स्थानीय स्तर पर ही एजेंसी के माध्यम से आबद्ध किए जाएंगे।

शोध कार्यों के लिए राज्य विवि को मिलेंगे 57.38 लाख

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को रिसर्च और डेवलपमेंट (आरएंडडी) योजना के तहत शोध कार्यों के लिए 57.38 लाख रुपए की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है।

यह अनुदान प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में शोध कार्यों की गुणवत्ता में सुधार और नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदान किया गया है।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि शोध और अनुसंधान शिक्षा का आधार स्तंभ हैं और प्रदेश सरकार का यह कदम राज्य के विश्वविद्यालयों में शोध और नवाचार को गति प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे हमारे शिक्षण संस्थानों में न केवल शोध की दिशा में नई ऊर्जा का संचार होगा, बल्कि छात्रों को भी विश्वस्तरीय शोध वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक अहम कदम है।

उन्होंने बताया कि इस अनुदान का वितरण उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद, लखनऊ द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर किया जा रहा है।

समिति ने विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा रिसर्च और डेवलपमेंट योजना के तहत प्रस्तुत किए गए प्रस्तावों का विस्तृत परीक्षण किया। विशेषज्ञ समिति की अनुशंसाओं पर सम्यक विचारोपरांत राज्यपाल द्वारा यह अनुदान स्वीकृत किया गया है।

इस योजना के तहत जिन विश्वविद्यालयों को अनुदान प्राप्त हुआ है, उनमें लखनऊ विश्वविद्यालय, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय (बरेली), महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ (वाराणसी), वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (जौनपुर) और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय (कपिलवस्तु, सिद्धार्थ नगर) शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इस योजना के अंतर्गत कुल 57,38,800 रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है, जो निर्धारित शर्तों और प्रतिबंधों के अधीन वितरित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की उच्च शिक्षा में यह अनुदान एक मील का पत्थर साबित होगा। हमारा लक्ष्य है कि उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी शोध केंद्र बनाया जाए, और यह अनुदान उस दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार आगे भी प्रदेश के विश्वविद्यालयों को हरसंभव सहायता प्रदान करती रहेगी, ताकि वे शोध और नवाचार में सर्वोत्तम प्रदर्शन कर सकें।

सपा की गुंडई खत्म करने में जनसहयोग की जरूरत: केशव

मैनपुरी, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को कहा कि 2017 में योगी सरकार के अस्तित्व में आने के बाद से अब तक समाजवादी पार्टी (सपा) की 75 फीसदी गुंडागर्दी खत्म हो चुकी है और जल्द ही बची हुई गुंडई खत्म कर दी जाएगी।

जिले के सिमरऊ ग्राम में आयोजित चौपाल में श्री मौर्य ने कहा कि करहल विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी को विजयी बना कर लोग सपा की गुंडागर्दी खत्म करने में अपना योगदान दें। उन्होने कहा कि अपराधियों को संरक्षण देने में सपा पार्टी सबसे आगे है।

यह दल सारे अवगुणों से परिपूर्ण है। लोकसभा चुनाव में इनको कुछ सीटें ज्यादा क्या मिल गयीं, इन्होंने अपराधियों को खुलकर समर्थन देना शुरू कर दिया ,मगर उत्तर प्रदेश में योगी सरकार अपराधियों के खिलाफ अपना अभियान जारी रखेगी।

उपमुख्यमंत्री ने जनता से हाथ खड़े करवा कर पूछा कि वह विकास के साथ खड़े हैं कि अपराधियों के साथ। इस पर जनता जोरदार तरीके से विकास के पक्ष में खड़े होने की बात कही।

उन्होंने कहा कि जब तक सपा पूरी तरह से समाप्त नहीं हो जाती, अपराध समाप्त नहीं होगा। यह पार्टी चोर, लुटेरे, बलात्कारियों के साथ है और योगी सरकार का नारा है सबका साथ,सबका विकास। उन्होने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि तीन करोड़ नए प्रधानमंत्री आवास बनेंगे, जिनमें से 30 लाख उत्तर प्रदेश में बनेंगे। आवासों का सर्वे हो रहा है।

गरीबों को निःशुल्क अनाज मिल रहा है। हर घर नल योजना के तहत गांव-गांव पानी की टंकी बन रही हैं।

उन्होंने गाँव वालों से पूंछा कि आपके घर पानी आ रहा है, तो गांव वालों ने सहमति में हाथ हिलाया। चौपाल कार्यक्रम में मंत्री असीम अरुण ने कहा कि सपा अपराधियों को सरंक्षण देने वाली पार्टी है और योगी सरकार सबको सुरक्षा देने का काम कर रही है।

कन्नौज में 15 साल की लड़की से बलात्कार करने वाले नबाब सिंह के खिलाफ पुलिस ने कड़ी कार्यवाही की है। सपा सरकार के समय इस क्षेत्र में डिप्टी सीएम के रूप में नबाब सिंह को जाना जाता था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भाजपा की वापसी यानी पीओके...

जीवन बीमा सुरक्षा योजना का लाभ, 12 करोड़ लोगों को किसान सम्मान निधि, 10 करोड़ गरीबों के घर में शौचालय, 10 करोड़ गरीबों को उज्ज्वला योजना का सिलेंडर मिल गया। जम्मू-कश्मीर में पौने तीन लाख गरीबों को पीएम आवास योजना का लाभ मिला तो दूसरी तरफ भीखमंगे पाकिस्तान में रोटी के लाले पड़ रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने धारा-370 हटाकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार किया। आतंकवाद की नर्सरी समाप्त हो गई। कांग्रेस, पीडीपी व नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद का वेयर हाउस बना चुके थे, लेकिन नरेंद्र मोदी के पीएम व अमित शाह के गृह मंत्री बनने के बाद आतंकवाद अंतिम सांस गिन रहा और पत्थरबाज गायब हो गए हैं।

सीएम योगी ने महाराजा हरि सिंह, प्रेमनाथ डोरा, ब्रिगेडियर राजेंद्र सिंह का नाम लेते हुए कहा कि इन नायकों ने जम्मू-कश्मीर को धरती का स्वर्ग बनाया था, लेकिन कांग्रेस, पीडीपी व नेकां ने इसे मजहबी उन्माद में बदलने का पाप किया। यह चुनाव उन्हें सबक सिखाने का चुनाव है। पीएम मोदी ने करतारपुर कॉरिडोर का निर्माण कराया। कांग्रेस ने पं. जवाहर लाल नेहरू का जन्मदिवस बाल दिवस के रूप में मनवाया, लेकिन पीएम मोदी ने गुरु गोबिंद सिंह के चार साहिबजादों की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने का फैसला किया। यूपी में भी इस दिन यह आयोजन होता है।

सीएम योगी ने कहा कि आपने नए भारत के नए जम्मू-कश्मीर को देखा है। यह टेररिज्म स्टेट नहीं, बल्कि टूरिज्म का बेहतरीन डेस्टिनेशन बन गया है। कांग्रेस, पीडीपी, नेकां शासन में यहां तिरंगा फहराने के लिए गुहार लगानी पड़ती थी, लेकिन अब यहां जी-20 का समिट होता है। पहले धमकी आती थी कि अमरनाथ यात्रा नहीं होने देंगे। यह सुनकर इन पार्टियों के लोग सहम जाते थे, लेकिन अब पूरा देश-दुनिया बाबा बर्फानी व मां वैष्णो के दर्शन करने आता है।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस, नेकां व पीडीपी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है। राजनीति में ऐसी कंपनियों को बंद होना चाहिए। इन लोगों ने दलितों, बकरवालों, पहाड़ियों को आरक्षण नहीं देने दिया। यहां से जुड़ी जातियों को मुख्यधारा से जोड़ने का सार्थक प्रयास नहीं किया। 1947 में जिनकी संपत्ति छीन ली गई, पाकिस्तान से जो लोग भारत आए, उन्हें भी नागरिकता भी नहीं दी। जब मोदी-शाह ने सिटीजनशिप एमेनमेंट एक्ट बनाकर प्रभावी ढंग से लागू किया तो यह सभी दल उसका विरोध कर रहे थे। 1990 के दशक में कांग्रेस, पीडीपी व नेकां के पाप की पराकाष्ठा को भी देखा है, जब कश्मीरी पंडितों के साथ बर्बर अत्याचार हुए थे। उनके प्रति सहानुभूति व्यक्त करने की बजाय यह दल दहशतगर्दों के साथ खड़े हुए थे। केवल भाजपा ही पीड़ित कश्मीरी पंडितों के साथ खड़ी हुई थी।

सीएम योगी ने कहा कि पं. नेहरू ने आर्टिकल-370 का दंश दिया था। उन्होंने पूछा कि कश्मीर पंडितों का पलायन कांग्रेस व नेहरू की वजह से हुआ। सीएम योगी ने कहा कि अब चिनाब ब्रिज, जोजिला व श्यामा प्रसाद मुखर्जी टनल, दिल्ली-कटरा के बीच वंदे भारत ट्रेन पहचान बन रही है। भाजपा व मोदी देश-जम्मू-कश्मीर की आकांक्षाओं के प्रतीक हैं। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने देश में लंबे समय तक शासन किया, लेकिन अयोध्या की समस्या का समाधान नहीं होने दिया।

भारतवासियों ने जब पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र व यूपी में भाजपा सरकार बनाई तो अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो गया है। वहां मंदिर भी बन गया, लेकिन एक मच्छर भी नहीं मरा। माफिया वहां जहन्नुम में जा चुके हैं, लेकिन सामान्य नागरिक का कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। कांग्रेस, पीडीपी, नेकां का नाम समस्या और भाजपा का समाधान है।

कांग्रेस बहाना बनाकर जनता को बेवकूफ बनाती रही है। कांग्रेस ने आतंकवाद, उग्रवाद, नक्सलवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद, जातिवाद समेत विभाजन के बीज को बोया है। हिंदुओं को कमजोर करने का पाप किया है। कांग्रेस की सरकार जब केंद्र व सहयोगी दलों की सरकारें जम्मू-कश्मीर में थीं तब पत्थरबाजी की घटनाएं होती थीं। इन लोगों ने टैबलेट वाले हाथों में तमंचा दे दिया था। नेकां, पीडीपी कांग्रेस पहले यहां के पैसे को लूटकर साल में आठ महीने महीने यूरोप, इंग्लैंड घूमते थे। भाजपा सबका साथ-सबका विकास की बात करती है, लेकिन तुष्टिकरण किसी का नहीं होने देगी। भाजपा सुरक्षा, सुशासन व विकास की गारंटी है। जहां भाजपा की सरकार है, वहां विकास का नया मॉडल देखने को मिल रहा है। यूपी भी नए भारत में विकास के ग्रोथ इंजन के रूप में स्थापित हुआ है।

सीएम योगी ने राहुल गांधी से पूछा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर के लिए अलग झंडे की बात कही है, क्या वह उसका समर्थन करते हैं। 370, 35 ए को वापस लाकर नेकां के जम्मू-कश्मीर को अशांति-आतंकवाद के युग में धकेलने की मांग का समर्थन करते हैं। क्या कांग्रेस कश्मीर के युवाओं की कीमत पर पाकिस्तान से वार्ता करके अलगाववाद को बढ़ावा देने का समर्थन करती है। क्या कांग्रेस पाकिस्तान के साथ एलओसी ट्रेड शुरू करने के नेकां के निर्णय से बॉर्डर पार से आतंकवाद के पोषण का समर्थन करती है। क्या कांग्रेस पत्थरबाज व अलगाववाद में शामिल लोगों के परिजनों को सरकारी नौकरी में शामिल कर आतंकवाद, दहशतगर्दी व बंद के दौर को लाने का समर्थन करती है। कांग्रेस नेकां के साथ आरक्षण विरोधी चेहरे को सामने लाने का प्रयास कर रही है। पीएम मोदी ने दलितों, गुज्जरों, बकरवालों, पहाड़ियों को आरक्षण की सुविधा दी है, क्या नेकां द्वारा इसे समाप्त करने की घोषणा का कांग्रेस समर्थन करती है।

क्या कांग्रेस चाहती है कि शंकराचार्य पर्वत, तख्त ए-सुलेमान व हरि पर्वत कोह-ए-मारन के नाम से जाने जाएं। क्या कांग्रेस जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को फिर से भ्रष्टाचार में झोंककर पाकिस्तान समर्थित गिने-चुने हाथों को सौंपने का समर्थन करती है। कांग्रेस नेकां के जम्मू और घाटी के बीच भेदभाव की राजनीति का समर्थन करती है। क्या कांग्रेस-राहुल गांधी कश्मीर को ऑटोनॉमी देने की नेकां की विभाजनकारी नीतियों का समर्थन करती है।

स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर है तुलसी

तुलसी में कई औषधीय गुण होते हैं। हृदय रोग हो या सर्दी जुकाम, भारत में सदियों से तुलसी का इस्तेमाल होता चला आ रहा है। और क्या-क्या हैं तुलसी की खूबियां, आइये इस पर एक नजर डालते हैं।

सर्दी जुकाम में लाभप्रद: सर्दी जुकाम होने पर तुलसी की पत्तियों को चाय में उबालकर पीने से राहत मिलती है। तुलसी का अर्क तेज बुखार को कम करने में भी कारगर साबित होता है। करीब सभी कफ सीरप को बनाने में तुलसी का इस्तेमाल किया जाता है। तुलसी की पत्तियां कफ साफ करने में मदद करती हैं। तुलसी के कोमल पत्तों को चबाने से खांसी और नजले से राहत मिलती है।

गले की खराश: तुलसी की पत्तियों को उबालकर पीने से गले की खराश दूर हो जाती है। इस पानी को आप गरारा करने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चों में बुखार, खांसी और उल्टी जैसी सामान्य समस्याओं में तुलसी बहुत फायदेमंद है।

श्वांस की समस्या: श्वांस संबंधी समस्याओं का उपचार करने में तुलसी बहुत उपयोगी साबित होती है। शहद, अदरक और तुलसी को मिलाकर बनाया गया काढ़ा पीने से ब्रोंकाइटिस, दमा, कफ और सर्दी में राहत मिलती है। नमक, लौंग और तुलसी के पत्तों से बनाया गया काढ़ा इंफ्लुएंजा (एक तरह का बुखार) में फौरन राहत देता है।

गुर्दे की पथरी: तुलसी गुर्दे को मजबूत बनाती है। यदि किसी के गुर्दे में पथरी हो गई हो तो उसे शहद में मिलाकर तुलसी के अर्क का नियमित सेवन करना चाहिए। छह महीने में फर्क दिखेगा।

हृदय रोग: तुलसी खून में कोलेस्ट्राल के स्तर को घटाती है। ऐसे में हृदय रोगियों के लिए यह खासी कारगर साबित होती है।

तनाव: तुलसी की पत्तियों में तनाव रोधीगुण भी पाए जाते हैं। हाल में हुए शोधों से पता चला है कि तुलसी तनाव से बचाती है। तनाव को खुद से दूर रखने के लिए कोई भी व्यक्ति तुलसी के 12 पत्तों का रोज दो बार सेवन कर सकता है।

संक्रमण और त्वचा रोग: अल्सर और मुंह के अन्य संक्रमण में तुलसी की पत्तियां फायदेमंद साबित होती हैं। रोजाना तुलसी की कुछ पत्तियों को चबाने से मुंह का संक्रमण दूर हो जाता है। दाद, खुजली और त्वचा की अन्य समस्याओं में तुलसी के अर्क को प्रभावित जगह पर लगाने से कुछ ही दिनों में रोग दूर हो जाता है। नैचुरोपैथों द्वारा ल्यूकोडर्मा का इलाज करने में तुलसी के पत्तों को सफलता पूर्वक इस्तेमाल किया गया है।

सांसों की दुर्गंध

तुलसी की सूखी पत्तियों को सरसों के तेल में मिलाकर दांत साफ करने से सांसों की दुर्गंध चली जाती है। पायरिया जैसी समस्या में भी यह खासा कारगर साबित होती है। सिर के दर्द में तुलसी एक बढ़िया दवा के तौर पर काम करती है। तुलसी का काढ़ा पीने से सिर के दर्द में आराम मिलता है। आंखों की जलन में तुलसी का अर्क बहुत कारगर साबित होता है। रात में रोजाना श्यामा तुलसी के अर्क को दो बूंद आंखों में डालना चाहिए।

शिशु को कब देना चाहिए सॉलिड आहार

सामान्यत: शिशु को 6 माह के बाद ही सोलिड यानी ठोस आहार देना चाहिए। इसके साथ ही कुछ बातों का ख्याल भी रखना आवश्यक है मसलन शिशु को खिलाते वक्त उसकी शारीरिक स्थिति कैसी हो। ध्यान रखें कि खाते वक्त शिशु का पोस्चर बहुत मायने रखता है। सुलाकर कतई न खिलाएं। ऐसे में उसके गले में खाने का ग्रास फंस सकता है। उसे परेशानी भी हो सकती है। जब भी उसके मुंह में खाने का निवाला दें तो उसके सिर को पीछे की ओर झुकाएं ताकि उसे निगलते हुए परेशानी न हो।

ठोस आहार के साथ मां का दूध

यह भी एक सवाल होता है कि जब शिशु को ठोस आहार दिया जाए तो क्या उसे मां का दूध पिलाना सुरक्षित है? जी, बिल्कुल सुरक्षित है। जरूरी नहीं है कि शिशु को ठोस आहार देना शुरु कर दिया है तो उसे अपना दूध न पिलाएं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि कब अपना दूध और कब ठोस आहार देना आवश्यक है। इस संबंध में विशेषज्ञों की सलाह लें।

कब-कब दें ठोस आहार

6 माह के शिशु को उठते ही ठोस आहार न दें। उनके लिए चाहिए कि उनके खानपान की शुरुआत मां अपने दूध से करें। लेकिन यही नियम 9 माह के शिशु के लिए लागू नहीं होता। उन्हें सुबह उठते ही दलिया, खिचड़ी आदि कोई भी ठोस आहार दे सकते हैं। इससे उन्हें आवश्यक पौष्टिक तत्व मिलते हैं जो उन्हें बढ़ने में मदद करता है। 9 माह के शिशु को दो से ढाई घंटे के बीच बीच में कुछ ठोस आहार देते रहें। जबकि 6 माह के शिशु को चूंकि मां का दूध भी चाहिए होता है तो उन्हें दोपहर, रात और सुबह ठोस आहार दिया जा सकता है।

खिलाते वक्त रखें ध्यान

शिशु को खिलाते वक्त ध्यान रखें कि न सिर्फ आपके हाथ धुले हुए हों बल्कि शिशु के भी हाथ धुले हों। दरअसल मुंह में ठोस पदार्थ जाते ही शिशु उन्हें अपने हाथ से छूकर देखता है, उन्हें मुंह से निकालता है। यहां तक कि नीचे गिरे दाने भी वह उठा उठाकर खाने की कोशिश करता है। ऐसे में उसके हाथ धुले होना आवश्यक है। इसके अलावा यह भी ध्यान रखें कि शिशु के खाने के दौरान टीवी, म्यूजिक आदि चीजें चल न रही हों। इससे शिशु का फोकस भटक सकता है। एक बात और जान लें कि शिशु

खाते वक्त अकसर मुंह घुमाता है, न खाने की चाह प्रकट करता है। इससे आप यह न समझ बैठें कि उसे नहीं खाना। प्रत्येक शिशु इस तरह करते हैं। अतः उन्हें कोशिशन खिलाएं।

शिशु को क्या दें

दाल: छोटे यानी 6 माह के शिशु के लिए दाल उपयुक्त आहार है। वास्तव में दाल में आयरन और कुछ अन्य तत्व होते हैं जो कि 6 माह के शिशु को जरूरी आवश्यक तत्व के लिए पर्याप्त है। ध्यान रखें कि छूटते ही उसे थक्के वाली दाल न खिलाएं। कुछ समय पतली दाल खिलाएं ताकि उसे निगलने की प्रैक्टिस हो जाए। इसके बाद थक्के वाली दाल खिलाई जा सकती है।

दलिया/खिचड़ी: 9 माह के शिशु को सिर्फ दाल न दें। उन्हें विकास के लिए कुछ अन्य तत्व की भी जरूरत है। अत: खिचड़ी या दलिया दें। लेकिन जरूरी यह है कि दलिया या खिचड़ी में तमाम किस्म की सब्जियां दें। विशेषज्ञों के मुताबिक दलिया जितने रंगों से भरी होगी अर्थात जितनी ज्यादा उसमें सब्जियां होंगी, वह उतनी ही असरकारक और स्वास्थ्यकर होगी। अत: दलिया या खिचड़ी में विभिन्न किस्म की सब्जियां अवश्य डालें। इसके अलावा उन्हें फल भी जरूर दें। फल उन्हें भीतरी रूप से ठोस बनाता है।

सब्जियां: दलिया के अलावा आप चाहें तो उन्हें मैश की हुई सब्जियां भी दे सकते हैं। सब्जियों को उबाल लें। इसके बाद उसमें मक्खन और हल्का सा नमक लगाकर शिशु को खिलाएं। शिशु को चावल भी खिलाए जा सकते हैं। चावल के साथ दाल या सब्जी बेहतरीन विकल्प है।

क्या नहीं देना चाहिए

जितना जरूरी यह जानना है कि शिशु को क्या दिया जाना चाहिए, उतना ही जरूरी यह जानना भी है कि शिशु को क्या नहीं दिया जाना चाहिए। शिशु को शहद, नींबू, संतरा, नट्स, पीनट बटर, किशमिश, बेर, सूखे बेर आदि न दें। इसके अलावा उनके हाथ में कोई भी बीज वाले फल न दें क्योंकि इससे उनके गले में बीज के अटकने का खतरा बना रहता है। यही नहीं उन्हें बहुत सूखी चीजें भी न खिलाएं जो उनके गले में फंस सकता है। अगर देते भी हैं तो साथ साथ पानी अवश्य पिलाएं।

अस्थमा में मददगार है पासासन

योग रखे निरोग, यह कहावत ही नहीं बल्कि हकीकत भी है। योग के जरिए सामान्य और खतरनाक बीमारियों पर न केवल काबू पाया जा सकता है बल्कि इनके नियमित अभ्यास से उनका उपचार भी किया जा सकता है। अस्थमा सांस संबंधी बीमारी है, जिसके उपचार में पासासन बहुत ही प्रभावी और कारगर है। इस लेख में जानते हैं, पासासन करने की विधि और यह किस तरह से अस्थमा के उपचार में कारगर है।

क्यों होता है अस्थमा

अस्थमा यानी दमा, यह सांसों की बीमारी है जिसका शिकार कोई भी हो सकता है, चाहे वह बच्चा हो या बूढ़ा। इस बीमारी के लिए जिम्मेदार कई कारण हैं, मौसम में बदलाव, प्रदूषण का बढ़ना, आनुवांशिक, आदि। इस बीमारी में म्यूकस के कारण फेफड़े काम करना तक बंद कर देते हैं। एक बार यह बीमारी किसी को हो गई तो उसका संपूर्ण उपचार नहीं हो सकता है। हालांकि इससे बचाव के तरीकों को आजमाकर इसे बढ़ने से रोका जा सकता है।

पासासन से अस्थमा का उपचार

वर्तमान में अस्थमा के उपचार के लिए बाजार में कई तरह की दवाएं मौजूद हैं। अगर लंबे समय तक इन उपचारों के प्रयोग के बारे में देखा जाये तो इनसे अस्थमा को काबू में लाया तो जा सकता है, लेकिन इनके अधिक प्रयोग से दूसरी स्वास्थ्य समस्यायें भी होने लगती हैं। ऐसे में योगासन सुरक्षित और बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। पासासन ऐसा ही योग का आसन है जिससे अस्थमा का उपचार अधिक प्रभावी तरीके से किया जा सकता है। 'पास' एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है बंधन।

पासासन करने की विधि

इस आसन को करने के लिए ताड़ासन की मुद्रा में सीधे खड़े हो जाएं। फिर घुटनों को स्क्वैट करने की स्थिति में झुकाएं। इस दौरान तलवों को जमीन पर स्थिर रखें और घुटनों को मोड़कर बैठ जाएं। फिर शरीर के ऊपरी हिस्से को दाईं तरफ मोड़ें, शरीर का ऊपरी हिस्सा दाहिने घुटनों तक लाने का प्रयास कीजिए। अपने हाथों और हथेलियों को भी मोड़ लीजिए। फिर पीठ की तरफ से हाथों को ले जाकर एक हाथ से दूसरे हाथ को कसकर पकड़ लीजिए। फिर अपने सिर को ऊपर की तरफ ले जाकर लंबी सांस लें। लंबी सांसें 4-5 बार लें। फिर आराम से सामान्य स्थिति में आएं। फिर शरीर के दूसरे तरफ से इस क्रिया को दोहराएं।

पासासन के दूसरे लाभ

पासासन ऐसा योगासन है जो अस्थमा के साथ दूसरी बीमारियों को भी दूर करता है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर को फिट रखा जा सकता है। मासिकधर्म, साइटिका, हल्का पीठ दर्द, कंधे का दर्द या फिर गर्दन के दर्द को ठीक करने में पासासन काफी अच्छा माना जाता है। यह पोज थोड़ा टेढ़ा-मेढ़ा जरुर है लेकिन लगातार अभ्यास करने से यह आसान हो जाता है। इस आसन से पीठ, कमर और एड़ियों की मसापेशियों में खिंचाव होता है। इससे पेट की समस्याएं भी ठीक हो जाती हैं।

बाईपास सर्जरी के बाद कैसा हो मरीज का जीवन

दिल के रोगियों को कई बार एक बार बाईपास सर्जरी के बाद दोबारा सर्जरी कराने की जरूरत पड़ती है। ऐसा अक्सर सर्जरी के बाद सावधानी न लेने के परिणामस्वरूप होता है। बाईपास सर्जरी में हृदय की धमनी में आए ब्लॉकेज को निकाला नहीं जाता, बल्कि हृदय को ब्लड पहुंचाने की व्यवस्था की जाती है। बाईपास सर्जरी के बाद दवाएं लेने से ब्लॉकिंग की प्रक्रिया धीमी हो जाती है, लेकिन रूकती नहीं है। बाईपास सर्जरी एक निश्चित समय तक ही काम आती है। और अगर बाईपास सर्जरी के बाद सावधानी के अभाव में हृदय की धमनी का ब्लॉकिंग और भी बढ़ जाती है तो दोबारा बाईपास की जरूरत पड़ती है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए जोखिम कारकों को काबू में रखना जरूरी होता है। वजन, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल आदि को नियंत्रित कर इस स्थिति को टाला जा सकता है।

बाईपास सर्जरी के बाद देखभाल

- अगर वजन ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करें। रोजाना कम से कम 4 किमी टहलें।
- अगर डायबिटीज की समस्या है तो शुगर को नियंत्रित में रखने की कोशिश करें।
- ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखें, अधिक वसा युक्त चीजों से बचें और कोलेस्ट्रॉल को काबू में रखें।

HEALTH

प्रतिस्पर्धा भरी दुनिया में अस्वस्थ होने का जोखिम

ये तनाव कहीं ले न ले आपकी जान

बदलाव के प्रति होने वाली एक भावनात्मक और शारीरिक प्रतिक्रिया है तनाव। हर किसी को तनाव होता है। तनाव सकारात्मक और आपको ऊर्जा देने वाला भी हो सकता है या अस्वास्थ्यकर और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा करने वाला भी। हो सकता है कि कम समय-अंतरालों तक रहने वाला तनाव आपको प्रभावित न करे, लेकिन लंबे समय तक बना रहने वाला तनाव आप पर प्रभाव डाल सकता है या हृदय रोग, हृदयाघात, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, आंतों में गड़बड़ी, दमा या गठिया जैसी कुछ बीमारियों को और अधिक बिगाड़ सकता है।

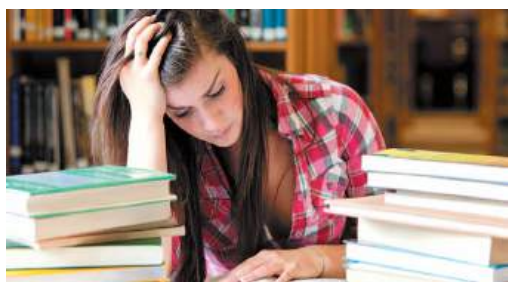

टेंशन के कई कारण...

प्रत्येक व्यक्ति के लिए तनाव के अलग-अलग कारण होते हैं। तनाव के कुछ सामान्य कारणों में परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु, बीमारी, अपने परिवार की देखरेख करना, रिश्तों में बदलाव आना, काम, नौकरी बदलना, जगह बदलना और पैसा हो सकते हैं। यहां तक कि देर तक इंतजार करना, विलंब हो जाना या भारी ट्रैफिक होना जैसी छोटी-छोटी चीजें भी तनाव का कारण हो सकती हैं।

काउंसलर की लें मदद

यदि आपको आवश्यकता हो तो किसी चिकित्सक से मदद प्राप्त करें। तनाव का सामना करने और समस्याओं से निपटने में काउंसलर आपकी मदद कर सकता है। उदासी के एहसास, घबराहट या सोने की समस्या दूर करने में सहायता के लिए आपका डाक्टर आपको दवाइयां लिखकर दे सकता है। कर्म पर ध्यान दें, परिणाम स्वतः ही उपयुक्त होगा। परिणाम चिंता का कारण है। अपने को श्रेष्ठ बनाएं। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रखें। दूसरों की तरह करने का प्रयत्न न करें। 'उसकी साड़ी मेरी साड़ी से सफेद कैसे' के चक्कर में न पड़ें। थोड़ा बहुत तनाव अच्छा है, इसको हम स्ट्रेस कहते हैं। इसके चलते हम प्रगति करते हैं।

इस तरह करें सामना...

तनाव के लक्षणों पर ध्यान न दें। जब ये प्रकट हों तो इसके कारण से बचने या इनके प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बदलने की कोशिश करें। कुछ ऐसा करें जो आपको तनावमुक्त करे, जैसे-धीरे-धीरे और गहरी सांसें लेना, हाथ-पैर फैलाकर किए जाने वाले व्यायाम, योग, मालिश, ध्यान, संगीत सुनना, पढ़ना, गुनगुने पानी से स्नान करना या शॉवर लेना। कोई शौक पालें या कुछ ऐसा करें, जिसमें आपको आनंद आता है। जिन चीजों को आप नहीं बदल सकते, उन्हें स्वीकार करना सीखें। सकारात्मक सोच रखें। सीमा तय करें। 'नहीं' कहना सीखें। एक समय पर एक काम करें। हर रात 8 घंटे की नींद लें।

ये कॅरियर आपको जल्द बनाएंगे अमीर

हर इंसान अमीर बनने के ख्वाब देखता है। कॉलेज खत्म होने के बाद हम सबके सामने कॅरियर को चुनने का विकल्प होता है। हम उसी कॅरियर को चुनना चाहते हैं, जिसमें हम ज्यादा से ज्यादा पैसा कमा सकें और अपनी लाइफ को सही मायने में सैटल कर सकें। इस सबके लिए जरूरी है कि हम ऐसे कॅरियर का चुनाव करें जो हमें बहुत दूर तक ले जाएं। इसी से संबंधित हम आज आपको बताने जा रहे हैं कुछ ऐसे कॅरियर विकल्पों के बारे में जो आपके गोल को सही तरीके से चुनने में आपकी मदद करेंगे।

कोडिंग-डिकोडिंग दिमाग की उपज

आज के जमाने में कोडिंग-डिकोडिंग, प्रोग्रामिंग, डिजाइनिंग सब सॉफ्टवेयर क्रिएटर की दिमाग की उपज हैं, जो आज हम रोजमर्रा के लिए फेसबुक व अन्य वेबसाइट के माध्यम से इस्तेमाल करते हैं। इस जॉब के लिए आप में मैनेजमेंट स्किल के साथ इंट्रापर्सनल स्किल का होना भी जरूरी है।

बनें सॉफ्टवेयर क्रिएटर

सॉफ्टवेयर क्रिएटर सॉफ्टवेयर प्रोडक्टस को डेवेलप करता है। अगर आप टेक्नोलॉजी में रुचि रखते हैं और नए-नए आइडिया सोचने में महारत हासिल रखते हैं तो यह जॉब आपके लिए है। मार्केट में हमेशा नए व हाई लेवल सॉफ्टवेयर की जरूरत रहती है। ऐसे में आपको अच्छी सैलरी पर जॉब मिल जाएगी। इस प्रोफेशन में आपके दिमाग का नए आइडिया के सोचने के लिए तेज होना जरूरी है साथ में आपके पास इंजीनियरिंग की डिग्री भी होनी चाहिए।

सबक लेकर पाएं तरक्की की राह

हर वर्ष कोई न कोई सीख दे जाता है। वर्ष 2014 ने भी ऐसी कई बातें सिखाई हैं, जिनसे सबक लेकर वर्ष 2015 में आप तरक्की की राह पकड़ सकते हैं। अधिकतर बिजनेस प्रतिभाओं की कमी से जूझ रहे हैं, जिससे जूनियर लीडर्स को अधिक मौके मिल रहे हैं। यह रुझान अगले 4-5 साल कायम रहेगा। यानि इस साल भी अधिक जवान लोगों को तरक्की मिलेगी। इस मौके का लाभ लें। इस वर्ष कैंपस में मिलने वाले इंटर्नशिप के मौके 20 प्रतिशत बढ़ गए। यह रुझान भी जारी रहेगा। यदि आप छात्र हैं तो इस मौके का फायदा उठाएं। कई कंपनियों में जवान लोगों के लीडरशिप संभालने के बीच रिटायर हो रहे कर्मचारियों की सेवाएं जारी रखने के लिए भी कंपनियां कई प्रस्ताव दे रही हैं। यदि आप रिटायर हो रहे हैं तो पार्टटाइम काम करने का ऑफर भी हासिल कर सकते हैं। पारम्परिक नौकरी का ढंग तथा रिपोर्टिंग स्ट्रक्चर में बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में लोगों से मेल-मिलाप के कौशल को सुधारिए।

किचन में शामिल करें ये जड़ी-बूटी

जब भी हम खाना खाने टेबल पर बैठते हैं, तो खाने का स्वाद ही हमारी भूख को संतुष्ट कर पाता है। सिर्फ इसी वजह से कुछ मास्टर्स अपनी डिश बनाने और उसे एक नया स्वाद देने के लिए मसालों से लेकर जड़ी-बूटी और कई चीजों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आयुर्वेदिक कुकिंग में स्वाद बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें इस बात का भी ध्यान रखा जाता है कि खाने को सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बने, बल्कि उसमें सभी सामग्री को एक साथ डालकर, किस प्रकार स्वास्थ्य को फायदा पहुंचाया जाए। हर

सामग्री का अपना एक अलग गुण होता है, जिसके इस्तेमाल से आप शरीर को लाभ पहुंचा सकते हैं।

जड़ी-बूटी, एक तरह से स्वाद को निखारने और मजेदार बनाने के लिए इस्तेमाल में लाई जाती हैं। अगर यह जड़ी-बूटी किचन में देखने को मिले, तो शायद ही कोई कुक ऐसा होगा जो, मामूली डिश को ज़ायकेदार बनाने से चूकेगा। यह ऐसी जड़ी-बूटी हैं, जो खाने में जान डाल देने वाली हैं। आप इन्हें कई तरह से अपने खाने में शामिल कर सकते हैं। जैसे स्प्रिग (टहनी) को काटकर आप एक सामग्री की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं या पास्ता में डाल सकते हैं। इसके अलावा आप इससे करी और मिश्रण भी तैयार कर सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कुछ आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी, जिनके इस्तेमाल से आप अपने खाने को एक नया स्वाद देने के साथ शरीर को स्वास्थ्य संबंधित कई फायदे दे सकते हैं। आइए बताते हैं इन्हें आप किस तरह अपने किचन में प्रयोग में ला सकते हैं।

कढ़ी पत्ता

साउथ इंडियन क्यूज़ीन की शान कढ़ी पत्ता सबसे ज़्यादा तीखे मीट, फ्राइड खाना समेत सांभर, रसम, उपमा, डोसा के भरावन मिश्रण और चटनी बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। कई लोग तो इसे दाल में तड़का लगाने में भी शामिल करते हैं। इसका तीखा स्वाद, भारतीय मसालों के अलावा काली मिर्च के साथ बहुत बढ़िया होता है। खाना बनाते समय तेल में तड़का लगाने के लिए इसकी महक ही काफी होती है।

तेजपत्ता

इस खुशबूदार पत्ते में कई आरोग्य गुण होते हैं। रसोई में यह दाल, करी, बिरयानी, राजमा और छोले के स्वाद को बढ़ाने के लिए प्रयोग में लाया जाता है। यह सूखा होता है। डिश में इसका हल्का स्वाद देने के लिए आप एक घंटे के लिए खाने को हल्की आंच पर रखकर छोड़ सकते हैं। यह खाया नहीं जाता, इसलिए डिश के बन जाने के बाद इसे निकालकर फेंक दिया जाता है। मार्किट में इसकी ताज़ा पत्तियां भी उपलब्ध हैं। ऐसा कहा जाता है कि रात में ताजे तेजपत्ता को पानी में भिगोकर रखने और सुबह उसी पानी का सेवन करने से बल्ड शुगर लेवल पर नियंत्रण रखा जा सकता है।

पुदीना

पुदीना या मिंट अक्सर सभी के रसोईघर में मौजूद होता है। यह सिर्फ एक मेडिकल गुण रखने वाला ही नहीं, बल्कि डिश को अच्छा स्वाद देने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। भारतीय घरों में पुदीना चटनी, ज़्यादातर सभी तरह के खाने के साथ परोसी जाती है। कई बार मिंट का ताज़ा स्वाद गर्मियों में जूस और ड्रिंक्स में भी शामिल किया जाता है। पुदीना, पाचन क्रिया को सही कर, खांसी, जुखाम, शरीर के दर्द और थकान को ठीक करने में मदद करता है।

होली बासिल (तुलसी)

स्टिर फ्राई खाने को हल्का तीखा स्वाद देने के लिए आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

संपादकीय

बेरोजगारी से स्वरोजगार

आवधिक श्रम बल सर्वे रपट के अनुसार, देश में बेरोजगारी घट रही है और मौजूदा दर 3.2 फीसदी पर ठहर गई है। यह डाटा सरकारी है, लिहाजा उसे ही विश्वसनीय आधार मान कर आकलन किए जाते हैं। भारत में बेरोजगारी दर अमरीका, यूरोप, चीन, अरब देश की तुलना में सबसे कम है, लेकिन आज भी गोवा, पंजाब, राजस्थान, केरल आदि राज्यों में बेरोजगारी राष्ट्रीय औसत से अब भी अधिक है। यदि समुदायों का डाटा देखा जाए, तो अल्पसंख्यक सिखों में सबसे अधिक बेरोजगारी है। हिंदू और सवर्ण भी काफी बेरोजगार हैं। हालांकि बीते छह सालों में बेरोजगारी दर आधी रह गई है। सुखद यह है कि 25 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में काम करने वालों अथवा काम तलाश करने वालों की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। यह दर सिक्किम में सर्वाधिक 60.5 फीसदी है। छत्तीसगढ़ में यह दर 51.3 फीसदी है, जबकि गुजरात और महाराष्ट्र में क्रमशः 45.2 फीसदी और 44.5 फीसदी है। राजस्थान और पंजाब में कामकाजी आबादी की दर 40 फीसदी से अधिक है, लेकिन बिहार, उप्र, झारखंड जैसे राज्यों में यह दर सबसे कम है। जब आवधिक श्रम बल सर्वे की रपट का अध्ययन करते हैं, तो महिलाओं की श्रम-बाजार में हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। इसी के साथ स्व-रोजगार का रुझान भी बढ़ा है। भारत में स्व-रोजगार की परिभाषा और क्षेत्र ही सवालिया हैं। रेहड़ी-पटरीवालों से लेकर परचून के दुकानदार, कृषि और लघु, सूक्ष्म उद्यमी सभी स्व-रोजगार की परिधि में आते हैं, लिहाजा उनकी आय अलग-अलग है। स्व-रोजगार के तहत जो स्थितियां लघु और सूक्ष्म उद्योगों की चीन में है, उसकी तुलना में भारत काफी पीछे है। रपट खुलासा करती है कि यदि एक नौकरीपेशा व्यक्ति को 21,000 रुपए से अधिक माहवार वेतन मिलता है, तो स्व-रोजगार वाले की औसतन आय 17,000 रुपए से कुछ अधिक है। जाहिर है कि कोई व्यक्ति नियमित और निश्चित आय वाली नौकरी छोड़ कर कम आय वाले और बेहद असुरक्षित स्व-रोजगार में जाना पसंद नहीं करेगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार स्व-रोजगार को प्रोत्साहन देती रही है, लेकिन उसकी परिस्थितियां बदलनी चाहिए, ताकि स्व-रोजगार से भी बेहतर आमदनी प्राप्त की जा सके। देश में स्व-रोजगार वाले 58.4 फीसदी लोग हैं, नौकरी वाले 21.7 फीसदी और दिहाड़ीदार 19.8 फीसदी लोग हैं। स्व-रोजगार वाले 39 फीसदी लोग अकेले ही काम करते हैं, जबकि 19.4 फीसदी अपने परिवार के कारोबार में हाथ बंटाते हैं। उन्हें अलग से कोई वेतन नहीं दिया जाता। कृषि क्षेत्र में सबसे ज्यादा 82 फीसदी स्व-रोजगार वाले हैं। करीब 17 फीसदी दिहाड़ीदार भी खुद को स्व-रोजगारी मानते हैं। देश में स्व-रोजगार वाले सर्वाधिक 72.9 फीसदी अरुणाचल प्रदेश में हैं। उप्र में भी 72.7 फीसदी स्व-रोजगारी हैं। इस रपट के जरिए एक आश्चर्यजनक डाटा सामने आया है कि हरियाणा में चुनाव से कुछ दिन पहले ही सार्वजनिक किया गया है कि हरियाणा में बेरोजगारी सबसे अधिक घटी है। सर्वे के मुताबिक, यह दर 3.4 फीसदी है, जो 2022-23 में 6.1 फीसदी थी। तब गोवा की यह दर सर्वाधिक 9.7 फीसदी होती थी। मप्र एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां बेरोजगारी दर 0.9 फीसदी है। इस सूची में दूसरे स्थान पर गुजरात (1.1 फीसदी) और तीसरे स्थान पर झारखंड (1.3 फीसदी) है। बहरहाल यदि स्व-रोजगार के क्षेत्र में सुधार लाए जाएंगे, तो औसत नौकरी के लिए मारा-मारी भी कम होगी, नतीजतन बेरोजगारी दर भी कम होती रहेगी। यह तथ्य भी सामने आया है कि नौकरीपेशा को वेतन के अलावा अन्य सुविधाएं भी न देनी पड़ें, लिहाजा नियोक्ता 61.1 फीसदी कर्मचारियों को नियुक्ति-पत्र ही नहीं देते हैं। दूसरी तरफ दिहाड़ीदार मजदूरों की संख्या कम होती जा रही है, जाहिर है कि कल-कारखानों में उत्पादन, निर्माण घटा है अथवा लघु उद्योग निष्क्रिय होते जा रहे हैं। नतीजा यह है कि जो मजदूर बेरोजगार होते हैं, वे अपने गांव या पैतृक स्थान लौटने लगते हैं। फिर वे खेती या अन्य पारिवारिक कारोबार में काम करने लगते हैं। बुनियादी तौर पर ऐसे लोग बेरोजगार हैं, लेकिन सरकारी डाटा में उन्हें स्व-रोजगारी बताया गया है। सबसे चिंतित डाटा यह है कि 15-29 आयु वर्ग में जो बेरोजगार होते हैं, वे औसत बेरोजगारी दर से तीन गुना अधिक हैं और वह संख्या बीते एक अंतराल से घट नहीं पा रही है। बेरोजगारी के मुद्दे पर मृग-मरीचिका वाली स्थिति भी है, लिहाजा उन भ्रमित आंकड़ों समेत विश्लेषण किया जाना चाहिए।

> भारत में बेरोजगारी दर अमरीका, यूरोप, चीन, अरब देश की तुलना में सबसे कम है, लेकिन आज भी गोवा, पंजाब, राजस्थान, केरल आदि राज्यों में बेरोजगारी राष्ट्रीय औसत से अब भी अधिक है। यदि समुदायों का डाटा देखा जाए, तो अल्पसंख्यक सिखों में सबसे अधिक बेरोजगारी है। हिंदू और सवर्ण भी काफी बेरोजगार हैं। हालांकि बीते छह सालों में बेरोजगारी दर आधी रह गई है। सुखद यह है कि 25 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में काम करने वालों अथवा काम तलाश करने वालों की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। यह दर सिक्किम में सर्वाधिक 60 .5 फीसदी है। छत्तीसगढ़ में यह दर 51 .3 फीसदी है, जबकि गुजरात और महाराष्ट्र में क्रमश: 45 .2 फीसदी और 44 .5 फीसदी है।

यूनेस्को के विश्व विरासत स्थलों में भारतीय रेल की दमदार धमक, दुनिया भर के सैलानियों को लुभाती हैं यहां की माउंटेन ट्रेनें

रेलवे ने पर्यटन उद्योग को दी नई उड़ान और पहचान

मनोज कुमार झा

ऐसे तो भारत के कई पर्यटन स्थल बहुत पहले से ही विश्व के आकर्षण का केंद्र रहे हैं, लेकिन हाल के कुछ वर्षों या दशकों पर गौर करें तो देश के कई नए और अपेक्षाकृत कम चर्चित स्थलों ने दुनियाभर के सैलानियों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इसमें रेलवे का योगदान सबसे ज़्यादा है। पिछले कुछ सालों में रेलवे ने पर्यटन के क्षेत्र को जिस तरह अपनी प्राथमिकताओं में शुमार किया है, उससे भारत में सैलानियों का भरोसा तेज़ी से बढ़ा है। इसके तहत रेलवे ने न सिर्फ कई नई और विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू किया है, बल्कि पर्यटन को अपनी प्राथमिकताओं में बनाए रखने के बहुविध अन्य उपाय भी सुनिश्चित किए हैं। दुर्गम पहाड़ी इलाक़ों में रेलवे की कई ट्रेन सेवाएं दुनिया भर के सैलानियों को आज भी लुभाती हैं। इन सेवाओं को यूनेस्को ने अपनी विश्व विरासत सूची में भी रखा हुआ है।

पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में रेलवे के ईमानदार और ठोस प्रयास का सबसे बड़ा प्रमाण वित्त वर्ष 2024-25 का केंद्रीय बजट है। इसमें रेलवे को करीब 2.62 लाख करोड़ रुपये का भारी-भरकम आवंटन हुआ है। यात्रा और पर्यटन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के उद्देश्य से रेलवे ने इस आवंटित राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से आधुनिकीकरण और सुरक्षा के मद पर केंद्रित कर रखा है। इसके तहत देश भर में ज़्यादा से ज्यादा वंदे भारत एक्सप्रेस, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन, आस्था स्पेशल या भारत गौरव ट्रेनों का सुरक्षित और द्रुत परिचालन बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बताने की ज़रूरत नहीं कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की मांग देश भर से उठ रही है। इसकी लोकप्रियता का आलम यह है कि 2022 तक देश भर में जहां इसकी संख्या महज चार थी, वह आज सौ का आंकड़ा पार कर चुकी है। आज पूरे देश में 102 वंदे भारत कुल 29.5 हजार फेरे लगाकर ढाई करोड़ से ज्यादा यात्रियों को द्रुत, आरामदायक और रोमांचक सफर का अहसास करा रही है। पूरी तरह स्वदेश निर्मित इस ट्रेन को आज कई अन्य देश चमत्कृत भाव से देख रहे हैं। अत्याधुनिक कवच प्रणाली से लैस सेमी-हाई स्पीड श्रेणी में वंदे भारत आज दुनिया भर के रेल तंत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। पर्यटकों ने भी इस शानदार ट्रेन को हाथोंहाथ लिया है। देश के विभिन्न पर्यटन व धर्मस्थलों तक के सफर के लिए सैलानी इस पर जबरदस्त भरोसा दिखा रहे हैं।

वंदे भारत की तरह ही वंदे स्लीपर ट्रेन और आस्था स्पेशल या भारत गौरव ट्रेनें भी पर्यटकों के बीच खूब लोकप्रिय हो रही हैं। तमाम आधुनिक सुविधाओं से लैस और आरामदायक सफर का अहसास करा रही ये ट्रेनों बता रही हैं कि यदि इच्छाशक्ति मज़बूत हो तो कायाकल्प किया जा सकता है। रेलवे वर्तमान में कुछ ऐसा ही कुछ अहसास करा रही है। वंदे भारत श्रेणी की ट्रेनें जहां गति, शक्ति और सुरक्षा का प्रतीक बन गई है, वहीं भारत गौरव ट्रेन का सफ़र पर्यटकों को भारतीय विरासत के साथ-साथ कला और संस्कृति के विविध आयामों का भी दिग्दर्शन कराता है। पर्यटन और विरासत के प्रति भारतीय रेल के समर्पण और प्रतिबद्धता की सबसे बड़ी गवाही यूनेस्को की विश्व विरासत सूची को माना जा सकता है। इसमें भारतीय रेल के कुल 34 स्थलों को शामिल किया गया है। इनमें विभिन्न रेल प्रतिष्ठानों पर स्थित संग्रहालयों, हैरिटेज उद्यान और वीथियों के अलावा कई माउंटेन ट्रेनें भी हैं। दार्जिलिंग-हिमालयन रेलवे मार्ग पर समुद्र तल से 7407 फीट की ऊंचाई पर स्थित घुम स्टेशन तो दुनियाभर के पर्यटकों के आकर्षण का विशेष केंद्र है। इसी प्रकार नीलगिरी माउंटेन रेल और कालका-शिमला रेल भी जहां भारत की अन्य हसीन वादियों का सफर कराती है तो मुंबई स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्थापत्य के क्षेत्र में यूरोप की गौथिक शैली का बेजोड़ नमूना प्रदर्शित करता है।

भारत में पिछले साल 92 लाख से ज़्यादा विदेशी पर्यटक आए। इसमें कोई संदेह नहीं कि देश के अंदर आवागमन के लिए इन विदेशी मेहमानों ने रेल के सुगम, सुरक्षित और द्रुत सफ़र का जमकर आनंद लिया।कह सकते हैं कि भारतीय रेल के बदलते चेहरे के साथ-साथ पर्यटन उद्योग भी कुलांचे भर रहा है।

दृष्टि कोण

डिजिटल इंडिया पर भारी साइबर ठगी

भारत में अब डिजिटलाइजेशन के चलते फल-सब्जी, दूध-राशन इत्यादि खरीदने से लेकर ऑनलाइन शॉपिंग तक सब कुछ कैश पेमेंट के बिना आसानी से खरीदा-बेचा जा रहा है। डिजिटलाइजेशन ने जिंदगी को इतना आसान बना दिया है कि अब बैंक की लंबी लाइन में लगे बिना बिजली-पानी-बीमा का भुगतान घर बैठे हो रहा है और एक रुपए से लेकर लाखों तक का डिजिटल ट्रांजैक्शन महज एक क्लिक पर हो रहा है। लेकिन वहीं साइबर अपराधों में हो रही बढ़ोत्तरी ने लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाना भी शुरू कर दी है। पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा के पालमपुर की एक महिला से 20 लाख 38 हजार रुपए की ठगी का मामला साइबर थाना धर्मशाला में दर्ज हुआ है, जबकि हिमाचल में पिछले साढ़े सात महीनों में 44 करोड़ रुपए के फाइनांशियल फ्रॉड के मामले दर्ज हुए हैं। इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के अनुसार अप्रैल 2024 तक 740957 से ज्यादा साइबर फ्रॉड की शिकायतें पूरे भारतवर्ष में दर्ज की गई हैं, जबकि जनवरी से अप्रैल के बीच 1750 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी की गई। पिछले आठ महीनों में हिमाचल के साइबर थानों में करीब 110 मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिसमें लोगों ने अपने आप रुपयों को दोगुना करने के चक्कर में या फिर अज्ञानतावश अपनी धनराशि गंवा दी है। साइबर सैल द्वारा पिछले साढ़े सात माह के मामलों की जांच में पाया गया कि इनमें सबसे अधिक 40 फीसदी मामले इन्वैस्टमैंट फ्रॉड के हैं, 30 फीसदी फ्रॉड स्टॉक मार्किट से जुड़े हुए थे, 15 से 20 फीसदी मामले ब्लॉक चेन के सामने आए हैं, जबकि 10 प्रतिशत मामले ठगी के होते हैं, जिसमें बच्चे को पकडऩे सहित कई अन्य बातें कहकर पैसे ऐंठे जाते हैं। 5 फीसदी मामले रंगदारी के भी सामने आए हैं। हिमाचल प्रदेश के शास्त्री प्रदीप कुमार ने अपने फेसबुक अकॉउंट में सूचित किया है कि किसी ने उनके बैंक अकॉउंट से 14800 रुपए निकाल लिए हैं। फेसबुक अकाऊंट हैक कर परिचितों से रुपए मांगने के मामले तो आम ही हो चुके हैं। साइबर ठगों द्वारा ठगी के यह मामले कोई नए नहीं हैं, बल्कि इस तरह के मामले पूरे भारत से आए दिन सामने आते रहते हैं। केंद्र सरकार ने साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए एक राष्ट्रीय रजिस्ट्री बनाने का फैसला किया है। साथ ही विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय के लिए सीएफएमसी बनाया गया है। इसी तरह से समन्वय प्लेटफार्म साइबर अपराध के आंकड़े संग्रहित करने, साइबर अपराध का मानचित्र बनाने, उनका विश्लेषण करने के साथ ही साइबर अपराध के विरुद्ध काम करने वाली एजेंसियों के लिए वन स्टाप पोर्टल के रूप में काम करेगा। साइबर धोखाधड़ी से निपटने के लिए साइबर कमांडो तैनात किए जाएंगे। विशेष रूप से प्रशिक्षित साइबर कमांडो साइबर धोखाखड़ी करने वालों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कर सकेंगे। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने साइबर कमांडो के साथ-साथ साइबर फ्राड मिटिगेशन सेंटर (सीएफएमसी), साइबर क्राइम की जांच में जुटी एजेंसियों के लिए समन्वय प्लेटफार्म और संदिग्ध साइबर अपराधियों की राष्ट्रीय रजिस्ट्री बनाने की नई योजनाओं को लांच किया है। हिमाचल में यदि कोई व्यक्ति साइबर क्राइम का शिकार हो चुका है तो वह तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर क्राइम पुलिस थाना मंडी के लैंडलाइन नंबर 01905-226900 या संबंधित ईमेल पर संपर्क करें और अपनी शिकायत दर्ज करवाएं। भारतीय कानून के तहत, साइबर अपराधों से सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम-2000 (आईटी अधिनियम) के तहत निपटा जाता है। आईटी अधिनियम के तहत साइबर अपराध करने के लिए दंड का भी प्रावधान है। जैसे हैकिंग के लिए आईटी अधिनियम की धारा 66 के तहत हैकिंग की सजा तीन साल तक की कैद या पांच लाख रुपए तक का जुर्माना या दोनों है। पहचान की चोरी आईटी अधिनियम की धारा 66 सी के तहत एक अपराध है। आईटी अधिनियम की धारा 67 के तहत अश्लील सामग्री का प्रकाशन या प्रसारण अपराध है। साइबर स्टाकिंग भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354-डी और आईटी अधिनियम की धारा 66-ई के तहत एक अपराध है। यद्यपि इंटरनेट के आगमन ने हमारे जीवन में नवीनतम सुविधाओं का संसार तो खोल दिया है, लेकिन ऑनलाइन धोखाधड़ी के द्वार भी खोल दिए हैं, जो आज की डिजिटल दुनिया में एक गंभीर चिंता का विषय है। ऑनलाइन धोखाधड़ी में आपराधिक गतिविधियों की एक श्रृंखला शामिल है जो वित्तीय लाभ के लिए व्यक्तियों या संगठनों का शोषण करती है। इन गतिविधियों में फिशिंग, पहचान की चोरी, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी और ऑनलाइन घोटाले शामिल हैं। ऐसे मामलों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने बीते दिनों नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल लॉन्च किया है। ठगी से बचने के लिए जरूरी है कि यदि किसी भी व्यक्ति को किसी अज्ञात व्यक्ति/नंबर से किसी सोशल मीडिया व्हाट्सएप, फेसबुक या टेलीग्राम के ग्रुप में जोड़ा जाता है तो उस स्थिति में तुरंत उस ग्रुप को छोड़ दें। ऑनलाइन मनी इन्वेस्ट करते समय ऐप या वेबसाइट के बारे में क्रॉस चेक जरूर करें। कर्ज देने वाले ऐप्स का इस्तेमाल न करें। इन्वेस्टमेंट और ट्रेडिंग ऐप्स का इस्तेमाल करते समय सतर्क रहें।

कुछ अलग

धूमिल होती इबारतें...

बहुत दिन नहीं बीते जब सभी सरकारी उपक्रमों में बड़े-बड़े बोर्ड लगे रहते थे कि रिश्वत लेना और देना अपराध है। इसके बाद भीख मांगना भी एक अपराध है, भी बहुत दिन तक घोषित रहा तो शहरों और कस्बों के चौराहों पर भिखारी ब्रिगेडों ने एक नियोजित ढंग से भीख मांगने को एक धंधा अपना लिया। इसके साथ ही साथ एक और वर्ग उभरा बीच के लोगों और मध्यजनों का वर्ग। ये लोग आपको हर सुविधा केन्द्र की असुविधा खत्म करने के लिए जनता जनार्दन और नौकरशाही के बीच एक पुल का काम करते मिल जाएंगे। सुविधा केन्द्रों से लेकर बड़े-बड़े देशी-विदेशी व्यापार समझौते में इनका बोलबाला रहता है। जिसे कभी रिश्वत कहा जाता था, वह बालाई आमदन कहलाती रही, जिसमें से मरभुक्खों की मलाई की महक आने लगती थी। लेकिन वक्त की चाल के साथ अब रिश्वत लेना और देना एक अपराध है, की समझ इतनी बासी हो गई है कि यह एक जरूरी भुगतान बन गई है। व्यवसायी अपने बिलों में जीएसटी की हेराफेरी कर लें तो कर लें, रिश्वत की दर के इस अनिवार्य भुगतान से छुटकारा नहीं पा सकते। अब तो इसे जेब गर्म करने का सभ्य नाम भी दे दिया गया है। जो इसकी भुगतान दरों की पूरी जानकारी नहीं रखता, उसे किसी आदि या आदिभौतिक काल का मानव मान लिया जाता है। ऊपर की आमदन का यह रूप स्वीकार करते हुए आज न किसी के हाथ मैले होते हैं और न किसी की अंतरात्मा कचोटती है, बल्कि अगर कोई अपनी पंगु से पंगु कुर्सी से भी इस वसूली का वसीला न पैदा कर सके तो उसकी अंतरात्मा उसे कचोटने लगती है। इन बातों से आजकल कोई नहीं चौंकता कि अब शहरों और कस्बों के चौराहों पर बड़े नियोजित ढंग से भीख मांगी जाती है। जैसे आजकल बीमारियों का वैश्वीकरण हो गया है, इसी प्रकार इसी भीख और खैरात को भी वैधानिक अथवा अंतरराष्ट्रीय स्वरूप दे दिया गया लगता है। आजकल सरकारी मंचों से राष्ट्रीय नीतियों की घोषणा में भी वंचित और अभावग्रस्त लोगों के लिए नए काम धंधों की योजनाओं की घोषणा नहीं होती, बल्कि इस दावे के साथ कि उनके राज्य में किसी को भूखा नहीं मरने दिया जाए, मुफ्त अनाज बांटने के महीने बढ़ाने की घोषणा कर देते हैं। लेकिन इस घोषणा के बावजूद वंचित और अभावग्रस्त लोगों के मरते हुए चेहरों पर कोई मुस्कान नहीं लौटती, बल्कि वे लोग मुस्कराते ही नहीं, सामूहिक एहसास करते हैं, जिनकी यह खैरात बांटने पर ड्यूटी लगती है। तब पुराने मुहावरे सार्थक होने लगते हैं कि 'अन्धा बांटे रेवडियां, मुड़-मुड़ अपनों को दे।' और अपनों को देने के नाम पर भी आजकल राजनीतिक शतरंज होने लगी है। खैरात की ये रेवडियां नेतागण अपने-अपने चोर ठिकानों पर रखने लगे हैं। इन चोर ठिकानों पर प्रतिद्वंद्वी नेताओं के छापे पड़ रहे हैं कि देखो इस नेता ने अपनों को पटाने के लिए खैरात की रेवडियां यहां छिपा रखी हैं। वंचित तो इसकी भनक पाने के लिए तरस गए और नेताओं के समर्थक फर्जी लाचारों के ओसारे इस खैरात से भर गए। इस बात पर अगर बहुत धूल उड़े तो एक और रास्ता निकल आता है। इसे 'न नौ मन तेल होगा और न राधा नाचेगी' का रास्ता कहते हैं। बस यही घोषणा करते रहो कि तेल ही नौ मन नहीं हुआ, अब राधा कैसे नाच ले। जनाब, आज की इस राजनीति ने तो मध्यजनों के मुखौटे भी बदल दिए। अब इन्हें दलाल कहने की गुस्ताखी कोई नहीं करता। ये लोग राजनीति से लेकर सामाजिक उपलब्धियों का पुल बन गए हैं, मध्यजन कहलाते हैं। इनके बिना तो आज के सार्वजनिक जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यह काम को उसकी मंजिल तक पहुंचाने का शुल्क लेते हैं, जो इन मध्यजनों को उनकी मेहनत के लिए अदा किया जाता है।

देश दुनिया से

नीयत, नियति और हम

> हमारे बहुत से काम ऐसे होते हैं जिनसे समाज में हमारी प्रतिष्ठा बढ़ती है, रुतबा बढ़ता है, संपर्क बढ़ते हैं और हम प्रशंसा के पात्र बनते हैं। इसके बावजूद सच यही है कि हम जानते हैं कि जिस काम के कारण हमें इतनी प्रशंसा मिल रही है, वह असल में गलत है। इसी तरह बहुत से काम ऐसे होते हैं जिनसे हमें निंदा का, अपमान का, आलोचना का, बदनामी का भाजन बनना पड़ता है। बहुत बार जब हमारे आसपास के लोग या वृहत्तर समाज हमें गलत मानता है, हमारे कामों या विचारों से सहमत नहीं होता, तब भी हम हमेशा गलत ही हों, यह आवश्यक नहीं है।

हम किसी न किसी काम में लगे ही रहते हैं। काम करना सिर्फ दिखाई देने वाली क्रिया ही नहीं है। सांस लेना भी काम है, चुपचाप बैठना भी काम है, गपशप भी काम है, सोचना भी काम है। हमारे बहुत से काम ऐसे होते हैं जिनसे समाज में हमारी प्रतिष्ठा बढ़ती है, रुतबा बढ़ता है, संपर्क बढ़ते हैं और हम प्रशंसा के पात्र बनते हैं। इसके बावजूद सच यही है कि हम जानते हैं कि जिस काम के कारण हमें इतनी प्रशंसा मिल रही है, वह असल में गलत है। इसी तरह बहुत से काम ऐसे होते हैं जिनसे हमें निंदा का, अपमान का, आलोचना का, बदनामी का भाजन बनना पड़ता है। बहुत बार जब हमारे आसपास के लोग या वृहत्तर समाज हमें गलत मानता है, हमारे कामों या विचारों से सहमत नहीं होता, तब भी हम हमेशा गलत ही हों, यह आवश्यक नहीं है। किसी काम के साथ परिप्रेक्ष्य का, संदर्भ का और उससे भी बड़ी बात नीयत का समझा जाना भी जरूरी है, तभी असल में हम सही नतीजे पर पहुंच सकते हैं। हमारा कोई ऐसा काम जिसे समाज पुण्य मानता है, यहां तक कि हम खुद भी उसे पुण्य मानकर करते हों, और इच्छा हो कि इस काम के कारण प्रशंसा मिले, पद मिले, पदोन्नति हो, तो वह नीयत सांसारिक है, आध्यात्मिक नहीं। दान देना, पूजा-पाठ करना, मंदिर या किसी अन्य पूजा स्थल पर जाना, किसी की सहायता करना, किसी की प्रशंसा करना, किसी का हौसला बढ़ाना, किसी को कुछ हुनर सिखाना, किसी को ज्ञान देना, किसी का मार्गदर्शन करना आदि अच्छे काम हैं। ऐसे सभी काम, पुण्य के काम माने जाते हैं, लेकिन यदि ऐसे किसी काम को करते हुए हमारी इच्छा यह हो कि लोग देखेंगे तो प्रशंसा करेंगे, तो वह काम अच्छा होते हुए भी पुण्य कर्म में नहीं गिना जाएगा, क्योंकि उस काम के पीछे दरअसल हमारा स्वार्थ छिपा है। इसके विपरीत, यदि हमने किसी को डांटा, पर इस नीयत से डांटा कि वह व्यक्ति खुद में सुधार ला सके, जीवन में आगे बढ़ सके, ज्यादा सफल हो सके, सेहतमंद हो सके, लोकप्रिय हो सके, तो डांट भी पुण्य कार्य है। कोई कातिल अपने शिकार का पीछा कर रहा हो ताकि मौका लगने पर उसे कत्ल कर सके, और हमें यह पता हो, तो भी अगर हम कातिल को बता दें कि उसका शिकार होने वाला व्यक्ति किस तरफ गया है, या कहां मिलेगा, तो हम उस हिंसा में शामिल हो गए, फिर वह हमारा पाप कर्म बन गया। हमने कत्ल नहीं किया, लेकिन हमने कातिल का काम आसान कर दिया, तो हम उस पाप कर्म में शामिल हो गए। लेकिन अगर हमें मालूम न हो कि कातिल की नीयत क्या है, और कातिल की नीयत से अनजान होने के कारण अगर हमने कातिल को उसके शिकार का पता बता दिया तो हमसे गलती हुई, पर हम उस पाप कर्म में शामिल नहीं हैं। अगर हमें कातिल की नीयत का पता हो और हमें यह भी पता हो कि उसका शिकार कहां है, लेकिन कातिल के पूछने पर हम उसे ऐसा पता बता दें जहां उसका शिकार नहीं है, या यह कह दें कि हमें पता ही नहीं है, तो हमने झूठ बोला, लेकिन इस झूठ के पीछे नीयत यह है कि किसी की जान बच जाए, कत्ल होने से बच जाए, तो झूठ बोलने के बावजूद परमात्मा की नजर में वह काम गलत नहीं है, उसे हमारे पाप-कर्मों में नहीं जोड़ा जाएगा। जब हम अध्यात्म की ओर कदम बढ़ाते हैं तो धीरे-धीरे हमें ये सच समझ में आने लगता है कि अच्छा या बुरा काम, पुण्य या पाप के रूप में नहीं बांटा जा सकता, यानी, वो अच्छे काम भी पुण्य नहीं माने जा सकते जिनके करने में हमारा अपना कोई स्वार्थ हो, आकांक्षा हो, इच्छा हो, वासना हो, या हम उसे पुण्य अथवा मोक्ष पाने की लालसा में कर रहे हों। इसी तरह बचपन के अज्ञान में की गईं हमारी गलतियां, अनजाने में हुई गलतियां, किसी का भला करने के लिए डांटना, काम में अड़चनें डालना, या किसी का नुकसान होने से बचाने के लिए कोई झूठ बोलना आदि हमारे पाप-कर्म में शामिल नहीं होते। यह समझना आवश्यक है कि हम अपने हर काम के साथ जुड़ी नीयत को समझें, उसका विश्लेषण करें और यह देखें कि कर्म करते हुए हम उससे आसक्त हैं या हमें उसके फल की चिंता नहीं है। सिर्फ यही एक तरीका है जिससे हम सचमुच परमात्मा की शरण में जाकर अपनी नियति बदल सकते हैं। अपने हर जन्म में हम अपने पिछले कई जन्मों के संस्कार और संचित कर्मों का भंडार लेकर आते हैं। हमारे संचित कर्म इस जन्म में हमारा भाग्य बन जाते हैं और इस जीवन के हमारे कर्म और पिछले जन्मों के संचित कर्म मिलकर हमारे जीवन को प्रभावित करते हैं। इसीलिए कई बार हम समझ नहीं पाते कि हमारे साथ जो हो रहा है, वह क्यों हो रहा है। श्रीमद्भगवद् गीता में मुरलीधर भगवान श्री कृष्ण ने निष्काम कर्म की व्याख्या की तो यही कहा कि कर्म पर हमारा अधिकार है, पर उसके फल पर नहीं, तो इसका मतलब यही है कि हम इस बात के लिए स्वतंत्र हैं कि हम क्या करें, पर एक बार जब हमने कोई काम कर डाला तो फिर उसका फल क्या हो, कब हो, इस पर हमारा अधिकार इसलिए नहीं है क्योंकि उस एक कर्म के साथ हमारे पिछले जन्मों के संचित कर्म और उनके फलितार्थ भी जुड़े हुए हैं।

आप का नजरिया

पुस्तकालय की छांव में

पुस्तकालयों की छांव में अध्ययन की परिपाटी और भविष्य के पालन-पोषण में संस्थान का महत्त्व बदल रहा है। पुस्तकालय अब अध्ययन की गंध को सहेजे किताब नहीं, बल्कि माहौल की साधना में भविष्य के पठन पाठन की ऐसी प्रकिया है, जिसे युवा स्वयं चुन रहे हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग द्वारा शुरू की गई पुस्तकालयों की रैंकिंग से नवचेतना के आकाश पर इसकी संरचना सशक्त हो सकती है। अब पुस्तकालयों का ग्रेड उन्हें खास महत्त्व व पहचान दिलाएगा। दरअसल कुछ सार्वजनिक पुस्तकालयों के अध्ययन कक्ष पिछले सालों में शिक्षा के गंभीर अध्यायों के सहयोगी बन गए हैं। पढऩे की कला और विषयों का अध्ययन इस दौरान पुस्तकालयों को जीवंत कर गया। लाइब्रेरी अब सीधे युवाओं से संबोधित होने लगी है और जहां भविष्य के प्रति युवाओं की आंतरिक ऊर्जा, संकल्प और अध्यवसाय पारंगत होकर बाहर आने लगा है। कभी पुस्तकालय आंदोलन से साहित्य की पताका निकलती थी और अतिरिक्त पठन-पाठन की श्रृंखला में युग अपने आईनों को पुस्तकों में निहारता था, लेकिन अब भविष्य के सारे महायज्ञ लाइब्रेरी में होने लगे हैं। यह दौर कुछ और आगे बढक़र डिजीटल युग के समाधानों में पुस्तकालय की जरूरत को युवा महत्त्वाकांक्षा के साथ बांध रहा है। यही कारण है कि धर्मशाला जैसे शहर में करीब दो दर्जन निजी पुस्तकालयों में सुविधाएं और माहौल मुंहमांगे दाम में बिक रहे हैं। पुस्तकालय अब परिसर और चौबीस घंटे के अवसर में व्यक्तित्व विकास के हर आयाम में साक्षी बन रहे हैं। धर्मशाला का जिला पुस्तकालय पिछले एक दशक से युवा हाजिरी का ऐसा पैमाना हासिल कर चुका है, जहां सुबह किताबों की आंखें खुलती हैं, तो शिक्षण संस्थानों की औपचारिकता से हटकर युवा अपने भविष्य की घंटियां सुनते हैं। ऐसे अन्य सार्वजनिक पुस्तकालय भी हैं जहां महत्त्व के अलग-अलग पैमाने होंगे। खुशी की बात यह कि शिक्षा निदेशक युवा पगडंडियों से गुजर कर पुस्तकालयों के रास्तों को चौड़ा करना चाहते हैं। भविष्य में जो कार्य औपचारिक शिक्षा नहीं कर सकती, उसका नया ध्रुव व शिखर पुस्तकालय में तराशा जा सकता है, बशर्ते ये अध्ययन संस्थान की परिपाटी में विकसित किए जाएं। बेशक पुस्तकालयों की रैंकिंग से विभाग अपनी दिशा व प्राथमिकता तय कर सकता है, लेकिन आदर्श पुस्तकालयों का निर्माण व प्रबंधन अब नई विधा है। अब किताब झांकती नहीं और न ही पुस्तक से तालमेल बिठाने के लिए जिज्ञासा खींच लाती है। अब ये पुस्तकालय डिजीटल अध्ययन के केंद्र, माहौल और सुविधाओं की श्रेष्ठता के नए अवतार तथा आगे चलकर काउंसलिंग के अध्याय भी साबित होंगे। अतः भविष्य के पुस्तकालय का परिसर किसी कालेज से कम नहीं होगा। कुल्लू का पुस्तकालय इस दिशा में कुछ हद तक अधोसंरचना का एक उदाहरण माना जा सकता है, लेकिन सेंट्रल लाइब्रेरी सोलन या जिला पुस्तकालय धर्मशाला को नए परिसर चाहिएं।

अमेरिका में फिर हिंदू मंदिर को निशाना बनाया अज्ञात लोगों ने बीएपीएस टेंपल में की तोड़फोड़

वाशिंगटन, 26 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में एक बार फिर हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया। इस बार कैलिफॉर्निया के सैक्रामेंटो में अज्ञात लोगों ने बीएपीएस हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की। पास की इमारत में जलापूर्ति करने वाले पाइपों को क्षतिग्रस्त कर दिया। मंदिर की दीवारों पर 'हिंदुओं वापस जाओ' के नारे लिख दिए। इस घटना से स्थानीय हिंदू और दक्षिण एशियाई समुदाय सदमे में है।

इस घटना से आहत बीएपीएस पब्लिक अफेयर्स ने एक्स पर यह विवरण साझा किया। बीएपीएस पब्लिक अफेयर्स ने कहा कि न्यूयॉर्क में बीएपीएस मंदिर में तोड़फोड़ के 10 दिन से भी कम समय में सैक्रामेंटो में कल रात हमारे मंदिर को हिंदू विरोधी नफरत से कलंकित किया गया। दीवारों पर लिखा गया-हिंदुओं वापस जाओ। हम नफरत के खिलाफ एकजुट हैं। शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं।

इस घटना पर सैक्रामेंटो काउंटी शेरिफ कार्यालय की टिप्पणी सामने आई है। सैक्रामेंटो काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा है कि बुधवार सुबह माथेर में एक हिंदू मंदिर में हुई संभावित घृणा अपराध की जांच की जा रही है। यह सब आर्मस्ट्रांग एवेन्यू के पास स्थित स्वामीनारायण मंदिर में हुआ। जांच के दौरान मंदिर के पार्किंग स्थल के प्रवेश द्वार और शामियाने पर भारत के प्रधानमंत्री के लिए अपशब्द और संदर्भित भित्तिचित्र मिले। पास की एक इमारत में पानी की आपूर्ति करने वाले पाइप भी काट दिए गए। पुलिस फिलहाल घटना में शामिल लोगों की तलाश कर रही है।

बीएपीएस पब्लिक अफेयर्स ने सैक्रामेंटो काउंटी शेरिफ कार्यालय का इसके लिए आभार जताया है। सैक्रामेंटो काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा है कि यह दुखद है। बीएपीएस पब्लिक अफेयर्स ने कहा है कि घटना के बाद हिंदू समुदाय के लोग प्रार्थना समारोह में शामिल हुए। इस दौरान सद्भाव को बढ़ावा देने और असहिष्णुता के खिलाफ खड़े होने का संकल्प दोहराया गया।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में बस-ट्रक में टक्कर, तीन की मौत, 20 घायल

ढाका। बांग्लादेश में मानिकगंज के शिबलया उपजिला में आज सुबह ढाका-अरिचा राजमार्ग पर एक मिनी बस और ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। ढाका ट्रिब्यून अखबार के अनुसार, बोरोंगाइल राजमार्ग पुलिस के प्रभारी अधिकारी मोहम्मद इब्राहिम ने हादसे की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि सुबह करीब 6.30 बजे कपड़ा मजदूरों को ले जा रही मिनी बस विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से टकरा गई। मिनी बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद ट्रक खाई में पलट गया। एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल ले जाने के बाद दम तोड़ दिया।घायलों को इलाज के लिए शिबलया उपजिला स्वास्थ्य परिसर और मानिकगंज जिला अस्पताल ले जाया गया।

श्रीलंका के निर्वाचन आयोग ने आम चुनाव के लिए राजकोष से 11 अरब रुपए मांगे

कोलंबो। श्रीलंका के निर्वाचन आयोग ने देश के आगामी आम चुनाव कराने के लिए राजकोष से 11अरब रुपये मांगे हैं। उल्लेखनीय है कि मंगलवार आधीरात राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने संसद को भंग करते हुए 14 नवंबर को संसदीय चुनाव कराने की घोषणा की। डेली मिरर ने खबर में निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष आरएमएलए रथनायके के हवाले से कहा कि आयोग कार्यालय ने राजकोष से आम चुनाव कराने के लिए 11 अरब रुपये की मांग की है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति को ही इस उद्देश्य के लिए राजकोष से धन का आवंटन करने का अधिकार है। हाल ही में संपन्न राष्ट्रपति चुनाव के लिए सरकार ने आयोग को 10 अरब रुपये आवंटित किए थे।

अविश्वास प्रस्ताव गिरा, ट्रूडो सरकार बच गई लेकिन संकट अभी भी बरकरार

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपनी अल्पसंख्यक लिबरल सरकार के पहले बड़े परीक्षण में सफलता मिल गई। अविश्वास प्रस्ताव से बाल-बाल बच गए, ट्रूडो की लोकप्रियता नौ साल के कार्यकाल में काफी घट गई है। जनमत सर्वेक्षणों में बहुत आगे, टोरी नेता पियरे पोयलिवर अचानक चुनाव के लिए उत्सुक हैं, क्योंकि वामपंथी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने इस महीने की शुरुआत में लिबरल के साथ गठबंधन समझौते को तोड़ दिया था, जिससे ट्रूडो सरकार के गिरने का खतरा बना हुआ है। आक्रामक पोयलिवर ने ट्रूडो की तीखी आलोचना की है। उन्हें हर मोर्चे पर विफल करार दिया है। उनके मुताबिक वर्तमान कनाडियाई पीएम बढ़ती महंगाई, आवासीय संकट और अपराध से निपटने में विफल रहे हैं, जबकि राष्ट्रीय ऋण दोगुना हो गया है। पोयलिवर ने कोशिश जारी रखने की कसम खाई है, सरकार को गिराने का अगला अवसर अगले सप्ताह पेश किया जाएगा। यदि वह विफल हो जाता है, तो वर्ष के अंत से पहले उनके पास कुछ और मौके होंगे। अलगाववादी ब्लॉक क्यूबेकॉइस ने भी अक्टूबर के अंत से संसद में अपने निरंतर समर्थन के लिए सत्तारूढ़ लिबरल्स से रियायतों की मांग की है। ट्रूडो 2015 में सत्ता में आए, और 2019 और 2021 के मतपत्रों में पोयलिवर के दो पूर्ववर्तियों को हराकर सत्ता में बने रहने में सफल रहे।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान ने फिर उठाया कश्मीर का मुद्दा

पीएम शहबाज शरीफ ने इजराइल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

न्यूयॉर्क, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक वक्तव्य में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इजराइल के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की मांग की। साथ ही भारत में कश्मीर के लोगों के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को रोकने और कश्मीर घाटी में आत्मनिर्णय के लिए जनमत संग्रह का आह्वान किया।

पाकिस्तान के एआरवाई न्यूज की खबर के अनुसार, शहबाज शरीफ ने यह वक्तव्य संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में दिया। इस बहस का विषय 'शांति के लिए नेतृत्व' था। उन्होंने कहा कि इजराइल के खिलाफ फिलिस्तीनियों के नरसंहार जैसे कृत्य के लिए हथियार और व्यापार प्रतिबंध भी लगाए जाएं।

बेरूत में बम धमाकों के लिए इजराइल की निंदा की

उन्होंने वक्तव्य में बेरूत में हाल ही में किए गए बम विस्फोटों के लिए इजराइल की निंदा की। शरीफ ने इजरायल को गाजा में किसी भी ऐसे प्रयास को रोकना चाहिए, जो मध्य पूर्व में व्यापक संघर्ष को भड़काए। उन्होंने सुरक्षा परिषद से यूक्रेन में युद्ध विराम और संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक निष्पक्ष योजना विकसित करने का भी आग्रह किया।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि मध्य पूर्व, यूरोप और अन्य जगहों पर बढ़ते युद्ध और बढ़ती गरीबी विश्व व्यवस्था की नींव को खतरे में डाल रहे हैं। शहबाज ने वक्तव्य में कश्मीर का भी जिक्र किया।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पर जम्मू-कश्मीर मुद्दे की अनदेखी का आरोप लगाया

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अब जम्मू-कश्मीर मुद्दे की अनदेखी नहीं कर सकती। यह विवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए लगातार खतरा बना हुआ है। उन्होंने सुरक्षा परिषद से कश्मीर के लोगों के मौलिक अधिकारों के बड़े पैमाने पर हो रहे उल्लंघन को रोकने और कश्मीर घाटी में जनमत संग्रह का आह्वान करते हुए अपने स्वयं के प्रस्तावों को लागू करने का आह्वान किया। शरीफ ने इस दौरान अफगानिस्तान से आतंकवादी खतरे का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दाएश (आईएसआईएल-के) और फितना अल-खवारिज लगातार पाकिस्तान के लिए खतरा बने हुए हैं। उन्होंने इस समस्या से निपटने के लिए अफ्रीकी देशों और अफ्रीकी संघ के लिए सुरक्षा परिषद से सक्रिय समर्थन का आह्वान किया। साथ ही सुरक्षा परिषद से प्रमुख शक्तियों के बीच युद्ध को रोकने और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर दखल देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित नए हथियारों और प्रौद्योगिकियों पर नियंत्रण बनाने की नीति बनानी चाहिए।

दिसानायके ने देश के नाम संबोधन में कहा

श्रीलंका के राष्ट्रपति का अर्थव्यवस्था में स्थिरता पर जोर, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से करेंगे बातचीत

कोलंबो, 26 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके का कहना है कि देश में इस वक्त सबसे बड़ी जरूरत अर्थव्यवस्था में स्थिरता और विश्वास स्थापित करने की है। उन्होंने इसके महत्व पर जोर देते हुए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ तत्काल बातचीत फिर से शुरू करने की घोषणा की।

श्रीलंका के डेली मिरर की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति दिसानायके ने कार्यभार संभालने के बाद देश के नाम अपने पहले संबोधन में कल कहा कि वर्तमान अर्थव्यवस्था में स्थिरता और विश्वास हासिल करना महत्वपूर्ण है। हम अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ तत्काल बातचीत शुरू करने और विस्तारित ऋण सुविधा से संबंधित गतिविधियों को आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। आवश्यक ऋण राहत सुनिश्चित करने के लिए संबंधित ऋणदाताओं से बातचीत की की जा रही है।

उन्होंने कहा कि श्रीलंका को एक ऐसी संसद की आवश्यकता है जो लोगों की इच्छा को समझ सके। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में सहयोग और समर्थन देने के लिए नागरिकों का आभार व्यक्त किया। दिसानायके ने कहा कि यह उनकी जीत नहीं सारे देश के लोगों की जीत है। राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी आंखों में समृद्ध राष्ट्र का सपना पल रहा है। देश टीम के रूप में मजबूत राष्ट्र का निर्माण करेगा। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में राजनीतिक संस्कृति में नकारात्मक लक्षणों को समाप्त करने पर जोर दिया। दिसानायके ने कहा कि हम सब सबसे पहले श्रीलंका के नागरिक हैं। उसके बाद सिंहली, तमिल, मुस्लिम, बर्गर या मलय। वह जरूरत पड़ने पर संवैधानिक, आर्थिक और राजनीतिक सुधारों को लागू करने में संकोच नहीं करेंगे। विविधता का सम्मान किया जाएगा। जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर विभाजन के युग को पूरी तरह से समाप्त किया जाएगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि वह ऐसे श्रीलंका की कल्पना कर रहे हैं, जिसमें किसी भी माता-पिता को अपने बच्चे के भविष्य के बारे में चिंता न करनी पड़े। हर माता-पिता को अपने बच्चे को गुणवत्तापूर्ण स्कूल और शिक्षा प्रदान करने का अधिकार है। वह अगली पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। ज्ञान, दृष्टिकोण और कौशल को बढ़ावा देकर युवा पीढ़ी के लिए आशाजनक भविष्य का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने उनका लक्ष्य एक ऐसा राष्ट्र बनाना है जहां दुनिया श्रीलंका के पासपोर्ट का सम्मान करे और हर नागरिक गर्व से कह सके, 'मैं एक श्रीलंकाई हूं'। राष्ट्रपति ने कहा, 'हमारे लोग हर दिन सूर्योदय के साथ एक ही सपना देखते हैं। वह है 'कल आज से बेहतर होगा।'

चीन ने बांग्लादेश को लुभाया

सौर पैनल संयंत्र स्थापित करने की इच्छा जताई

न्यूयॉर्क, 26 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को लुभाने के लिए चीन ने बड़ा दांव खेला है। चीन ने कहा कि वह बांग्लादेश में सौर पैनल संयत्र लगाने का इच्छुक है। वह इस क्षेत्र में निवेश करने के साथ ढाका के साथ व्यापार और आर्थिक रिश्तों को और मजबूत करना चाहता है।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका से छपने वाले द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कल न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस से मुलाकात के दौरान यह घोषणा की। वांग यी ने बांग्लादेश को पुराना मित्र बताया और उन्हें अंतरिम सरकार का नेतृत्व संभालने के लिए बधाई दी।

उन्होंने कहा कि बीजिंग दोनों देशों की कंपनियों के बीच अधिक सहयोग और साझेदारी को भी प्रोत्साहित करेगा। बांग्लादेश को कम विकसित देशों से सभी वस्तुओं पर शून्य टैरिफ की अनुमति देने के चीन के निर्णय से लाभ होगा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार यूनुस ने इस मुलाकात में चीन के उद्योगपतियों से अपने कारखानों को बांग्लादेश में स्थानांतरित करने का आह्वान किया। मुख्य सलाहकार ने चीन के साथ घनिष्ठ संबंधों और दोनों देशों के बीच संबंधों में 'एक नया अध्याय' शुरू करने पर जोर दिया। उन्होंने दोनों देशों की कंपनियों के बीच तकनीकी सहयोग बढ़ाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'हम चीनी कंपनियों के साथ सहयोग करना पसंद करेंगे। हमारे पास साथ मिलकर काम करने की बहुत गुंजाइश है।'

जापान में पांच दशक पुराना मौत की सजा का फैसला पलटा सामूहिक हत्या के केस में दोषी पूर्व मुक्केबाज इवाओ बरी

टोक्यो, 26 सितंबर (एजेंसियां)। जापान की एक अदालत ने पांच दशक से ज्यादा पुराने चार लोगों की हत्या के केस में मौत की सजा (मृत्युदंड) के फैसले को गुरुवार को पलट दिया। यह फैसला इस बहुचर्चित हत्याकांड के दोषी पूर्व मुक्केबाज इवाओ हाकामाडा के लिए सबसे बड़ी खुशी लेकर आया। शिजुओका जिला अदालत ने उन्हें बरी करने का फैसला सुनाया।

जापान टाइम्स की खबर के अनुसार, पूर्व प्रोफेशनल मुक्केबाज 88 वर्षीय इवाओ हाकामाडा को 58 साल पहले 1966 में चार लोगों की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इवाओ को लगभग आधी सदी जेल में रहने के बाद शारीरिक और मानसिक जटिलता की वजह से 2014 में रिहा कर दिया गया। कुछ साल पहले टोक्यो हाई कोर्ट ने इस केस पर पुनर्विचार की अर्जी स्वीकार कर शिजुओका जिला न्यायालय को सुनवाई का आदेश दिया। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया। 2020 में शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। शिजुओका जिला न्यायालय में बरी करने के फैसले के समय 91 वर्षीय बहन हिदेको हाकामाडा अपने भाई की ओर से पेश हुईं।

जापान टाइम्स के अनुसार, जापान के न्यायिक इतिहास में इससे पहले भी चार बार मृत्युदंड के फैसले को पुनर्विचार के बाद बदला जा चुका है। अब सवाल यह है कि क्या अभियोजक ताजा फैसले के खिलाफ बड़ी अदालत में अपील करेंगे। हालांकि बचाव पक्ष ने अभियोजकों से बरी किए जाने के फैसले को चुनौती नहीं देने का आग्रह किया है।

पहरा

मैक्सको में एक अपराध वाले स्थल पर पहरा देते हुए नेशनल गार्ड।

लेबनान में इज़राइली हवाई हमलों ने ढहाया कहर

लड़ाकू विमानों ने 90 गांवों-कस्बों को निशाना बनाया, 51 की मौत

बेरूत, 26 सितंबर (एजेंसियां)। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि लेबनान में जारी इजरायली हवाई हमलों में करीब 51 लोगों की मौत हो गई जबकि 223 लोग घायल हो गए। मंत्रालय ने बुधवार को दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में बिंट जेबिल, ऐन काना, कब्रिखा और तेबनीने सहित कई स्थानों पर हुई जनहानि की पुष्टि की। नाम न छापने की शर्त पर सैन्य सूत्रों ने बताया कि इजरायली लड़ाकू विमानों ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में लगभग 90 गांवों और कस्बों को निशाना बनाया।

आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि दो दिवसीय हमलों में लेबनान में 550 से अधिक लोग मारे गए हैं और लगभग 1,800 घायल हुए हैं। शिया उग्रवादी समूह के अनुसार, मंगलवार को बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में एक आवासीय इमारत पर इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह कमांडर इब्राहिम मोहम्मद कुबैसी और पांच अन्य मारे गए थे। दक्षिणी इजरायल पर हमास के हमले के बाद 8 अक्टूबर, 2023 से इजरायल और हिजबुल्ला के बीच सीमा पार संघर्ष जारी है। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने बताया कि हिजबुल्लाह ने बुधवार सुबह तेल अवीव पर सतह से सतह पर मिसाइल दागी, जिससे शहर और आस-पास के इलाकों में सायरन बजने लगे। आईडीएफ ने कहा कि उसने डेविड स्लिंग रक्षा प्रणाली का इस्तेमाल करके

मिसाइल को रोक दिया, इसमें किसी के हताहत होने या किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। सेना ने आगे कहा कि उसने दक्षिणी लेबनान के नफाखियाह में हिजबुल्लाह लांचर को ध्वस्त कर दिया।

आईडीएफ ने एक बयान में कहा, उसने स्थितिगत आकलन के बाद इजरायल-लेबनान सीमा पर दो रिजर्व ग्राउंड ब्रिगेड को बुलाया है, साथ ही कहा कि सैनिकों को उत्तरी मोर्चे पर परिचालन गतिविधियों के लिए तैनात किया जाएगा। यह तैनाती हिजबुल्लाह के विरुद्ध संघर्ष को जारी रखने, इजरायल की रक्षा करने और उत्तरी इजरायल के निवासियों को उनके घरों में वापस लौटने के लिए परिस्थितियां बनाने में सक्षम करेगी। हिंसा में वृद्धि सोमवार और मंगलवार को इजरायली बमबारी के बाद आई, ये 2006 के बाद से लेबनान पर सबसे व्यापक इजरायली हमला है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम में मेरा स्वप्निल पदार्पण था : गुरजोत सिंह

बेंगलुरु, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

19 वर्षीय गुरजोत सिंह ने हाल ही में चीन के मोकी में आयोजित हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए पदार्पण किया। युवा फॉरवर्ड को साई में ट्रायल के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन के बाद जूनियर टीम से बुलाया गया था, जबकि हरमनप्रीत और उनकी टीम ओलंपिक के लिए पेरिस में थी।

गुरजोत ने हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 के सभी 7 मैच खेले और हालांकि वह एक भी गोल नहीं कर पाए, लेकिन उन्होंने खुद को साबित किया और मैदान पर बहुत समर्पण और कड़ी मेहनत दिखाई।

हॉकी इंडिया की ओर से जारी एक बयान में गुरजोत ने कहा, सीनियर टीम में माहौल बहुत अच्छा है, सभी सीनियर बड़े भाइयों की तरह हैं जो ज़्यादातर समय माहौल को हल्का रखते हैं। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में मेरा डेब्यू एक सपने जैसा था। मैं चीन के खिलाफ खेलने के लिए उत्साहित था, मुझे लगा कि मैं अपने डेब्यू पर गोल करूँगा, लेकिन भले ही मैं गोल न कर सका, लेकिन मैंने खेल में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और यह एक अच्छा प्रदर्शन था। खेल से पहले हरमनप्रीत सिंह ने मुझे आश्वस्त किया कि ज़्यादा सोचने या डरने की ज़रूरत नहीं है; मुझे बस वैसा ही खेलना है जैसा मैं आमतौर पर कैंप में खेलता हूँ, आज़ादी से खेलना है और गलतियाँ करने के बारे में नहीं सोचना है।

गुरजोत पंजाब के एक छोटे से गाँव हुसैनाबाद से हैं। उनके पिता पास के एक गाँव में दूधवाले हैं, उनकी माँ गृहिणी हैं और उनकी बहनें अपनी पढ़ाई कर रही हैं। बचपन में गुरजोत बहुत शरारती थे। जब वह 6 साल के थे, तब उनकी साइकिल दुर्घटना हो गई थी, जिससे उनकी जान को खतरा था। दुर्घटना में उनके सिर के पिछले हिस्से में सात टांके लगे थे।

उस दुर्घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा, दुर्घटना के बाद, कुछ सालों तक मुझे थोड़ी कमजोरी रही, लेकिन जब मैं 10 साल का हुआ, तो मैं पूरी तरह से ठीक हो गया और पास के एक सरकारी स्कूल में पढ़ने लगा। स्कूल में, मैंने देखा कि हॉकी खेलने वाले बच्चों को थोड़ी ज़्यादा आज़ादी मिलती थी। वे क्लास में देर से आते और अभ्यास के लिए थोड़ा जल्दी चले जाते, इसलिए मैंने सोचा कि क्यों न इस खेल में हाथ आजमाया जाए।

2020 तक गुरजोत को अपने पिता का हाथ बंटाने के लिए चप्पल बनाने वाली फैक्ट्री में काम करना पड़ा। वह सुबह अभ्यास करते और रात में काम। उसी साल बाद में, एक स्थानीय टूर्नामेंट में, गुरजोत का सामना भावी टीम के साथियों अभिषेक और सुखजीत से हुआ। खेल के दौरान उन्हें यह भी बताया गया कि राउंडग्लास हॉकी अकादमी अगले दिन ट्रायल आयोजित करेगी।

गुरजोत ने अपना बैग पैक किया और जालंधर में ट्रायल में कोचों को प्रभावित करने के लिए निकल पड़े। राउंडग्लास हॉकी अकादमी के खिलाड़ी के रूप में, गुरजोत ने भोपाल में पहली हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष अकादमी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2021 में खेला और चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित करके भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम में जगह बनाई।

तब से वह 2023 सुल्तान ऑफ जोहोर कप, पुरुष हॉकी एशिया कप सलालाह 2023, एफआईएच हॉकी विश्व कप ओमान 2024 और हाल ही में हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में खेल चुके हैं। 12वें सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2024 और पुरुष जूनियर एशिया कप मस्कट 2024 के साथ, गुरजोत ने अपना ध्यान वापस जूनियर टीम पर केंद्रित कर लिया है।

उन्होंने कहा, हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी सीखने का एक अच्छा अनुभव था, मुझे सीनियर टीम की मांगों के बारे में पहले से पता था। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह मेरे लिए एक स्वप्निल शुरुआत थी, क्योंकि हमने सभी मैच जीते और खिताब भी जीता, लेकिन अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है और बहुत कुछ सुधार करना है। मुझे सर्कल में अपने मूवमेंट पर काम करना है, विरोधियों पर दबाव बनाने में तेज़ होना है और गेंद पर अपनी गति बढ़ानी है।

न्यूज ब्रीफ

रूस के स्विडलर ने जेरूसलम मास्टर्स रैपिड शतरंज टूर्नामेंट जीता

यरूशलम। रूसी ग्रैंडमास्टर पीटर स्विडलर ने बुधवार को संपन्न हुए यरूशलम मास्टर्स रैपिड शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। पश्चिमी यरूशलम के रमाडा होटल में आयोजित दो दिवसीय टूर्नामेंट में दस ग्रैंडमास्टर्स ने हिस्सा लिया, जिसमें दुनिया के पांच शीर्ष खिलाड़ी और पांच इजरायली राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी शामिल थे। उन्होंने राउंड-रॉबिन प्रारूप में प्रतिस्पर्धा की और प्रत्येक खिलाड़ी के लिए 15 मिनट का समय निर्धारित किया गया। स्विडलर ने 6.5 अंक हासिल किए और 30,000 अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार जीता। वह केवल एक मैच हारे, (आखिरी दौर में अपने हमवतन डेनियल दुबोव के खिलाफ), हालांकि उन्होंने पहले ही पहला स्थान हासिल कर लिया था। उज्बेकिस्तान में आयोजित पिछली रैपिड विश्व शतरंज चैंपियनशिप में सातवें स्थान पर रहने वाले दुबोव ने इस बार डचमैन जॉर्डन वैन फॉरेस्ट के साथ दूसरा स्थान साझा किया, दोनों ने 5.5 अंक हासिल किए। चार टाई-ब्रेकिंग विधियों का उपयोग करने के बाद भी दोनों को अलग नहीं किया जा सका। वहीं, 290 खिलाड़ियों की भागीदारी के साथ एक खुली प्रतियोगिता भी हुई, जिसे 18 वर्षीय इजरायली याहली सोकोलोव्स्की ने जीता, जिन्होंने नौ मैचों में आठ अंक प्राप्त किए।

दिल्ली हाफ मैराथन में हिस्सा लेंगे युगांडा के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता जोशुआ चेप्टेगी

नई दिल्ली। 10,000 मीटर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता जोशुआ चेप्टेगी 2024 वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन में भाग लेंगे। युगांडा के स्टार धावक चेप्टेगी ने पेरिस ओलंपिक में जीत के बाद ट्रैक स्पर्धाओं से संन्यास ले लिया और यह स्पष्ट कर दिया कि अब वह मैराथन में भाग लेंगे। युगांडा एथलेटिक्स फेडरेशन (यूएएफ) के अध्यक्ष डोमिनिक ओटुचेट ने सिन्हुआ को बताया, चेप्टेगी भारत में 2024 वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन में भाग लेंगे। वह बड़ी मैराथन स्पर्धाओं से पहले बेहतर तैयारी के लिए हाफ मैराथन का उपयोग करेंगे। पिछले सप्ताहांत युगांडा के इस स्टार ने नीदरलैंड के एम्स्टर्डम में डैम टॉट डैमलूप 10-मील रेस के 38वें संस्करण में 45 मिनट और पांच सेकंड में दूसरा स्थान हासिल किया। ओटुचेट ने बताया कि चेप्टेगी को रोड रेस में जल्दी से ढलने के लिए कई हाफ मैराथन रेस में भाग लेने की आवश्यकता होगी। ओटुचेट ने कहा, हमें पूरा विश्वास है कि चेप्टेगी रोड रेस में सुधार करते रहेंगे क्योंकि वह एक दृढ़ निश्चयी और अनुशासित एथलीट हैं जो चैंपियन बनना जानते हैं। पेरिस 2024 में युगांडा के एकमात्र स्वर्ण पदक विजेता चेप्टेगी 2025 में टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मैराथन के लिए क्वालीफाई करने पर भी अपना ध्यान केंद्रित करेंगे। अपना स्थान सुरक्षित करने के लिए, उन्हें अगले साल क्वालीफाइंग रेस में 2:06:30 से कम का मैराथन समय निकालना होगा।

प्रो कबड्डी लीग का 11वां सीजन 18 अक्टूबर से होगा शुरू

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) का 11वां संस्करण 18 अक्टूबर, 2024 से शुरू होगा। रितेश देशमुख, सुदीप किच्चा, आलिया भट्ट, भुवन बाम और क्रिकेट स्टार केएल राहुल और हार्दिक पांड्या जैसी कई हस्तियां लीग में दिखाई दे सकती हैं। इस सेलिब्रिटी समूह में सबसे आगे पीकेएल के ब्रांड एंबेसडर रितेश देशमुख और सुदीप किच्चा हैं। महाराष्ट्र के बॉलीवुड अभिनेता रितेश राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दोनों तरह की अपील लेकर आते हैं जो देश भर के प्रशंसकों से जुड़ती है। पीकेएल की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कन्नड़ सिनेमा की एक बड़ी हस्ती सुदीप किच्चा कर्नाटक में उत्साही प्रशंसक आधार को उत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बॉलीवुड सुपरस्टार आलिया भट्ट और डिजिटल सनसनी भुवन बाम भी सितारों से सजी इस सूची में शामिल हैं। आलिया भट्ट अपनी व्यापक अपील और प्रभाव के साथ युवा पीढ़ी को कबड्डी से जुड़ने के लिए प्रेरित करने के लिए तैयार हैं। डिजिटल स्पेस में अग्रणी भुवन बाम अद्वितीय सामग्री सहयोग के माध्यम से पारंपरिक खेल प्रशंसकों और डिजिटल-प्रथम दर्शकों के बीच की खाई को पाटेंगे। भारत के दो सबसे बड़े जुनून- क्रिकेट और कबड्डी के मेल से देश के कुछ शीर्ष क्रिकेटर लीग का समर्थन करने के लिए आगे आए हैं। केएल राहुल और हार्दिक पांड्या पीकेएल के प्रचार में नजर आएंगे, जो कबड्डी और क्रिकेट को एक साथ जोड़ने वाले एथलेटिकिज्म, साहस और दृढ़ संकल्प के बीच समानताएं दर्शाते हैं। इस बार पीकेएल तीन शहरों के प्रारूप में लौटेगा।

यूपीसीए ने सुरक्षा चिंताओं को खारिज किया

कानपुर का ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम भारत-बांग्लादेश दूसरे टेस्ट के लिए तैयार

कानपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम कानपुर के ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए तैयार है, लेकिन स्टेडियम की सुरक्षा, खासकर सी बालकनी को लेकर चिंता जताई जा रही है। हालांकि, उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के अधिकारी ने किसी भी तरह के सुरक्षा जोखिम से साफ इनकार किया है और प्रशंसकों को आश्वासन दिया है कि सभी जरूरी सावधानियां बरती गई हैं।

ऐसी रिपोर्ट्स सामने आई हैं कि सी बालकनी, जिसमें आमतौर पर 10,000 दर्शक बैठ सकते हैं, संरचनात्मक रूप से कमजोर है और प्रशंसकों के वजन के कारण इसके गिरने का खतरा हो सकता है। इसके जवाब में, यूपीसीए ने स्थिति का आकलन करने के लिए लोक निर्माण विभाग और कानपुर के हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों को बुलाकर तेजी से कार्रवाई की।

गुरुवार को यूपीसीए के आयोजन स्थल निदेशक संजय कपूर ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा, यह सब निराधार अफवाहें हैं कि प्रशंसकों की सुरक्षा को लेकर चिंता है। बालकनी पर उपलब्ध 10,000 सीटों में से, हमें क्षमता को घटाकर 7,200 करने की सलाह दी गई है, और हम शेष 2,800 सीटों के लिए टिकट नहीं बेच रहे हैं।

कपूर ने जोर देकर कहा कि प्रशंसकों की सुरक्षा एसोसिएशन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।जनता को और अधिक आश्वस्त करने के लिए, यूपीसीए ने इस मैच के लिए स्टेडियम की कुल बैठने की क्षमता में पर्याप्त सुधार किया है।

कपूर ने कहा, सी बालकनी में कमी के बावजूद, हम पिछले मैच की तुलना में प्रशंसकों के लिए सीटों की संख्या में लगभग 6,000 की वृद्धि करने में सफल रहे हैं। अब हमारे पास इस टेस्ट में दर्शकों के लिए 26,007 सीटें उपलब्ध हैं। युवा दर्शकों को आकर्षित करने के लिए, यूपीसीए ने मैच के प्रत्येक दिन 3,000 स्कूली छात्रों के लिए सीटें आरक्षित की हैं।

इसके अलावा, कपूर ने पुष्टि की कि स्टेडियम की फ्लडलाइट्स पूरी तरह से चालू हैं। उन्होंने कहा, फ्लडलाइट्स ठीक से काम कर रही हैं और हर चीज की पूरी तरह से जांच की गई है। हम किसी भी मौसम की चुनौतियों के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल किसी भी प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने के लिए सुसज्जित है।

भारत के सबसे पुराने क्रिकेट स्थलों में से एक ग्रीन पार्क स्टेडियम की स्थापना 1945 में हुई थी और इसने 1952 में भारत और इंग्लैंड के बीच अपना पहला टेस्ट मैच आयोजित किया था। पिछले कुछ वर्षों में, स्टेडियम ने सभी प्रारूपों में कई प्रतिष्ठित मैच देखे हैं। हालाँकि इसकी शुरुआती बैठने की क्षमता लगभग 32,000 थी, लेकिन आधुनिकीकरण के प्रयासों और नए पवेलियन के निर्माण के कारण सीटों की संख्या में कमी आई है।

ऋषभ की आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष दस में वापसी

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में एक बार फिर शीर्ष दस में पहुंच गये हैं। ऋषभ को बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में शतक लगाने का लाभ मिला है और इसी कारण वह रैंकिंग में ऊपर आये हैं। बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई में खेले गए टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें 731 रेटिंग अंक प्राप्त हुए और वह टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं भारत के ही यशस्वी जायसवाल भी 751 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर कायम हैं। वहीं भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को रैंकिंग में नुकसान हुआ है। वह पांच स्थान नीचे फिसलकर 716 अंकों के साथ दसवें स्थान पर आ गये हैं। दूसरी ओर, गेंदबाजी रैंकिंग में श्रीलंका के प्रभात जयसूर्या ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन से बेहतर रैंकिंग हासिल की है। जयसूर्या ने 9 विकेट लिए और 743 रेटिंग अंकों के साथ पांच पायदान ऊपर आकर टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में वह आठवें स्थान पर पहुंच गये। श्रीलंका के ही असिथा फर्नांडो 13वें स्थान पर फिसल गये हैं।

शाकिब ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लिया, कानपुर में भारत के खिलाफ हो सकता है आखिरी टेस्ट

कानपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी शाकिब अल हसन ने गुरुवार को टी20 क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की और यह भी पुष्टि की कि वह अगले महीने ढाका में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच के बाद टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले लेंगे। भावुक शाकिब ने गुरुवार को यह घोषणा भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट मैच से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की।

उन्होंने कहा, नए खिलाड़ियों को लाने का यह सही समय है। टी20आई के लिए भी यही दृष्टिकोण है। मैंने मुख्य चयनकर्ता और बीसीबी अध्यक्ष से बात की है और हम सभी को लगा कि आगे बढ़ने और नए खिलाड़ियों को मौका देने का यह सही समय है।

शाकिब ने खुलासा किया कि उन्होंने मीरपुर में अपने घरेलू दर्शकों के सामने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की इच्छा जताई है। हालांकि, अगर उनकी इच्छा पूरी नहीं होती है, तो भारत के खिलाफ मैच टेस्ट क्रिकेट में उनका आखिरी मैच होगा।

शाकिब ने कहा, मैंने मीरपुर में अपना आखिरी टेस्ट खेलने की इच्छा जताई है, अगर ऐसा नहीं होता है, तो भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट मेरा आखिरी टेस्ट होगा। उन्होंने आगे कहा, बांग्लादेश क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है और मैं इस प्रारूप में अपना आखिरी टेस्ट मैच घर पर ही देना चाहता हूँ। हालांकि, वह फ्रेंचाइजी लीग में खेलना जारी रखेंगे और राष्ट्रीय टीम में वापसी की संभावना से इनकार नहीं करते।

उन्होंने कहा, लेकिन अभी के लिए, आप कह सकते हैं कि मैं दोनों प्रारूपों से आगे बढ़ रहा हूं। अगर मैं टी20 लीग में अच्छा प्रदर्शन करता हूं और बीसीबी को लगता है कि उन्हें एक निश्चित समय के लिए टीम में मेरी जरूरत है, तो हम विचार कर सकते हैं। लेकिन अभी के लिए, यही है। शाकिब ने बांग्लादेश के लिए 129 टी-20आई मैचों में हिस्सा लिया, जिसमें उन्होंने 121.18 की स्ट्राइक रेट से 2,551 रन बनाए। हालाँकि, गेंद के साथ उनका प्रभाव टीम के लिए अधिक महत्वपूर्ण साबित हुआ। 126 पारियों में, शाकिब ने 149 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/20 रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि शाकिब अल हसन का टेस्ट डेब्यू भी भारत के खिलाफ हुआ था। बांग्लादेश के लिए उनका पहला रेड-बॉल प्रदर्शन मई 2007 में चटगाँव में हुआ था, और तब से, उन्होंने अपने देश के लिए 70 टेस्ट मैच खेले हैं। अपने नाम एक शानदार रिकॉर्ड के साथ, शाकिब ने 4,600 रन बनाए हैं, जिसमें पाँच शतक और 31 अर्धशतक शामिल हैं, जिससे वह बांग्लादेश के टेस्ट इतिहास में तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं - एक ऐसा स्थान जिसे शाकिब के अपने टेस्ट करियर के अंत तक बनाए रखने की संभावना है।

चेन्नइयन एससी को मोहम्मडन एससी के खिलाफ घर पर खेलने का मिलेगा फायदा

चेन्नई, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

चेन्नइयन एफसी की टीम आज शाम यहां जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में मोहम्मडन एससी के खिलाफ इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में पहला घरेलू मुकाबला खेलेगी। मरीना माचांस ने सीजन के अपने शुरुआती अवे मैच में ओडिशा एफसी पर 3-2 से शानदार जीत दर्ज की, जबकि मोहम्मडन एससी ने एफसी गोवा के साथ 1-1 से ड्रा खेलकर आईएसएल में पहली बार अंक हासिल किया।

चेन्नइयन एफसी घर वापसी से खुश होगी क्योंकि उसने घरेलू मैदान पर खेले गए पिछले सात मैचों में से पांच जीते हैं। सकारात्मक घरेलू प्रदर्शन ने पिछले सीजन में उसे प्लेऑफ पहुंचाया था। मोहम्मडन एससी आईएसएल में पहली बार अवे मैच खेलेगी। मोहम्मडन एससी ने अपने दूसरे आईएसएल मुकाबले में 18-यार्ड बॉक्स के अंदर से 15 शॉट लगाए। विपक्षी बॉक्स के अंदर आकर शॉट लगाने की ब्लैक पैंथर्स की प्रवृत्ति चेन्नइयन एफसी की डिफेंस को परेशान करेगी। स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल के अनुसार चेन्नइयन एफसी जहां भी खेलें, उसका इरादा हर मुकाबले से पूरे तीन अंक हासिल करना है। उन्होंने कहा, मैं जिस मानसिकता और एकाग्रता की बात करता हूं, उसे टीम बनाए रखती है। हमारे शुरुआती दस मैचों में से सात घर से बाहर हैं। इसलिए, चाहे घर हो या बाहर, हम जीत के लिए खेलते हैं। मोहम्मडन एससी के रूसी हेड कोच आंद्रेई चेर्निशोव ने अपने खिलाड़ियों के हौसलें पर गर्व व्यक्त किया। उन्हें उम्मीद है कि वे आगामी मैचों के लिए अच्छे से तैयार होने के लिए शारीरिक मजबूत पर काम करते रहेंगे। चेर्निशोव ने कहा, मेरे खिलाड़ी बढ़िया फुटबॉल खेल रहे हैं और आत्मविश्वास के दम पर उन्होंने आईएसएल में उपस्थिति दर्ज कराई है। लेकिन अब हमारे पास पर्याप्त समय नहीं है। हमें अब अवे मैच खेलना है। हम शारीरिक मजबूती पर काम जारी रखेंगे।

गोविंद के चार विकेट की मदद से गोंडा टाइटंस ने लवकुश नगर को दी मात, बाराबंकी और एनएचबी ने भी जीते मैच

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

वाल्मीकि विकास सेवा संस्थान के तत्वावधान में डीपी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 23वां आदिकवि महर्षि वाल्मीकि क्रिकेट टूर्नामेंट में गोण्डा टाइटंस, एनएचबी व बाराबंकी घंटाघर इलेवन ने जीत से पूरे अंक जुटाए। गोण्डा टाइटंस व बाराबंकी घंटाघर ने दो मैच खेलते हुए एक-एक जीते।

चौक स्टेडियम पर पहले मैच में गोण्डा टाइटंस ने लवकुश नगर अभिराज इलेवन को 7 विकेट से हराया। लवकुश नगर अभिराज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 8 विकेट पर 84 रन बनाए। हिमांशु ने 34 व विक्की ने 22 रन जोड़े। गोण्डा टाइटंस से गोविंद को चार व वरुण को दो विकेट की सफलता मिली। जवाब में गोण्डा टाइटन्स ने 8 ओवर में तीन विकेट पर 87 रन बनाकर मैच जीत लिया। गोविंद ने 23 व साहिल ने 18 रन बनाकर जीत दिलाई। हरफनमौला पारी खेलने वाले गोण्डा टाइटंस के गोविंद को मैन ऑफ द मैच व बेस्ट कैच का पुरस्कार वाल्मीकि विकास सेवा संस्थान के अध्यक्ष नरेश वाल्मीकि, आयोजन समिति के अध्यक्ष वाल्मीकि अंकित घावरी व महामंत्री आशीष घावरी ने दिया। इस अवसर पर रमन कुमार, मोहम्मद रियाज वाल्मीकि, आर वी घावरी, रिप्पी वाल्मीकि मौजूद थे।

दूसरे मैच में एनएचबी ने बाराबंकी घंटाघर इलेवन को 10 रन से हराया। एनएचबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जयकिशन के 25 व करन के 17 रन से 5 विकेट पर 86 रन बनाए। बाराबंकी घंटाघर से सूरज व कामेश को दो-दो विकेट की सफलता मिली। जवाब में बाराबंकी घंटाघर 8 विकेट पर 76 रन ही बना सका। एनएचबी से मैन ऑफ द मैच सचिन को तीन एवं यश व सुमित को दो-दो विकेट की सफलता मिली। बेस्ट कैच का पुरस्कार बाराबंकी घंटाघर के अभिषेक को मिला।

तीसरे मैच में बाराबंकी घंटाघर इलेवन ने गोण्डा टाइटंस को 78 रन से हराया। बाराबंकी घंटाघर इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 108 रन बनाए। जवाब में गोण्डा टाइटन्स आठ ओवर में 30 रन बना सका। बाराबंकी घंटाघर इलेवन से अक्षय को चार व मैन ऑफ द मैच कामेश को तीन विकेट की सफलता मिली। बेस्ट कैच का पुरस्कार बाराबंकी घंटाघर के सूरज को मिला।

राहुल वापसी करेंगे, हमारी भूमिका उनकी प्रगति में सहयोग करना है: नायर

कानपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

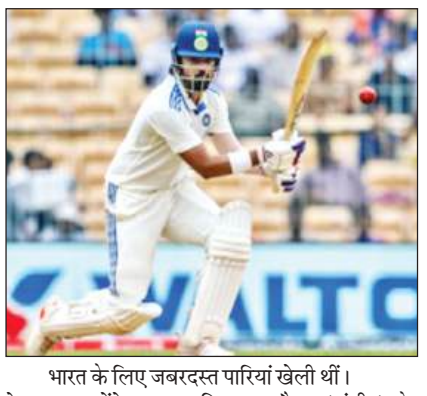

भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में दूसरे टेस्ट की तैयारी कर रही है, ऐसे में सभी की निगाहें केएल राहुल पर टिकी हैं, जो लंबे समय से चोटिल होने के बाद लाल गेंद के क्रिकेट में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

35 के आसपास औसत और लगातार खराब प्रदर्शन के साथ, राहुल के हालिया फॉर्म ने टीम में उनकी जगह पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, भारतीय बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर अनुभवी बल्लेबाज के फॉर्म में लौटने को लेकर आशावादी हैं। दूसरे महत्वपूर्ण टेस्ट से पहले नायर ने राहुल की हालिया चुनौतियों को स्वीकार किया, लेकिन कठिन दौर में खिलाड़ियों का समर्थन करने के महत्व पर जोर दिया।

नायर ने गुरुवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम सभी जानते हैं कि राहुल किस तरह के खिलाड़ी हैं। उनके पास अनुभव और प्रतिभा है, लेकिन हर क्रिकेटर ऐसे दौर से गुजरता है, जहां चीजें ठीक नहीं होती हैं। ऐसे समय में एक कोचिंग टीम के रूप में हमारी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, हमें उन्हें आगे बढ़ने में मदद करना है।

राहुल ने दलीप ट्रॉफी की अपनी एकमात्र पारी में शुरुआती सत्र में 111 गेंदों पर 37 रन बनाए। महत्वपूर्ण मौकों पर निर्णायकता की कमी और आक्रामक स्ट्रोक का उपयोग करने की अनिच्छा के कारण उनकी आलोचना की गई। स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाने में उनकी हिचकिचाहट पर लोगों ने सवाल उठाए। दूसरी पारी में 121 गेंदों पर 57 रन की उनकी पारी आंशिक रूप से उनकी वापसी थी, क्योंकि चुनौतीपूर्ण 276 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी मुख्य जिम्मेदारी लगातार विकेट पतन के बीच एक छोर थामे रखना था।

नायर ने कहा, जब आप भारत के लिए खेल रहे होते हैं, तो आपको प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती है। कभी-कभी यह सिर्फ दिशा की बात होती है। वह ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने खेल को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। हां, ऐसे समय होते हैं जब कोई खिलाड़ी अपने पैर जमाने लगता है। मुझे लगता है कि दक्षिण अफ्रीका में, जब वह वहां थे, तो उन्होंने भारत के लिए जबरदस्त पारियां खेली थीं।

उन्होंने कहा, इसलिए हम गौतम (गंभीर) के संयोजन से बहुत आशान्वित हैं और मैंने उनसे इस बारे में चर्चा की है कि उम्मीद है कि हम केएल में भी बदलाव ला सकते हैं। इन चीजों में कभी-कभी समय लगता है। मुझे पता है कि हमने उन्हें दूसरी पारी में ज्यादा मौके नहीं दिए। लेकिन जिस तरह से वह दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर रहे थे, हम उनसे इसी तरह की क्रिकेट की उम्मीद कर रहे थे। और मुझे पूरा यकीन है कि आगे चलकर आप उनसे उम्मीदें और प्रदर्शन देखेंगे।

हालांकि, राहुल को चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में और भी संघर्ष करना पड़ा, जब वह मध्यक्रम में कभी भी सहज नहीं दिखे। भारत के शीर्ष क्रम के ढहने के बाद, 32 वर्षीय खिलाड़ी ऐसे समय में आए जब टीम को एक ठोस साझेदारी की जरूरत थी। उन्होंने 16 रन के लिए 52 गेंदों का सामना किया। प्रशंसकों और पंडितों ने दबाव की स्थिति में उनकी सोच और बल्लेबाजी की रणनीति पर सवाल उठाए हैं, क्योंकि उनमें दृढ़ता की कमी है और वे स्थिति का फायदा उठाने में विफल रहे हैं।

भारत कानपुर टेस्ट के करीब पहुंच रहा है, इसलिए टीम का चयन अप्रत्याशित पिच स्थितियों से काफी प्रभावित होगा। नायर ने पुष्टि की कि भारत खेल के दिन के कारकों के आधार पर प्लेइंग इलेवन का फैसला करेगा, क्योंकि ग्रीन पार्क में दो पिचें तैयार की गई हैं - एक काली मिट्टी की सतह, जिससे स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद है और दूसरी लाल मिट्टी की विकेट जो शुरुआत में तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकती है।

नायर ने कहा, टीम संयोजन तय करने में परिस्थितियां एक बड़ा कारक होंगी। हर कोई उपलब्ध है, और हम अपनी इलेवन को अंतिम रूप देने से पहले कल देखेंगे कि पिच कैसा व्यवहार करती है।

कोच ने टीम के भीतर व्यापक नेतृत्व संरचना पर भी विचार किया, जिसमें शुभमन गिल और ऋषभ पंत सहित संभावित कप्तानों की अगली पीढ़ी पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा, हमारे पास शुभमन और ऋषभ जैसे खिलाड़ियों के साथ आदर्श कप्तान बनने की संभावना है। उनके क्रिकेट दिमाग उनकी उम्र से कहीं अधिक परिपक्व हो गए हैं।

नायर ने बताया कि जब युवा खिलाड़ी इतनी तेजी से नेतृत्व क्षमता विकसित कर रहे हैं, तो हमें किसी नामित उप-कप्तान की जरूरत नहीं है। टेस्ट मैच से एक दिन पहले, गुरुवार को कानपुर में बादल छाए हुए हैं, मैच के शुरुआती दो दिनों में बारिश की संभावना अधिक है। एक्यूवेदर के अनुसार, मैदान पर बादल छाए रहेंगे।

आगे रहने का सेल का प्रयास रहेगा जारी 'नंबर वन' बनने की आकांक्षा : अध्यक्ष

नई दिल्ली,26 सितंबर (एजेंसियां)।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने गुरुवार को कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 1,04,545 करोड़ रुपये के सर्वश्रेष्ठ बिक्री का कारोबार हासिल किया है। उन्होंने कहा कि सेल आगे रहने का अपना प्रयास जारी रखेगा।

सेल अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने गुरुवार को नई दिल्ली के लोदी रोड स्थित कंपनी के मुख्यालय में आयोजित 52वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को वर्चुअल प्लेटफॉर्म के जरिए संबोधित हुए यह बात कही। उन्होंने कंपनी के शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले वित्त वर्ष के प्रदर्शन पर विचार करने और भविष्य की ओर देखते हुए यह विश्वास मजबूत होता है कि एक संगठन के रूप में हम अपने उद्योग में 'नंबर वन' यानी सर्वश्रेष्ठ बनने की आकांक्षा रख सकते हैं।

वर्ष 24 में क्रमश: 20.5 एमटी, 19.24 एमटी और 18.44 एमटी हॉट मेटल, क्रूड स्टील और सेलेबल स्टील का उत्पादन करके नए रिकार्ड बनाए

शेयरधारकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के विजन के साथ देश के सामाजिक, डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढांचे को बदलने के लिए भारत सरकार के निरंतर प्रयास ने देश में सभी क्षेत्रों में स्टील की मांग को बढ़ावा दिया है। सेल के अध्यक्ष ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान सेल के प्रदर्शन का सारांश प्रस्तुत किया और कहा कि सेल ने वित्त वर्ष 24 के दौरान क्रमश: 20.5 मिलियन टन (एमटी), 19.24 एमटी और 18.44 एमटी हॉट मेटल, क्रूड स्टील और सेलेबल स्टील का उत्पादन करके नए मानक स्थापित किए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में क्रमश: 5.6 फसदी, 5.2 फीसदी और 6.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज करता है। उन्होंने उल्लेख किया कि कंपनी ने वित्त वर्ष 24 के दौरान 1,04,545 करोड़ रुपये का सर्वश्रेष्ठ बिक्री कारोबार हासिल किया।

न्यूज ब्रीफ

सर्राफा बाजार की तेजी से नए शिखर पर पहुंचा सोना, चांदी भी 95 हजार के पार

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने और चांदी के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। सोने के भाव में आई तेजी के कारण गुरुवार को देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77 हजार रुपये के स्तर को पार करके 77,180 रुपये से लेकर 77,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना गुरुवार को 70,760 रुपये से लेकर 70,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 95,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,030 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कई राज्यों में बदले पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड) की कीमतों में गिरावट से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बदलाव आया है। क्रूड की कीमतें गुरुवार सुबह 70 डॉलर प्रति बैरल नीचे आ गयीं। वहीं ब्रेंट क्रूड 73 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर कामकाज करता दिखा। देश के चारों महानगरों में से केवल चेन्नई में पेट्रोल की कीमतें नीचे आयी हैं। वहीं दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर जबकि कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वहीं दमन और द्वीप और गोवा , छत्तीसगढ़, के अलावा अन्य कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ी हैं जबकि बिहार और आंध्र प्रदेश के अलावा कुछ राज्यों में पेट्रोल के दाम नीचे आये हैं। गुरुग्राम में पेट्रोल 94.90 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर है। गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.83 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं हरियाणा में पेट्रोल की कीमते में 0.13 पैसों की कमी आई है और 95.54 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में भी कीमतें कम हुई हैं।

शेयर बाजार में रिकॉर्ड तोड़ तेजी का सिलसिला, नए शिखर पर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एक दिन के कारोबार में निवेशकों को 1.73 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली,24 सितंबर (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार में लगातार सातवें दिन मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही बाजार अभी तक के सर्वोच्च स्तर पर बंद होने में भी सफल रहा। गुरुवार को कारोबार की शुरुआत सपाट स्तर पर हुई थी। दिन के कारोबार में शेयर बाजार मामूली उतार-चढ़ाव के साथ आगे बढ़ता रहा, लेकिन दोपहर 2 बजे के बजे के बाद बाजार में चौतरफा खरीदारी शुरू गई। इस खरीदारी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गए। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स ने 0.78 प्रतिशत और निफ्टी ने 0.81 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार का अंत किया।

गुरुवार को दिन भर के कारोबार में ऑटोमोबाइल और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसके साथ ही आईटी, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस, टेक और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार का अंत किया। गुरुवार को शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने दो लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर

476.98 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 475.25 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 1.73 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,081 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,698 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,279 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 104 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,485 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,025 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,460 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर बढ़त के साथ और 2 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 44 शेयर हरे निशान में और 6 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 2.31 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 85,167.56 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद शेयर बाजार में लिवालों और बिकवालों बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा।

बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 63.13 अंक टूट कर 85,106.74 अंक तक गिर गया। इस गिरावट के बावजूद बाजार में ओवरऑल खरीदारी का रुख ही ज्यादा था, जिसकी वजह से ये सूचकांक भी ज्यादातर समय हरे निशान में ही बना रहा। दोपहर 2 बजे के बाद बाजार में आक्रामक अंदाज में खरीदारी शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में जोरदार तेजी आ गई। खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी देर में ही ये सूचकांक 760.56 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 85,930.43 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन कारोबार के बाद सेंसेक्स 666.25 अंक की बढ़त के साथ क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 85,836.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 1.25 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 26,005.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद से ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई। बिकवाली के दबाव में निफ्टी कुछ देर के लिए मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में भी गया, लेकिन ये सूचकांक ज्यादातर समय हरे निशान में ही कारोबार करता रहा। दोपहर 2 बजे के करीब खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण ये सूचकांक 246.75 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 26,250.90 अंक तक पहुंच गया। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 211.90 अंक की तेजी के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 26,216.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से मारुति सुजुकी 4.68 प्रतिशत, ग्रासिम इंडस्ट्रीज 3.15 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 3.07 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.96 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

दूसरी ओर, सिप्ला 1.30 प्रतिशत, ओएनजीसी 1.17 प्रतिशत, लार्सन एंड टूब्रो 0.84 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प 0.61 प्रतिशत और एनटीपीसी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

कंपनी ने कस्टमर्स को दी नई सुविधा

डिजिटल धोखाधड़ी से ग्राहकों को बचाने एयरटेल कंपनी ने की नई सर्विस लॉन्च

नई दिल्ली,26 सितंबर (एजेंसियां)।

आजकल स्पैम कॉल्स और एसएमएस काफी बढ़ते जा रहे हैं। स्पैम कॉल्स और एसएमएस से लोगों के साथ फ्रॉड हो जाता है। ऐसे में स्पैम कॉल्स और एसएमएस पर प्रतिबंध लगाने के लिए भारती एयरटेल ने अपने ग्राहकों की सुविधा के लिए नई सर्विस लॉन्च की है।

कंपनी ने डिजिटल धोखाधड़ी से अपने ग्राहकों को बचाने के लिए यह पहल की है। एयरटेल ने भारत का पहला नेटवर्क-बेस्ड, एआई पावर्ड स्पैम डिटेक्शन सॉल्यूशन लॉन्च किया है। इस सर्विस से यूजर्स स्पैम कॉल्स और एसएमएस से बच सकते हैं। कंपनी का कहना है कि ये सॉल्यूशन स्पैम कॉल्स और सॉल्यूशन की रियल टाइम की जानकारी यूजर्स को देगा।

सभी एयरटेल यूजर्स के लिए यह एआई-पावर्ड स्पैम डिटेक्शन सॉल्यूशन एकदम फ्री है। ये सर्विस एयरटेल का कोई भी प्रीपेड और पोस्टपेड यूजर्स इस्तेमाल कर सकता है। इसके अलावा यूजर्स को अपने फोन में इस सर्विस को एक्टिव करने के लिए कुछ नहीं करना है। सर्विस अपने आप ही एयरटेल यूजर के फोन में एक्टिव हो जाएगी। एयरटेल ने इस बात को कंफर्म किया है कि यह सर्विस सिर्फ स्मार्टफोन के लिए है।

डुअल लेयर प्रोटेक्शन के तौर पर किया डिजाइन

एयरटेल के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और मैनेजिंग डायरेक्टर गोपाल विट्ठल ने बताया कि स्पैम कस्टमर्स के लिए एक खतरा हैं। हमने पिछले 12 महीने इस परेशानी को दूर करने के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि डुअल लेयर प्रोटेक्शन के तौर पर डिजाइन इस सॉल्यूशन में दो फिल्टर हैं। एक फिल्टर नेटवर्क लेवल पर काम करता है और दूसरा आईटी डिस्टम लेयर पर।

सभी कॉल्स और एसएमएस इस डुअल लेयर प्रोटेक्शन सिस्टम से पास होती हैं। एयरटेल का यह सिस्टम सिर्फ दो मिली सेकंड में 1.5 अरब एसएमएस और 2.5 अरब कॉल्स को डेली प्रोसेस करता है। एयरटेल ने इस टेक्नोलॉजी को 400 एयरटेल डेटा साइंटिस्ट्स की मदद से डेवलप किया है।

ईजमाईट्रिप के प्रमोटर ने बेची 920 करोड़ रुपए में 14फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली,26 सितंबर (एजेंसियां)।

इंजो ट्रिप प्लानर्स (इंजमाईट्रिप) के प्रोमोटरों में से एक निशांत पिट्टी ने खुले बाजार के लेनदेन के जरिये कंपनी में अपनी 14 फीसदी हिस्सेदारी 920 करोड़ रुपए में बेच दी है। एनएसई पर उपलब्ध सौदों के आंकड़ों के मुताबिक निशांत ने 24,65,49,833 शेयर बेच दिए हैं जो ईजी ट्रिप प्लानर्स में 14 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। शेयरों को 37.22-38.28 रुपए प्रति शेयर के प्राइस रेंज में बेचा गया है। इस तरह सौदे का कुल आकार 920.06 करोड़ रुपए रहा।

हिस्सेदारी बिक्री के बाद ईजी ट्रिप प्लानर्स में निशांत पिट्टी की हिस्सेदारी 28.13 फीसदी से घटकर 14.22 फीसदी रह गई है। कंपनी में प्रोमोटरों की कुल हिस्सेदारी 64.30 फीसदी से घटकर 50.39 फीसदी रह गई। इस बीच कोरे4 मार्कोम ने ईज़ी ट्रिप प्लानर्स और क्राफ्ट इमर्जिंग मार्केट फंड पीसीसी के पांच करोड़ शेयर, एलीट कैपिटल फंड ने कंपनी के 1.05 करोड़ शेयर खरीदे हैं। शेयर 34.25-37.95 रुपए प्रति शेयर की कीमत सीमा में खरीदे गए हैं, जिससे कुल डील वैल्यू 225.71 करोड़ रुपए हो गई है। ईजी ट्रिप प्लानर्स ऑनलाइन ट्रेवल बुकिंग प्लेटफॉर्म ईजमाईट्रिप की मूल कंपनी है। कंपनी की स्थापना 2008 में निशांत पिट्टी, रिकांत पिट्टी और प्रशांत पिट्टी ने की थी। बीएसई पर ईज़ी ट्रिप प्लानर्स के शेयर बुधवार को एनएसई पर 15.32 फीसदी या 6.28 रुपए प्रति शेयर की गिरावट लेकर 34.70 रुपए के अपने ऑल टाइम लो लेवल पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में गिरावट निशांत पिट्टी के अपनी हिस्सेदारी निकालने के चलते आई है। ट्रैवल बुकिंग प्लेटफॉर्म ईज़ी ट्रिप प्लानर्स ने जून 2024 तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में साल-दर-साल 31 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की, जो 25.9 करोड़ से बढ़कर 33.93 करोड़ हो गया। कंपनी की कुल आय अप्रैल-जून की अवधि में बढ़कर 156.22 करोड़ हो गई, जबकि पिछले साल इस अवधि में यह 126.64 करोड़ थी।

डिजिटल लेंडर्स ने पहली तिमाही में बांटा 37,676 करोड़ रुपए का लोन

मुंबई,26 सितंबर (एजेंसियां)।

डिजिटल लेंडर्स ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 37,676 करोड़ रुपए के 2.64 करोड़ लोन बांटे हैं। लोन के वॉल्यूम में सालाना आधार पर 15 फीसदी और लोन की वैल्यू में 27 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। फिनटेक एसोसिएशन फॉर कंज्यूमर एम्पावरमेंट (एफएसीई) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक इस तिमाही में लोन का औसत टिकट साइज 12,997 रुपए रहा, जो कि 2023-24 की पहली तिमाही के मुकाबले 16 फीसदी ज्यादा है।

आंकड़ों से साफ होता है कि डिजिटल क्रेडिट की मांग मजबूत बनी हुई है, जिसमें वित्तीय समावेशन की महत्वपूर्ण भूमिका है। एफएसीई के सीईओ सुगंध सक्सेना ने बताया कि हमारी सदस्य कंपनियों ने कंज्यूमर गाइडलाइन और विवेकपूर्ण रिस्क मैनेजमेंट के जिरए से ग्राहकों की क्रेडिट जरूरतों को पूरा किया है, जिससे वे सभी पक्षकारों का विश्वास जीतने में सफल रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी बताया कि अप्रैल से जून की अवधि में 11 कंपनियों ने पांच लाख से ज्यादा लोन दिए हैं, जिनकी कुल वॉल्यूम में 93 फीसदी हिस्सेदारी रही। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में करीब 55 फीसदी कंपनियों की वॉल्यूम में बढ़ोतरी हुई है, जबकि 80 फीसदी कंपनियों ने लोन की वैल्यू में इजाफा किया है। रिपोर्ट में शामिल 33 कंपनियों में से 27 कंपनियों का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट जून 2024 तक 47,362 करोड़ रुपए था, जो कुल बांटे गए लोन की वैल्यू का 80 फीसदी है। इनमें से 10 कंपनियों का एयूएम एक हजार करोड़ से ज्यादा है। एफएसीई, फिनटेक क्षेत्र में आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन है, जो डिजिटल लेंडर्स की बढ़ती भूमिका और वित्तीय समावेशन को सुनिश्चित करने में सहायक है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

यूएनएससी में ...

अमेरिकी राजदूत ने अफ्रीका के दो देशों को भी स्थायी सीट देने का समर्थन किया और अन्य अफ्रीकी देशों को सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता देने की वकालत की थी। हालांकि अमेरिका ने ब्राजील को सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने पर साफ कोई जवाब नहीं दिया। अमेरिका ने कैरिबियाई देश और लैटिन अमेरिकी देशों को भी सुरक्षा परिषद में जगह देने का समर्थन दिया। भारत, लंबे समय से सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग कर रहा है और अब जैसे-जैसे भारत की वैश्विक मंच पर अहमियत बढ़ रही है तो दुनिया के कई देश भी भारत को सुरक्षा परिषद में शामिल करने का समर्थन दे रहे हैं।

आतंकवाद...

अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद, मैंने जम्मू-कश्मीर में चुनावों के तुरंत बाद राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने भी स्पष्ट कर दिया है कि इसे बहाल किया जायेगा। संसद के जरिए ही राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा और वहां प्रधानमंत्री मोदी का शासन है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस मिलेगा, लेकिन केवल श्री मोदी ही इसे बहाल कर सकते हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि 70-75 साल के शासन के दौरान तीन परिवार यहां ऐसी स्थिति ले आए, जिसके कारण सिनेमाघर बंद हो गए। उन्होंने कहा, मैं डॉ. फारूक अब्दुल्ला से पूछना चाहता हूं कि जब 40 हजार लोग मारे गए थे, तब वह कहां थे? यह उनके कार्यकाल के दौरान था, जब जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पैर फैला रहा था। आप लंदन में छुट्टियां मना रहे थे। आप कुछ भी कर सकते हैं, लेकिन आतंकवाद कभी पुनर्जीवित नहीं होगा। उधमपुर में विकास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यहां दिल्ली और गुजरात जैसी सड़कें बनी हैं, जो श्री मोदी के शासन का नतीजा है। इसके अलावा, वाणिज्यिक केंद्र लाल चौक की स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह स्थान अब सभी के लिए सुलभ है, यहां तिरंगा फहराया जा रहा है और मुहर्रम मनाया जा रहा है। गोलीबारी का अंत करके गणपति और जन्माष्टमी मनाई जा रही है।

भारतीय नागरिक...

ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने इजराइल में रॉकेट दागकर पलटवार किया है। इजराइली रक्षा बलों ने कहा कि एयर फोर्स ने दक्षिणी लेबनान और बेका घाटी में 1,600 से अधिक टारगेट्स को निशाना बनाया है। इनमें मिसाइल लांचर, कमांड पोस्ट और नागरिक घरों के अंदर स्थित अन्य आतंकवादी बुनियादी ढांचे शामिल थे। इजराइली टैंकों ने बॉर्डर के पास आयता अश शब और रामयेह के इलाकों में हिजबुल्लाह के अन्य ठिकानों पर हमला किया। इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच दुश्मनी बढ़ने का कारण पिछले सप्ताह लेबनान में पेजर और वॉकी-टॉकी को निशाना बनाकर किए गए रहस्यमय विस्फोट हैं। इनमें कई लोग मारे गए और हजारों की संख्या में लोग घायल हो गए। हिजबुल्लाह ने इन विस्फोटों के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि इजरायल ने धमाकों की जिम्मेदारी नहीं ली।

जो राम को...

कभी बीमारू यूपी के नाम से प्रसिद्ध देश का सबसे बड़ा राज्य योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आज भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बन गया है। माफिया को जहन्नुम तक पहुंचाकर समृद्ध यूपी की पहचान बनाने वाले योगी आदित्यनाथ की छवि का संदेश जम्मू-कश्मीर में बहुत दूर तक गया। रामगढ़ की रैली हो या आरएस पुरा की। हर जगह योगी आदित्यनाथ की एक झलक पाने को आमजन उमड़ पड़े। जम्मू-कश्मीर को विरासत व वीरता की धरती बताते हुए सीएम योगी जहां आमजन की भावनाओं से जुड़े। एक तरफ जहां नीतियों को लेकर कांग्रेस, पीडीपी व नेशनल कॉन्फ्रेंस की योगी आदित्यनाथ ने खूब घेरा, वहीं आमजन के मुद्दों की बातकर वे लोगों से भी जुड़े। सीएम ने अमरनाथ यात्रा को लेकर कांग्रेस के रवैये को भी घेरा। बोले कि पहले धमकी सुनकर विपक्षी पार्टियों के नेता सहम जाते थे, लेकिन अब पूरा देश बेखौफ होकर बाबा बर्फानी के दर्शन करता है। आरएस पुरा की विजय संकल्प रैली को संबोधित करने के बाद योगी आदित्यनाथ जब उतरने लगे तो भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं में मंच पर ही सेल्फी लेने की होड़ मच गई। योगी आदित्यनाथ ने भी कार्यकर्ताओं को निराश नहीं किया। उन्होंने मंच से ही सेल्फी खिंचवाई। यही नहीं, योगी आदित्यनाथ ने कार्यकर्ताओं से परिचय भी प्राप्त कर यह संदेश दिया कि कार्यकर्ता ही भाजपा की रीढ़ हैं और इसी रीढ़ की बदौलत भाजपा फिर से जम्मू-कश्मीर में भगवा लहराएगी। योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को फिर जम्मू-कश्मीर में दहाड़ेंगे।

घरेलू हिंसा से...

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह स्पष्ट है कि पीड़ित व्यक्ति अधिनियम के प्रावधानों के तहत दिए गए आदेश में परिवर्तन, संशोधन या निरस्तीकरण की मांग कर सकता है, लेकिन यह तभी संभव है जब परिस्थितियों में परिवर्तन हुआ हो। इस मामले में मजिस्ट्रेट तभी निरस्तीकरण या संशोधन आदेश दे सकते हैं, जब वह मानते हों कि परिस्थितयों में बदलाव हुआ है और आदेश में संशोधन की आवश्यकता है।

ठोस परिणामों ...

श्री धनखड़ ने कॉरपोरेट जगत से अनुसंधान एवं विकास में और अधिक निवेश करने का आह्वान करते हुए कहा कि ऑटोमोबाइल और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारतीय कंपनियां महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। देश के आकार, इसकी क्षमता, इसकी स्थिति और विकास की गति को देखते हुए कॉरपोरेट जगत को अनुसंधान और विकास में आगे आने की जरूरत है।

मेरे सपनों से परे है ...

उन्होंने कहा कि 1990 का दशक सत्ता के गलियारों में बिचौलियों का युग था, भ्रष्टाचार व्याप्त था और केवल वंशावली वाले व्यक्ति ही अवसरों तक पहुंच सकते थे। उन्होंने कहा, अब, सत्ता के गलियारे पूरी तरह से साफ हो गए हैं। बिचौलिए गायब हो गए हैं, सभी लेन-देन डिजिटल रूप से होते हैं, बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के, यह वह बदलाव है जिसकी मैंने कभी कल्पना नहीं की थी।

अक्टूबर में होंगे 7 बड़े राशि परिवर्तन शनि और मंगल ग्रह भी बदलेंगे चाल

ज्योतिष विज्ञान में हर राशि परिवर्तन पर पैनी नजर जाती है, क्योंकि इसका असर हर राशि पर होता है। कुछ जातकों को फायदा होता है तो कुछ को सजग रहने की जरूरत होती है। अक्टूबर में होने वाले ग्रहों के राशि परिवर्तन के बारे में इंदौर के ज्योतिषाचार्य पं. हर्षित मोहन शुक्ला ने बताया कि न्याय के देवता का राशि परिवर्तन 03 अक्टूबर को होगा। उस दिन दोपहर 12 बजकर 13 मिनट पर शनि शतभिषा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे।

इस राशि परिवर्तन से कुंभ राशि के जातकों को लाभ होगा। जो लोग उच्च शिक्षा में प्रयास कर रहे हैं, उन्हें सफलता मिलेगी। शनि देव इस स्थिति में दिसंबर की प्रातः तक रहेंगे। फिर वापस पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में चले जाएंगे।

9 अक्टूबर को मिथुन में वक्री होंगे गुरु

09 अक्टूबर को गुरु गृह मिथुन राशि में वक्री होने जा रहे हैं। यह राशि परिवर्तन प्रातः 09 बजकर 55 मिनट होगा। इस गोचर का विपरित असर मेष, मिथुन, धनु राशि वालों पर पड़ सकता है।

इस अवधि में ये लोग नकारात्मक ऊर्जा से ग्रसित हो सकते हैं। साथ ही इस समय में गलत निर्णय ले सकते हैं जिससे भविष्य में हानि होगी। शनि देव को प्रसन्न करने के उपाय करें।

10 अक्टूबर को बुध का तुला राशि गोचर

दिनांक 10 अक्टूबर को बुध ग्रह तुला राशि में प्रवेश करेंगे। यह राशि परिवर्तन सुबह 11 बजकर 13 मिनट पर होगा। इससे तुला राशि वालों को लाभ होगा। रुके हुए काम पूरे होंगे। बिजनेस में उठाया गया हर कदम सफल होगा।

13 अक्टूबर को शुक्र का वृश्चिक राशि गोचर

13 अक्टूबर को शुक्र ग्रह वृश्चिक राशि में गोचर करने जा रहे हैं। यह राशि परिवर्तन प्रातः 06 बजकर 13 मिनट पर होगा। यह स्थिति मेष और वृश्चिक राशि वालों के लिए फायदेमंद साबित होगी। आर्थिक स्थिति पैदा होने से जीवन स्तर सुधरेगा।

17 अक्टूबर को सूर्य का राशि में प्रवेश

दिनांक 17 अक्टूबर को ग्रहों के राजा सूर्य तुला राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं। यह राशि परिवर्तन प्रातः 07 बजकर 47 मिनट पर होगा। तुला राशि सूर्य की नीच राशि में आती है। यह गोचर जातक के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा।

तुला राशि इस अवधि में सतर्क रहें। उन पर गलत आरोप लग सकता हैं। अच्छाई के बदले अपयश मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर भी यह समय अच्छा नहीं है।

20 अक्टूबर को मंगल का कर्क राशि में गोचर

दिनांक 20 अक्टूबर को ग्रहों के सेनापति मंगल ग्रह कर्क राशि में करेंगे। यह राशि परिवर्तन दोपहर के 02 बजकर 50 मिनट पर होगा। कर्क राशि मंगल ग्रह की नीच राशि है। यह गोचर भी प्रतिकूल प्रभाव डालेगा।

इस दौरान कर्क राशि वाले अपनी सेहत को लेकर परेशान रह सकते हैं। मन में तनाव रहेगा। परिवार में अशांति बनी रहेगी। इस कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें।

29 अक्टूबर को वृश्चिक में प्रवेश करेंगे बुध

दिनांक 29 अक्टूबर को राजकुमार बुध ग्रह मंगल की राशि वृश्चिक में प्रवेश करेंगे। यह राशि परिवर्तन वृश्चिक राशि वालों पर विपरीत असर डालेगा, खासतौर पर आर्थिक रूप से। इस दौरान बिजनेस के सिलसिले में जाना पड़ सकता है।

व्यापार विस्तार के लिए भी यह समय अच्छा रहने वाला है। वृश्चिक राशि के अलावा यह गोचर मिथुन, कन्या, मकर राशि के लिए भी लाभदायक रहने वाला है।

अजवाइन का पौधा घर में लगाकर देखें

जान लीजिए परिणाम होंगे शुभ या अशुभ

वास्तु शास्त्र का सीधा संबंध हमारी जीवन शैली से होता है। हम घर में सजावट के लिए किन वस्तुओं को कहां कैसे रख रहे हैं, उसका भी हमारे जीवन पर प्रभाव पड़ता है। वास्तु के अनुसार घर में कई पौधों को लगाना शुभ माना गया है। रहने से हमारे जीवन से बहुत सारी मुश्किलों का अंत हो जाता है। साथ ही घर-परिवार में सुख शांति का वास रहता है। ऐसा ही एक पौधा है अजवाइन का। इसे काफी गुणी माना गया है। आइये जानते हैं कि घर में अजवाइन का पौधा लगाने से क्या लाभ हैं।

दरिद्रता मिटती है

अगर किसी के जीवन में आर्थिक संकट चल रहा है और पैसों की तंगी के चलते जीना मुश्किल हो रहा है तो घर में अजवाइन का पौधा जरूर लगाना चाहिये। वास्तु का कहना है कि ऐसा करने से घर का आर्थिक संकट दूर हो जाता इससे धन लाभ होता है। यह अपने आप मे एक बढ़िया और कारगर उपाय है।

शुद्धिकरण होता है

अजवाइन का पौधा लगाने से घर का वातावरण शुद्ध और साफ-सुथरा हो जाता है। घर में शांति भी कायम रहती है और परिजनों के बीच आपसी तालमेल बना रहता है। उत्साह सकारात्मतकता का संचार होता है।

किस दिशा में लगाना चाहिए

अगर आप अजवाइन के पौधे को उत्तर पश्चिम या दक्षिण पूर्व दिशा में लगाते हैं तो आपको इसके बहुत सकारात्मक और कारगर परिणाम दिखाई देंगे। घर में अगर कोई वास्तु दोष है तो वह भी दूर हो जाएगा। साथ लाभ की भी प्राप्ति होगी।

संबंधों में सुधार

किसी घर के सदस्यों की आपस में नहीं बनती है या ज्यादा मतभेद के चलते अक्सर गृह क्लेश बना रहता है तो उन्हें अजवाइन का पौधा लगाकर देखना चाहिये। ऐसा करने से घर में आपसी सौहार्द्र कायम रहता है।

अटके काम पूरे

अजवाइन का पौधा लगाने का एक बड़ा लाभ यह भी है कि आपके रुके हुए काम पूरे हो जाते हैं। अगर पढ़ाई में, बिजनेस में, नौकरी में या रिश्तेदारी में कोई प्रोजेक्ट, प्रस्ताव अटका हुआ है तो वह पूरा हो जाएगा।

परेशानियों का अंत

जीवन में अगर लगातार ना कुछ समस्या बनी हुई है तो घर में अजवाइन का पौधा लगाकर देखिये। आपकी सारी मुश्किलों का अंत हो जाएगा।

श्रीश्रीश्री 1008 विजय शान्ति सूरीश्वरजी की 81वीं पुण्यतिथि पर विशेष

जाकी रही श्रद्धा जैसी , गुरु मूरत तिन देखी

सात समन्दर मसि करूं, कलम क रुं वनराई।
धरती का कागद करूं, गुरु गुण समा न पाई।

परम पूज्य गुरुदेव भगवान श्री विजय शान्ति सूरीश्वरजी भगवंत् को सारा विश्व जानता है। आप समस्त विश्व में मान्य है। श्री गुरुदेव भगवान के नाम से भारत में अनेक मंदिर, कन्या पाठशालाएं, विद्यालय, महाविद्यालय अनेक संस्थायें, आयुर्वेदिक अस्पताल तथा पशु चिकित्सालय हैं। आपने अपने समय में यानि सन् 1943 से पूर्व माउण्ट आबू में पशु चिकित्सालय बनवा कर सरकार को सुपुर्द कर दिया। जो आज भी गुरु श्री शान्ति पशु चिकित्सालय, माउण्ट आबू के नाम से जाना जाता है तथा संभवतया वह अस्पताल राजस्थान का पहला पशु चिकित्सालय है।

आपकी जन्म शताब्दी माघ शुक्ला 5 सं. 1946 दि. 25-1-1890 को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। आपकी दीक्षा शताब्दी दिनांक 9-2-1905 में श्री तीर्थविजय जी म.सा. के वरद्हस्ते हुई।

आबू के के पहाड़ों, गिरी कन्दराओं, तलहटी ऋषिकेश और और मार्कण्डेश्वर आदि में आपने तपस्या की तथा मौनपूर्वक ध्यान किया । आपको राजपूताना, सौराष्ट्र, गुजरात के राजा महाराजा तथा पालनपुर, पालीताणा के नवाब आदि भी मानते थे। आपने कई धार्मिक एवं सामाजिक सुधार किये। पारसी, ईसाई, एवं हिन्दू धर्म के कई सन्त महात्मा गुरुदेव से सत्संग करते तथा मार्ग दर्शन पाते थे।

परम गुरुभक्त सेठ किशन चन्द ने भी नारायण स्वरूप में पंडित माणकलाल व्यास ने शिव स्वरूप बाबू फकीर चंद ने

भगवान दत्तात्रेय स्वरूप में, घनकौर माजी ने स्वानीनारायण स्वरूप में कई भक्तों ने अपने धर्मावतार के स्वरूप में दर्शन किये।

जाकी रही श्रद्धा जैसी , गुरु मूरत तीन देखी

गुरुदेव ने विश्व के कल्याण के लिए अथक प्रयत्न किये। कई राजा-महाराजाओं ने अपने-अपने राज्यों में गौ वध, हिंसा बंद करवाई, गुरुदेव की प्रेरणा से पांच लाख प्राणियों को अभयदान मिला और जीव हत्या बंद हुई।

गुरुदेव की प्रेरणा से कई विषयों पर 1)आरोग्य - अनिवार्य खर्च, 2) मृत्युभोज न करना, 3) बाल विवाह, 4) स्त्री शिक्षा, 5) गुरुकुल, 6) समाज सुधार ऐसे कई विषयों पर निर्णय लिया गया। आबू में आपके पास बड़े-बड़े अंग्रेज अधिकारीगण आपके दर्शन को आया करते थे। आप सबकी भाषा समझते थे । आपके नयनों में अद्भूत शांति व तारक बिन्दु की चमक है। गुरुदेवू भगवान ने कई जगह गो माता की बलि बंद करवाई। हाथी दांत के चूडा नहीं पहनना चाहिए, इसमें हिसां होती है। शादी में बेटी से पैसा लेना गौ वध के बराबर है बताया। गुरुदेव का देवलोक गमन अचलगढ़ में वि स. दिनांक 2000 अश्विन कृष्ण पक्ष 10 गुरुवार दि. 23-9-1943 को हुआ। गुरुदेव ने 54 वर्ष की आयु पूर्ण कर ऊँ श्री सद्गुरु देवाय नमः शब्द का उच्चारण करते हुए वीर-गति को प्राप्त हुए।

आबु पर्वत गुरुजी, गजायो तुमे ।
प्रेम सागर जगतमां, बहायो तमे ।।
आत्म ज्योति नो दीपक जगायो तमे ।।

गुरुदेव अतिंम समय में भक्तों से कहते थे कि विदेह अनुभव करना है। देह की अवस्था से मैं भिन्न हूं । मन, वचन, काया को कुदरत चलाता है। प्रतिष्ठित आत्मा मूल आत्मा से भिन्न है। पूर्व जन्म के संस्कारों के अनुसार इस जन्म में भुगतान हो रहा है। उस भुगतान के साथ हमें जुड़ना नहीं है। यह जानकर हम इससे मुक्त हो सकते हैं। यह जगत तब तक है जब तक प्रतिष्ठित आत्मा है। जैसे ही यह शुद्धात्मा में बदल जाता है, वैसे ही सोहम की अनुभूति होने लगती है। यह जगत ब्रहाम्य हो जाता है।

■ उषा जैन बरलोटा
फ़ोन :9700980623

थाली में क्यों नहीं परोसनी चाहिए 3 रोटी, जान लीजिए कारण

हिंदू धर्म में भोजन भी एक संस्कार माना है। भोजन बनाने, परोसने, ग्रहण करने और वितरित करने के सबके अपने तरीके हैं। ऐसा ही एक विषय है भोजन परोसना। अक्सर इस पर बात होती है कि थाली में भोजन कैसे परोसा जाना चाहिये और कितना परोसा जाना चाहिये। क्या आपको पता है कि थाली में एक साथ रोटी परोसने को शुभ नहीं माना गया है। इसे लेकर कुछ कारण भी बताए गए हैं। आइये समझते हैं कि थाली में एक साथ तीन रोटी क्यों नहीं परोसी जाना चाहिये।

मृतक की थाली में रखी जाती हैं 3 रोटियां

तीन अंक को वैसे भी अशुभ माना जाता है। में इस अंक का उपयोग करना ठीक नहीं माना गया है। इसलिए थाली में एक बार में तीन रोटियों को परोसना अनुचित माना जाता है। जब किसी मृतक की तेरहवीं की जाती है तो उसके नाम जो थाली लगाई जाती है उसमें या तो तीन रोटियां रखी जाती हैं तीन पूरी रखी जाती हैं। ऐसे में तीन रोटियों को मृतक की थाली माना गया है। यही कारण है कि सामान्य दिनों में भोजन करते समय किसी की भी थाली में एक साथ तीन रोटियां परोसने की मनाही है।

तीन रोटियां ना परोसे जाने का वैज्ञानिक दृष्टिकोण

अब इसी को वैज्ञानिक नज़रिये से भी देख लेते हैं। जहां तक चिकित्सा शास्त्र की बात है, यह माना गया है कि एक बार में अधिक मात्रा में भोजन नहीं करना चाहिये। एक ही बार में तीन रोटियां देने से आहार की मात्रा बढ़ सकती है। इसकी बजाय एक आदमी को बार में एक कटोर दाल, एक कटोरी सब्जी, दो रोटी और थोड़े से चावल ही खाना चाहिये। इससे अधिक भोजन करने पर व्याधियां उत्पन्न हो सकती हैं।

बढ़ जाते हैं विवाद

थाली में तीन रोटी परोस देने से जो इंसान भोजन करता है उसके मन में विवाद संबंधी विचार लगते हैं। उसका मन सही दिशा में नहीं सोच पाता। ऐसे में झगड़ों से बचने के लिए और नकारात्मकता को दूर करने के लिए थाली में एक साथ तीन रोटी नहीं लेना चाहिये।

नवरात्र में शक्तिपीठों और प्रमुख मंदिरों में जलेगी देवभोग घी की ज्योति, बनेगा प्रसाद

छत्तीसगढ़ के और प्रमुख मंदिरों में शारदीय नवरात्र में ज्योति प्रज्ज्वलन तथा प्रसाद बनाने के लिए देवभोग घी का उपयोग किया जाएगा। देवभोग छत्तीसगढ़ की 700 दुग्ध सहकारी समितियों से संबद्ध है। आंध्र प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में जानवरों की चर्बी वाले घी के उपयोग के से मचे बवाल के बीच राज्य शासन ने देवभोग घी के इस्तेमाल का परामर्श दिया है। पशुधन विकास विभाग और कृषि उत्पादन आयुक्त ने इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टरों को पत्र लिखा है।

9,030 रुपये में 16.48 लीटर घी

कलेक्टरों को लिखे पत्र में कहा गया है प्रमुख शक्तिपीठों व मंदिरों में ज्योति प्रज्ज्वलन व प्रसाद निर्माण के लिए अब शुद्ध देवभोग घी की आपूर्ति की जाएगी। शक्तिपीठों तक देवभोग घी के 16 किलो (16.48 लीटर) के जार को पहुंचाने की दर 9,030 रूपये स्वीकृत की गई है। इसमें 12 प्रतिशत जीएसटी भी शामिल है। प्रदेश पांच प्रमुख शक्तिपीठ रतनपुर में महामाया, चंद्रपुर में चंद्रहासनी, डोंगरगढ़ में बम्लेश्वरी, दंतेवाड़ा में दंतेश्वरी देवी और अंबिकापुर में महामाया हैं।

देवभोग घी को प्रोत्साहित करना उद्देश्य

नवरात्रि में प्रमुख शक्तिपीठों और प्रमुख मंदिरों में देवभोग घी के उपयोग को लेकर सभी जिलों के कलेक्टरों को पत्र लिखकर परामर्श गया है। इसका मुख्य उद्देश्य देवभोग घी को प्रोत्साहित करना है।

महाकाल के भक्तों को नहीं मिल रहा तिलक, प्रसाद का लाभ

ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में देश-विदेश से आने वाले दर्शनार्थियों को तिलक, प्रसाद का लाभ नहीं मिल पा रहा है। भक्त भगवान महाकाल की भस्म प्रसादी से वंचित हैं। यह योजना कई दिनों से बंद पड़ी है। महाकाल मंदिर में कुछ समय पहले तक महाकाल दर्शन करने आने वाले दर्शनार्थियों को मंदिर समिति की ओर से तिलक लगाया जाता था। साथ ही चिरोंजी तथा भगवान महाकाल को भस्म आरती में अर्पित की जाने वाले भस्म को रूप में वितरित की जाती है।मंदिर समिति ने भक्तों को तिलक लगाने तथा प्रसाद वितरित करने के लिए नंदी मंडपम के रैंप पर एक काउंटर लगा रखा था। इसे तिलक प्रसाद काउंटर कहा जाता था।मंदिर प्रशासन द्वारा इस काउंटर पर 8-8 घंटे की शिफ्ट में कर्मचारी की लगाई जाती

थी। योजना के बंद हो जाने से भक्तों को भस्म नहीं मिल पा रही है। उन्हें तिलक लगवाने के लिए परिसर के मंदिरों में जाना पड़ता है।

महाकाल मंदिर में हजारों भक्त भगवान महाकाल के दर्शन करने हैं। दर्शनार्थी मंदिर के बाहर लगी दुकानों से भगवान को अर्पण करने के लिए फूल और प्रसाद खरीदते हैं।दुकानदार फूल-प्रसाद की डलिया में चिरोंजी के दो पैकेट रखकर देते हैं। श्रद्धालुओं को बताया जाता है कि एक पैकेट भगवान को चढ़ाया जाएगा। दूसरा पैकेट आपको प्रसाद के रूप मिलेगा। मंदिर में होता भी वही है। एक पैकेट पाट पर बैठे पंडे, पुजारी रख लेते हैं। दूसरा पैकेट दर्शनार्थी को देते हैं। इस प्रकार मंदिर में दिनभर में सैकड़ों पैकेट प्रसाद इकट्ठा हो जाता है। मंदिर समिति इस प्रसाद को भक्तों में वितरित कर सकती है।

भस्म प्रसाद लिए भटकते हैं भक्त

महाकाल दर्शन करने आने वाले भक्त भस्म के लिए मंदिर में इधर-उधर भटकते नजर आते हैं। पहले मंदिर समिति तिलक प्रसाद काउंटर से भस्म का निश्शुल्क वितरण करती थी। इसके अलावा मंदिर के प्रसाद काउंटरों ने भस्म प्रसाद के नाम से ड्रायफ्रूट के प्रसाद का किया जाता था। इस पैकेट में सूखे मेवे के साथ एक भस्म की पुड़िया रखी जाती थी। मंदिर समिति ने अब यह दोनों ही योजना बंद कर दी हैं।

फिल्म सिकंदर का पोस्टर हुआ जारी

सलमान खान ने दिखाई इंटेंस वर्कआउट की झलक

सलमान खान ईद 2025 के मौके पर बॉक्स ऑफिस पर की सुनामी लाने की तैयारी कर रहे हैं। सलमान खान ईद 2025 पर बॉक्स ऑफिस पर सिकंदर से धमाका करेंगे। सलमान खान का फिल्म सिकंदर से एक और पोस्टर जारी हुआ है। इस पोस्टर को सलमान खान का सिकंदर से आया फर्स्ट लुक मान रहे हैं। सलमान खान का सिकंदर से आया ये पोस्टर अब सोशल मीडिया पर तबाही मचा रहा है। सलमान खान के फैंस भाईजान का सिकंदर लुक देख हक्के-बक्के रह गए हैं। सलमान खान के फैंस और बॉलीवुड सेलेब्स अब जमकर भाईजान के लुक की तारीफ कर रहे हैं।सलमान खान ने बीती रात सिकंदर से फर्स्ट लुक शेयर किया है। सलमान खान ने अपनी यह तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की है। इसके अलावा सलमान खान का यह लुक अब उनके फैंस के बीच छा गया है। सलमान खान सिकंदर के सेट से आई इस तस्वीर में जिम करते दिख दिख रहे हैं खान का बियर्ड लुक देखने को मिल रहा है। और सबसे अहम भाईजान के फैंस की नजर सलमान खान के डोलों पर सबसे ज्यादा दिख रही है। सलमान खान फिल्म सिकंदर में बहुत ही दमदार और मसल्समैन के लुक में नजर आने वाले हैं।अब सलमान खान की इस तस्वीर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। एक ने लिखा है, एसआरके तो गया अब।।भाईजान बॉक्स ऑफिस पर धमाका करेंगे। दूसरा फैन लिखता है, तूफान आने वाला है। एक और फैन ने

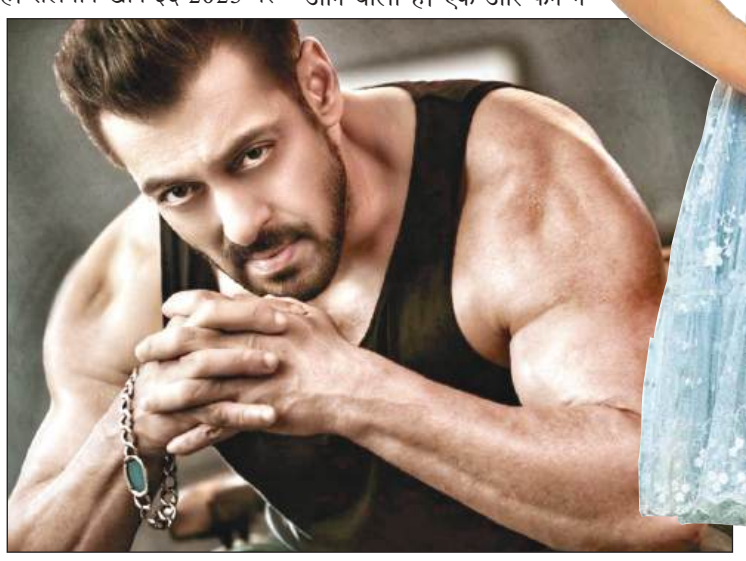

लिखा है, भाई फुल फॉर्म मे हैं। वहीं, कई सेलेब्स ने भी सलमान खान के सिकंदर आए इस फोटो पर अपना शॉकिंग रिएक्शन दर्ज कराया है। बता दें, साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म सिकंदर को प्रोड्यूस किया है और गजनी के डायरेक्टर फिल्म बना रहे हैं।

जिगरा के ट्रेलर की रिलीज डेट आउट

आलिया और वेदांग रैना की आईं खूबसूरत तस्वीरें

जिगरा 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। आलिया भट्ट और वेदांग रैना स्टारर यह फिल्म दशहरा के समय दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। फिल्म का टीजर ट्रेलर पहले ही रिलीज हो चुका है। जिससे फिल्म की स्टोरी लाइन पता चल चुकी है और इसने फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। अब हाल ही में आलिया ने क्यूट सी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए फिल्म के ट्रेलर के बारे में अपडेट दी है। हालांकि उन्होंने ट्रेलर रिलीज की कोई ऑफिशियल डेट अनाउंस नहीं की है।जिगरा में लीड रोल प्ले करने वाले एक्ट्रेस एक्टर आलिया और वेदांग ने अपने-अपने सोशल मीडिया पर फूलों के साथ तस्वीरें शेयर कीं और फैंस को बताया कि जिगरा का ट्रेलर जल्द ही रिलीज किया जाएगा। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन लिखा- फूलों का तारा का सबका कहना है , जिगरा का ट्रेलर जल्द आ रहा है। जिगरा 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। हालांकि आलिया और वेदांग ने ट्रेलर की कोई ऑफिशियल रिलीज डेट अनाउंस नहीं की है लेकिन रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स ट्रेलर को 26 सितंबर को रिलीज कर सकते हैं।कुछ दिन पहले ही मेकर्स ने फिल्म का टीजर ट्रेलर रिलीज किया था। टीजर में आलिया अपने भाई (वेदांग) की प्रोटेक्टिव बहन के रूप में दिखाई दे रही हैं, जिसे पुलिस ने विदेश में गिरफ्तार कर लिया है।

दर्शकों का एक्साइटमेंट बनाए रखने के लिए आलिया आए दिन फिल्म के पोस्टर शेयर या कुछ ना कुछ अपडेट शेयर करती रहती थी। अब फिल्म का टीजर ट्रेलर रिलीज हो गया है जिससे दर्शकों में फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। आलिया ने करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के साथ जिगरा को को-प्रोड्यूस भी किया है। जिगरा 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अपने जीवन में शांति और स्थिरता चाहती हैं अभिनेत्री दीक्षा सोनलकर

वर्तमान में धारावाहिक कैसे मुझे तुम मिल गए में इशिका के रूप में दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री दीक्षा सोनलकर ने कहा कि वह जीवन के ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है जहां वह केवल शांति और स्थिरता की चाहत रखती है।दीक्षा ने इस पर बात करते हुए कहा, मुझे लगता है कि मैं अपने जीवन के उस चरण में पहुंच गई हूं जहां मैं शांति और स्थिरता के लिए तरसती हूं। मुझे हर सुबह उठना और काम पर जाना बहुत पसंद है। शो कैसे मुझे तुम मिल गए ने हमेशा दर्शकों को प्रासंगिक कहानियां दी हैं। हमारे शो ने घरेलू हिंसा, पॉक्सो, तलाक आदि जैसे मुद्दों को उठाया है, जिन्हें बहुत कम शो दिखाते हैं। हमारी कहानी कभी भी जरूरत से ज?यादा लंबी नहीं होती। हम इन ट्रैक को एक आसान गति से आगे बढ़ाते हैं जो इसे दर्शकों के लिए और दिलचस्प बनाता है।इशिका के किरदार पर बात करते हुए दीक्षा ने कहा, शो कैसे मुझे तुम मिल गए में इशिका एक 30 वर्षीय युवा लड़की है जो एक बड़े विवाहित व्यक्ति से प्यार करती है। उम्र के अंतर के बावजूद, वह उससे सच्चा प्यार करती है और सुनिश्चित करती है कि वह उसके लिए अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़ दे। वह एक मजबूत महिला है जो वह चाहती है उसे पाने के लिए वह किसी भी हद तक जा सकती है।दीक्षा ने कहा, उसकी लगन और महत्वाकांक्षा मेरे लिए एक जैसी है, लेकिन इसके अलावा दोनों के व्यक्तित्व में बहुत अंतर है।

इशिका जो कुछ भी करती है और कहती है, उससे उसके आस-पास के लोगों को ठेस पहुंचती है, वह मैं नहीं करूंगी।उन्होंने आगे कहा, इस शो को अब 11 महीने हो गए हैं और मैंने बहुत अच्छा समय बिताया है। हम सभी एक बड़े परिवार की तरह उभरे हैं और ईमानदारी से हम ऐसे दृश्यों का इंतजार करते हैं, जहां हम सभी मौजूद हों। यह हर समय हमारे आसपास बहुत मजेदार और सकारात्मकता है।दीक्षा बानी- इश्क दा कलमा और महाराणा प्रताप जैसे शो का भी हिस्सा रही हैं।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो

से शानदार वापसी करेंगी मल्लिका शेरावत

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत पिछले लंबे समय से आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनके साथ इस फिल्म में तृप्ति डिमरी और राजकुमार राव भी नजर आएंगे।मल्लिका इस फिल्म के जरिए लंबे अंतराल के बाद पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं।ख्वाहिश, मर्डर, प्यार के साइड इफेक्ट्स और वेलकम फिल्मों नजर आ चुकीं मल्लिका का विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में बेहद अलग अवतार दिखने वाला है।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के निर्देशक राज शांडिल्य ने बताया कि मल्लिका फिल्म का हिस्सा कैसे बनीं।शांडिल्य ने कहा, मैंने मल्लिका को ध्यान में रखकर यह भूमिका लिखी थी। 90 के दशक पर आधारित है और उनका किरदार एक मध्यम वर्गीय आधुनिक महिला का है। जब हमने मल्लिका से संपर्क किया तो उन्होंने सोचा कि हम उन्हें एक डांस नंबर ऑफर कर रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं था।राज बोले, मल्लिका को जब पता चला कि हमने यह किरदार को ध्यान में रखकर लिखा है तो उन्होंने फौरन फिल्म के लिए रजामंदी दे दी। वह इसमें एक निडर साहसी महिला की भूमिका में नजर आएंगी, जो अपने समय से काफी आगे है।विक्की और विद्या का वो वाला वीडियो 11 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तरह तैयार है। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जो 1990 के दशक में रेट्रो थीम पर आधारित है।फिल्म के निर्देशन की कमान राज शांडिल्य ने संभाली है, वहीं भूषण कुमार इसके निर्माता हैं। फिल्म की कहानी भी शांडिल्य ने लिखी है।यह पहला मौका है, जब राजकुमार और तृप्ति कलाकार काम कर रहे हैं।

42 की उम्र में भी बेहद जवां दिखती हैं आमना शरीफ

टीवी एक्ट्रेस आमना शरीफ आए दिन फैंस को अपने लेटेस्ट लक्स से विजुअल ट्रीट देती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंस्टाग्राम पर आते ही छा जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंटरनेट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस आमना शरीफ हमेशा अपने बोल्ड एंड ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंटरनेट आते ही छा जाता है।हाल ही में एक्ट्रेस आमना शरीफ ने बेहद शानदार फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस के दिलों पर खंजर चल गए हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।इन

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस आमना शरीफ ने व्हाइट कलर की ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं।ओपन हेयर और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने लुक को और भी ज्यादा शानदार तरीके से निखारा है। उनका ये लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

आमना शरीफ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इन दिनों एक्ट्रेस भले ही टीवी से दूर हैं लेकिन आए दिन अपने लेटेस्ट पोस्ट शेयर कर फैंस को पर्सनल लाइफ जुड़े अपडेट्स देती रहती हैं।

कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 पोस्टर रिलीज

बॉक्स ऑफिस पर दिवाली धमाका बनकर आएंगे रूह बाबा

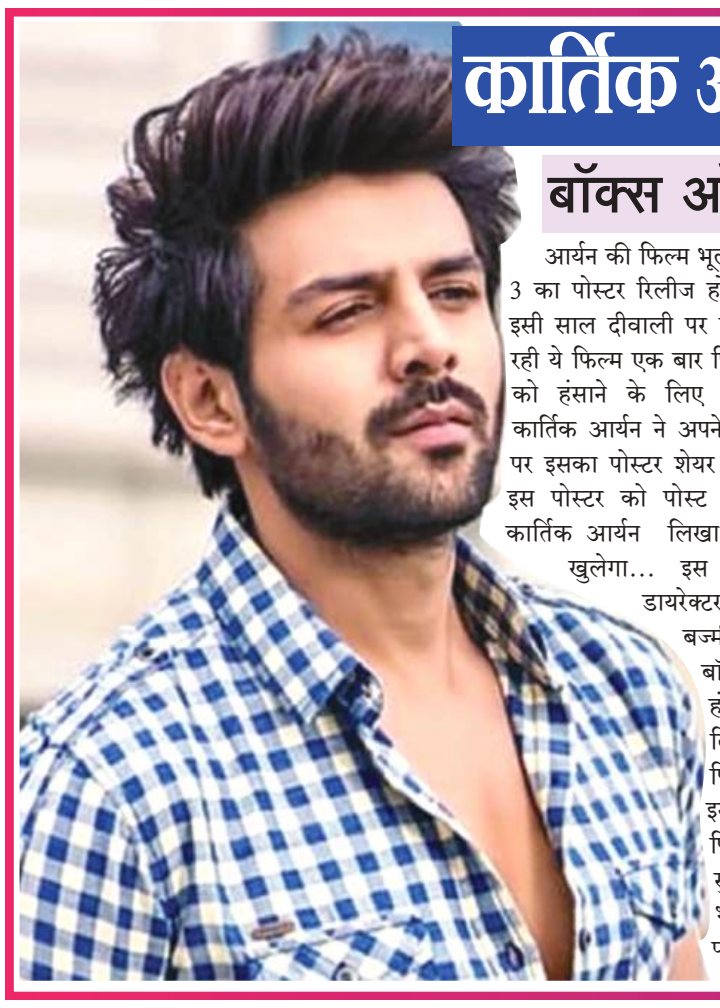

आर्यन की फिल्म भूल भुलैया-3 का पोस्टर रिलीज हो गया है। इसी साल दीवाली पर रिलीज हो रही ये फिल्म एक बार फिर दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम पर इसका पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर को पोस्ट करते हुए कार्तिक आर्यन लिखा, दरवाजा खुलेगा... इस दिवाली। डायरेक्टर अनीस बज्मी की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हंगामा काटने के लिए एक बार फिर तैयार है। इससे पहले इस फिल्म के 2 पार्ट सुपरहिट रहे हैं. भूल भुलैया के पहले पार्ट में

अक्षय कुमार ने लीड रोल निभाया था। वहीं इसके बाद पार्ट में कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी लीड रोल में नजर आए थे। अब कार्तिक भूल भुलैया-3 के साथ बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं।

डायरेक्टर प्रियदर्शन की फिल्म भूल भुलैया 12 अक्टूबर 2007 को रिलीज हुई थी। फिल्म में अक्षय कुमार, विद्या बालन, अमीषा पटेल और शीनी अहूजा कलाकार अहम किरदारों में नजर आए थे। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। बॉक्स ऑफिस इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक 32 करोड़ रुपयों के बजट से बनी इस फिल्म ने कमाई के मामले में सभी को चौंका दिया था। फिल्म ने 82 करोड़ रुपयों से ज्यादा की कलेक्शन की थी। वहीं कुल 68 करोड़ रुपये भारत में कमाए थे। फिल्म ने पहले ही दिन करीब 4 करोड़ रुपयों की कमाई कर सुपरहिट का अंदाजा लगा दिया था। वहीं भूल भुलैया का दूसरा पार्ट 2022 में रिलीज किया गया। 20 मई 2022 को रिलीज हुई भूल भुलैया-2 भी कमाई के मामले में कमाल कर दिया. इस फिल्म को डायरेक्टर अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया था। 90 करोड़ रुपयों से बनी इस फिल्म ने 263 करोड़ रुपयों की कमाई कर सभी को चौंका दिया था। अब इस फिल्म का तीसरा पार्ट भी इस साल दिवाली पर रिलीज लिए तैयार है। मेकर्स को हर बार की तरह इस पार्ट से भी बंपर कमाई की उम्मीद है।

भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के बताए मार्ग पर चल रही है भाजपा सरकार : यादव

चंडीगढ़, 26 सितंबर (एजेंसियां)।
मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भगवान राम और श्रीकृष्ण के बताए मार्ग पर चल रही है। भाजपा सनातन को बढ़ावा देने का कार्य करती है।

भाजपा की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार डॉ. यादव आज हरियाणा के दारदी, भिवानी और बवानी खेरा विधानसभाओं में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के बताए मार्ग पर चल रही है। भाजपा सनातन को बढ़ावा देने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि सनातन के मार्ग पर चलते हुए से गरीब व्यक्ति को भी भाजपा ने गले लगाया है। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर बनाने के लिए हमारे पूर्वजों ने करीब 500 सालों तक संघर्ष किया।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकारने वाली कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं को जनता माफ करने वाली नहीं है। देश का इकलौता राज्य है, जिसका नाम भगवान श्रीहरि के नाम पर ही है। इसी हरियाणा की धरती पर भगवान श्रीकृष्ण ने करीब 5 हजार साल पहले देश-दुनिया को श्रीमद् भगवत गीता का उपदेश देकर धर्म के मार्ग पर चलने और कर्तव्यपथ पर डटे रहने का रास्ता दिखाया। भगवान का भव्य मंदिर बन गया है, जबकि मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण के भव्य मंदिर के लिए इस बार भाजपा को वोट देना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काम करने का एक-एक तरीका भारत की कीर्ति व प्रसिद्धि को बढ़ाने वाला है। कांग्रेस के शासनकाल में कोई मेहमान आते थे तो उन्हें ताजमहल दिखाने ले जाते थे। लेकिन श्री मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद अब कोई भी विदेशी मेहमान आता है तो उन्हें मंदिरों के दर्शन कराया जाता है और गीता भेंट की जाती है। यह है हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बदलते हुए भारत परिदृश्य। भाजपा सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं में बहनों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। 24 लाख गरीब बहनों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन, 50 लाख बहनों को हम गैस की टंकी केवल 450 में ही दे रहे हैं।

डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में जम्मू-कश्मीर में चरम पर था। हमारे वीर सैनिकों के सिर पाकिस्तानी आतंकवादी काटकर ले जाते थे, लेकिन प्रधानमंत्री श्री मोदी के बागडोर संभालने के बाद आतंकवाद पर नकेल कस गई है। हरियाणा की धरती शहीदों के कारण भी जानी जाती है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हरियाणा की राह पर तेजी से अग्रसर होता रहे, इसके लिए मतदाता भाई-बहनें फिर से भाजपा की सरकार बनाने के लिए अपना आशीर्वाद प्रदान करें। हरियाणा में 24 फसलों की एमएसपी की अलग-अलग प्रकार से खरीद की जा रही है। भाजपा की सरकार बनाएं, 2 लाख युवाओं को रोजगार देने साथ शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में 5 लाख नए मकान उपलब्ध कराएंगे। अलग से ओलंपिक खेलों की नर्सरी बनाई जाएगी। 10000 एकड़ में अंतरराष्ट्रीय स्तर का अरावली जंगल सफारी पार्क भी बना कर दिखाएंगे। हर जिले में एक विश्वकर्मा महाविद्यालय स्थापित करेंगे जो श्री विश्वकर्मा कौशल महाविद्यालय के नाम जाना जाएगा। हमारी सरकार ने मध्यप्रदेश में तय किया है कि जहां-जहां भगवान श्री कृष्ण ने लीलाएं की है उन सभी स्थानों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करेंगे। पशुपालन को प्रोत्साहन देकर दुग्ध उत्पादन भी बढ़ाएंगे।

मोदी ने जनता से किए वादों को किया समय पर पूरा : भजनलाल

करनाल/इंद्री, 26 सितंबर (एजेंसियां)।
राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कांग्रेस पर जनता से किए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनता से किए वादों को समय पर पूरा किया है और हरियाणा और देश में जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में सरकार बनने से किसानों की दिशा और दशा बदल गई है। श्री शर्मा गुरूवार को हरियाणा के इंद्री विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के प्रत्याशी रामकुमार कश्यप के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले हरियाणा कांग्रेस की सरकार ने किसानों को ठगने का कार्य किया। उनकी बेशकीमती जमीनों को सस्ती दरों पर खरीद कर दो रुपए तक के चैक बांटे गए। जब 2014 में हरियाणा और देश में भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनी, तब से किसानों की दिशा और दशा बदल गई है। कहा कि श्री मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल की शुरूआत में ही सबसे पहले किसान सम्मान निधि की किश्त जारी करने की फाइल साइन की थी। यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री किसान वर्ग के कल्याण के लिए कितने गंभीर एवं संवेदनशील है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस चुनाव में लुभावने वादे करके जनता को ठगने का काम करती

है। इस पार्टी के पिछले कई घोषणा पत्रों को देखने से यही पता चलता है कि 40 वर्ष पहले की गई घोषणाएं अभी भी उनके घोषणा पत्र में शामिल की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता इन्दिरा राजीव गांधी, पी.वी नरसिम्हा राव के जमाने से सोनिया गांधी, राहुल गांधी तक सभी गरीबी हटाओं जैसी घोषणाएं करते आ रहे हैं लेकिन इनका गरीबों से कभी कोई वास्ता नहीं रहा। वास्तविकता में श्री मोदी ने ही गरीब कल्याण की दिशा में कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि श्री ने वर्ष 2014 और 2019 में किए गए वादों को समय पर पूरा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की सरकार ने गत नौ महीनों में संकल्प पत्र के 50 प्रतिशत वादों को पूरा कर लिया है। मुख्यमंत्री ने दावा करते हुए कहा कि इस बार हरियाणा में भाजपा बार जीत का परचम लहराते हुए हैट्रिक करने जा रही है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी श्री कश्यप को अधिक से अधिक मतों से विजयी बनाने की अपील की।

पांच लाख रुपए की रिश्वत लेते अधिकारी गिरफ्तार

चंडीगढ़, 26 सितंबर (एजेंसियां)।
हरियाणा भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो, करनाल की टीम ने गुरुवार को आयुष्मान भारत योजना, पंचकूला के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ रवि विमल को पांच लाख रुपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

ब्यूरो ने बताया कि ब्यूरो करनाल की टीम को इस बारे में शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें करनाल जिले में निजी अस्पताल के संचालक शिकायतकर्ता ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत उसके अस्पताल की सूचीबद्धता के निलंबन को रद्द करने के मामले में आरोपी द्वारा 10 लाख रुपये की की मांग की गयी थी। बाद में मामला पांच लाख रुपये पर तय हुआ। मामले की पुष्टि करते हुये एसीबी करनाल की टीम ने आरोपी को पकड़ने के लिये योजना बनायी और उसे रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

कांग्रेस ने समाज के लोगों को बांटने का काम किया

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने हरियाणा में प्रत्याशियों के लिए मांगे वोट

कैथल/अंबाला, 26 सितंबर (एजेंसियां)।
राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव में कैथल और अंबाला में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार किया। दिया कुमारी ने अपने दो दिवसीय चुनावी दौरे के शुरुआत में कैथल के सैनी भवन में भाजपा उम्मीदवार लीलाराम के पक्ष में एक महिला सम्मेलन को संबोधित किया और फिर पाडला में राजपूत समाज के लोगो से मुलाक़ात की। दोपहर में उपमुख्यमंत्री ने मुलाना से भाजपा उम्मीदवार संतोष सारवान के पक्ष में वोट मांगे। इसके बाद उन्होंने अंबाला शहर के क्षत्रिय समाज प्रबुधजन से जनसंपर्क किया और भाजपा उम्मीदवार असीम गोयल के समर्थन में एक सभा को संबोधित किया।

कैथल में महिला शक्ति सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की आधी आबादी रखने वाले महिला वर्ग के उत्थान एवं सम्मान के लिए अनेकों

ऐतिहासिक कार्य नारी शक्ति वंदन अधिनियम, प्रसवकालीन अवकाश, सेना में अवसर, लखपति दीदी, आंगनबाड़ी अपग्रेडेशन जैसे कई निर्णय केन्द्र सरकार ने किये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सभी फ्लैगशिप योजनाओं को सबसे ज्यादा लाभ महिलाओं को मिला है।दिया कुमारी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि संवैधानिक पद रहते हुए भी उसके नेता राहुल गांधी द्वारा विदेश में जाकर समाज को बांटने के लिए गलत बयानबाजी की गई जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है वहीं आम आदमी पार्टी के मंत्री और मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार के मामलों में जेलों में है या जमानत पर है।

उन्होंने उपस्थित जनसमूह से अपील की कहा कि हरियाणा में विकास का क्रम आगे भी चलता रहे इसके लिए तीसरी बार हरियाणा में भाजपा की डबल इंजन सरकार बननी चाहिए। मुलाना में भाजपा उम्मीदवार संतोष सारवान के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए दिया कुमारी ने किसानों, सैनिकों, महिलाओं और युवाओ के कल्याण की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की कड़ी से कड़ी जुड़ने से ही सही मायने में विकास संभव है। उन्होंने अंबाला शहर से भाजपा उम्मीदवार असीम गोयल के पक्ष में क्षत्रिय समाज के प्रबुद्धजन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेतृत्व देश की सीमाएँ सुरक्षित हुई है और सेना सशक्त हुई है। हमारे खिलाड़ियों ने पेरिस ओलंपिक और पैरा-ओलंपिक ने शानदार प्रदर्शन किया है।

मुख्यमंत्री चेहरे का नाम नहीं जाति ही बता दें राहुल गांधी : सुधांशु त्रिवेदी

जातिगत गणना पर कांग्रेस के दोहरे मापदंड

रोहतक, 26 सितंबर (एजेंसियां)।
हरियाणा के रोहतक में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनौती दी है वे कांग्रेस के मुख्यमंत्री चेहरे का नाम नहीं, केवल जाति बता दें। साथ ही बताएं प्रदेश में अब तक कितने ओबीसी मुख्यमंत्री बनाएं। सुधांशु ने कहा कि राहुल गांधी जवाब नहीं देंगे, क्योंकि जातिगत गणना पर उनके दोहरे मापदंड हैं। त्रिवेदी गुरुवार को रोहतक स्थित भाजपा के प्रदेश मीडिया में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। साथ में प्रदेश प्रवक्ता केके शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी व सह मीडिया प्रभारी शमशेर खरक भी मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सवाल पूछते हैं कि प्रदेश सरकार ने कितने ओबीसी सचिव बनाए, लेकिन सचिव यूपीएससी की परीक्षा पास के बाद बनता है। इतना ही नहीं, राहुल गांधी बार-बार जातिगत गणना की मांग करते हैं, लेकिन हिमाचल में अब तक सर्वे नहीं करवाया। कनार्टक में सर्वे करवा दिया, लेकिन उसे जारी नहीं किया जा रहा है। एक तरह से कांग्रेस केवल राजनीति करती है। सुधांशु त्रिवेद ने कांग्रेस सात गारंटी के विरोध में कहा कि मेरिट के आधार पर नौकरी न मिलना, कांग्रेस नेताओं का अपना-अपना घर भरना, मिर्चपुर व गोहाना कांड जैसे कांड दोबारा होना, नूंह का बदला लेना, कानून व्यवस्था खराब होना, वायदे पूरे न करना व किसानों की बदहाली की गारंटी एक तरह से दे रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ जांच जारी है। भाजपा किसी तरह की न्यायिक प्रक्रिया में दखल नहीं देती। साथ ही त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस दोहरे मापदंड अपनाती है। अगर किसी को गिरफ्तार किया जाए तो कहा जाता है कि ईडी व सीबीआई पर दबाव बनाकर कार्रवाई करवा रही है। कार्रवाई न हो तो कहा जाता है कि जानबूझ कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसके अलावा 2014 से पहले कई नेताओं के खिलाफ केस दर्ज हुए, लेकिन भाजपा राज के केस ही गिनवाती है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा करनाल के असंध में राहुल गांधी ने अमेरिका से लौटते ही रैली करके अपने मन की बात कह दी। क्योंकि असंध से कांग्रेस प्रत्याशी शमशेर सिंह गोगी ने कहा था कि पहले अपने घर भरेंगे, फिर रिश्तेदारों व समर्थकों के। उसी जगह राहुल ने रैली करके साबित कर दिया कांग्रेस पर्ची-खर्ची व भ्रष्टाचार को बढ़ावा देगी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी नहीं चाहते कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा बड़े नेता बन जाएं। रणदीप सुरजेवाला को इसलिए मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं बनाते कि कोई युवा नेता आगे न बढ़ जाए और कुमारी सैलजा को आगे नहीं बढ़ाते क्योंकि वे दलित नेता हैं।

मोदी ने अग्निवीरों की पेंशन छीनकर अडाणी-अंबानी को दी: राहुल गांधी

बरवाला/हिसार, 26 सितंबर (एजेंसियां)।
लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत संविधान को खत्म करना चाहती है और वह संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

श्री गांधी ने यहां विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार सिर्फ उद्योगपति गौतम अडाणी और मुकेश अंबानी के फायदे के लिये काम करने वाली सरकार है। इसका आम लोगों से लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने नौकरियों में निजीकरण करके देश से रोजगार को खत्म करने का काम किया है। देश से रोजगार खत्म करने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गौतम अडाणी, मुकेश अंबानी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अग्निवीरों की पेंशन खत्म करके अडाणी-अंबानी को दे दी है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि मोदी सरकार ने नोटबंदी करके छोटे रोजगार खत्म कर दिये, वहीं बड़े पूंजीपतियों को तब भी फायदा पहुंचाया। वैसी ही कोरोना काल में छोटे व्यापारियों की मदद न करके पूंजीपतियों की मदद श्री गांधी ने रैली में संबोधन की शुरुआत करते हुये कहा कि सामान्य तौर पर बब्बर शेर अकेला

दिखता है, यहां पर हजारों टाइगर बैठे हुये हैं। उन्होंने कहा, श्री मोदी का चेहरा आजकल देखिये, पहले उनकी 56 इंच की छाती हुआ करती थी। मोदी कहते हैं कि वह बॉयोलॉजिकल हैं, उनका भगवान से सीधा रिश्ता है। वह घबरा गये हैं, तभी उल्टी सीधी बात बोल रहे हैं। आजकल यही कहते फिर रहे हैं, सब लोग बॉयोलॉजिकल, नरेन्द्र मोदी नॉन बॉयोलॉजिकल है।

श्री गांधी ने कहा, श्री मोदी ने अग्निवीरों की पेंशन छीनकर पूंजीपतियों गौतम अडाणी और मुकेश को दे ही है। पहले आपको याद है, वन रैंक वन पेंशन हुआ। अफसरों की जेब में पैसा गया। थोड़ा पैसा उधर गया। अडाणी को हथियार खरीदवाते हैं, अब इन्हें ये भी चिंता हो गयी, कि जवानों को पेंशन भी देनी है। तो ये अग्निवीर लेकर आ गये। अडाणी नहीं बनाता, वह इजरायल से हथियार लेता है। इन विदेशी हथियारों पर लेवल अडाणी का ठप्पा लगता है। अग्निवीर को न पेंशन मिलेगी, न शहीद का दर्जा मिलेगा। अब सोचो हिंदुस्तान का क्या होगा। इसका नाम सिर्फ अग्निवीर है, इसका सच्चा मतलब जवानों की पेंशन, शहीद का दर्जा छीन गया है।उन्होंने कहा, हिंदुस्तान की सरकार चलाने वाले 90 लोग हैं। उसमें सिर्फ तीन दलित हैं जबकि 45 होने चाहिये। यह लड़ाई हरियाणा नहीं, बल्कि हिंदुस्तान और संविधान को बचाने की है। भाजपा ने सारी संस्थाओं को कुचल कर रख दिया।

पूरा कंट्रोल नागपुर का है। कांग्रेस नेता कहा, मैं आपको शुरुआत की बात कर रहा हूं, कि पहला कदम महिलाओं को 2000 रुपये हर महीने, 500 रुपये में गैस सिलेंडर, दूसरा कदम दो लाख सरकारी नौकरी और किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) गारंटी हरियाणा की सरकार देगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। दफ़्तर के कामकाज में ज़्यादा व्यस्तता के चलते अपने जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता तनावपूर्ण हो सकता है। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। आप ऐसी योजनाओं को अमली जामा पहनाने की स्थिति में होंगे, जो कई लोगों को प्रभावित करेगी। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है। जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपना आत्मविश्वास फिर से हासिल करने के लिए अपनी बात खुल कर कहें और परेशानियों का सामना होठों पर मुस्कुराहट के साथ करें। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन-साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है। खाना, साफ़-सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपको आज महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे, जिसके चलते आपको तनाव और बेचैनी का सामना करना पड़ सकता है। जो लोग टैक्स चोरी करते हैं आज वो बड़ी मुसीबत में फंस सकते हैं। घर का कुछ समय से टलता आ रहा काम-काज आपका थोड़ा वक़्त ले सकता है। तब तक कोई वादा न करें, जब तक आप ख़ुद यह न जानते हों कि आप उसे हर क़ीमत पर पूरा करेंगे। घर मे हवन का आयोजन नयी लेकर आएगा

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। प्रेम के नज़रिए से आज का दिन आपके लिए ख़ुशियों से भरा रहेगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। वक्त पर चलने के साथ-साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपनी सेहत का ख़याल करें। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई ग़लती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जीवन-साथी ख़ुशी की वजह साबित होगा। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीज़ों में निवेश करने से बचें। किसी बुज़ुर्ग रिश्तेदार की निजी समस्याओं में मदद करके आप उनका आशीर्वाद पा सकते हैं। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में ख़राबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

किसी भी तरह के द्वन्द्व या विरोध से बचें, क्योंकि आपकी सेहत पर इसका बुरा असर होगा। आज आपको भूमि, रिअल-एस्टेट परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाक़ात आज किसी ख़ास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह ज़रूर जान लें कि कहीं वो शख़्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफ़े में बदल सकते हैं। आपको बच्चों के साथ कुछ समय बिताने, उन्हें अच्छे संस्कार देने और उनकी ज़िम्मेदारी समझाने की ज़रूरत है। आपका प्रिय आपसे वादे की मांग करेगा, लेकिन ऐसा वादा न करें जिसे आप पूरा न कर सकें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने हमदम के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। अगर आप हुक्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी। घर में पड़ी कोई पुरानी वस्तु आज आपको मिल सकती है जिससे आपको अपने बचपन के दिनों की याद सता सकती है और आप उदासी के साथ अपने दिन का काफ़ी समय अकेले बिता सकते हैं। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जो लोग शेयर बाज़ार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज़्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। किसी ऐसे नए उद्योग से जुड़ने से बचें जिसमें कई भगीदार हों– और अगर ज़रूर पड़े तो उन लोगों की राय लेने से न कतराएँ, जो आपके क़रीबी है। आप एक बेहतरीन जीवनसाथी होने की ख़ुशक़िस्मती को शिद्दत से महसूस कर पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। किसी की प्यार में क़ामयाबी मिलने की कल्पना को सच कराने में मदद करें। किसी लघु या मध्यावधि पाठ्यक्रम में दाख़िला लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं में निखार लाएँ। आपका जीवनसाथी आपको ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। बोलते समय और वित्तीय लेन-देन करते समय सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज़्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 27 सितंबर 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी दोपहर 01:23 तक
नक्षत्र : पुष्य रात्रि 01:21 तक
योग : शिव रात्रि 11:32 तक
करण : विष्टि दोपहर 01:23 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:07 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:12 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:04 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 05:59 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : दशमी श्राद्ध , गण्डमूल रात्रि 01:22 से, भद्रा दोपहर 01:21 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

बिट्टू सिंह समेत पांच लोगों को आजीवन कारावास की सजा, जुर्माना भी लगाया

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया जिले के चर्चित मलय सिंह हत्याकांड में शामिल पांच आरोपियों को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पूर्णिया सिविल कोर्ट स्थित द्वितीय अपर जिला व सत्र न्यायाधीश राजीव रंजन सहाय ने बिट्टू सिंह, विक्की सिंह, रमन सिंह, करकू सिंह और बजरंग सिंह उर्फ बजरंगी सिंह को हत्या का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

साथ ही साथ सभी अभियुक्तों को 10-10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। वहीं, आरोपी बिट्टू सिंह पूर्व से ही भागलपुर सेंट्रल जेल में बंद है। वहीं, जमानत पर चल रहे अन्य आरोपियों की सजा पहले ही कोर्ट ने रद्द कर दी थी। बता दें कि 16 साल पहले पांच सितंबर 2008 गिरजा चौक के निकट दिन के

तीन बजे दिनदहाड़े बाइक सवार मलय सिंह को रोककर उसके सिर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

इस हत्या को लेकर मृतक सरसी निवासी प्रमिला देवी पति स्वर्गीय कामेश्वर प्रसाद सिंह ने केहाट थाने में कांड संख्या 352/08 के तहत प्राथमिकी दर्ज करायी थी। उसने कहा था कि उस दिन वह बाइक पर अपने छोटे बेटे मलय सिंह के साथ बैठकर बैंक में खाता खुलवाने जा रही थी। गिरजा चौक से थोड़ा आगे बढ़ते ही मालिक गैरेज से आगे बढ़ते ही बजरंगी सिंह मलय को रुकने का इशारा किया। उसने बाइक रोक दी। इतने में श्रीनगर रोड की ओर से बाइक पर सवार बिट्टू सिंह, विक्की सिंह, रमन सिंह, करकू सिंह आया और उसे बाइक से उतार दिया।

बिट्टू सिंह अपने कमर से हथियार निकालकर मलय सिंह के सिर पर गोली मार दी। बिक्की सिंह ने भी मलय सिंह के कनपट्टी पर गोली मारी। जब उन लोगों को लगा कि मलय सिंह मर गया तो सभी बाइक से श्रीनगर की ओर भाग निकले।

इस घटना से मलय सिंह की मां भी भय और दुख से बेहोश हो गई। थोड़ी देर बाद पुलिस उसके बेटे को अस्पताल ले गई। जहां उसकी मृत्यु हो गई, घटना के पीछे पुरानी दुश्मनी है। न्यायालय में उक्त कांड में कुल पांच गवाहों का बयान दर्ज हुआ, गवाहों के बयान एवं उपलब्ध साक्षी के आधार पर न्यायालय ने सभी अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा तथा सभी को 10-10 हजार रुपये अर्थ दंड की सजा सुनाई।

सीवान में बारात से लौट रही स्कॉर्पियो की ट्रक से टक्कर, एक बच्चे की मौत

आठ लोग घायल

सीवान (एजेंसियां)।

सीवान जिले में बारात से लौट रही स्कॉर्पियो और ट्रक में भीषण टक्कर हुई है, जिसके बाद उसमें सवार कुल नौ लोग जख्मी हो गए हैं और एक सात साल के बच्चे की मौत हो गई है।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि बुधवार रात मछगरा गांव से भगवानपुर गांव के दर्जी टोला में बारात आई थी। सभी बाराती गुरुवार को अपनी-अपनी गाड़ी से वापस लौट रहे थे। उसी में एक बाराती की स्कॉर्पियो, जिसमें कुल 10 लोग सवार थे, से वह भी सीवान वापस लौट रहे थे। अभी बाराती की गाड़ी भगवानपुर थाना क्षेत्र के सारई पट्टी गांव के पास हाइवे पर पहुंची ही थी कि पहले से ही सड़क किनारे ट्रक खड़ी थी, जिसमें स्कार्पियो चालक का बैलेंस बिगड़ गया और उसने ट्रक में जाकर टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा काफी डैमेज हो गया है और उसमें सवार कुल 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और एक बच्चे की मौत हुई है। घटना के बाद पीछे से आ रही अन्य बारातियों की गाड़ी ने देखा कि ये अपनी ही बारात की गाड़ी है। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को पास के पीएचसी में भर्ती कराया गया, जिसमें डॉक्टरों की टीम ने एक बच्चे को मृत घोषित कर दिया है। बाकी अन्य घायलों को बेहतर इलाज हेतु सीवान के सदर अस्पताल रेफर कर दिया है। जहां सदर अस्पताल में प्रथम उपचार के बाद सभी घायलों को डॉक्टरों ने पटना रेफर कर दिया गया है। मृतक बच्चे की पहचान शहबाज अली (7) जो जलाउद्दीन मिया बेटा था।

वहीं, अन्य घायलों की पहचान अशरफ अली, लियाकत अली, फारूक मियां, साहिल खान, अफरोज अली,शाहिद खान एवं एक अन्य व्यक्ति है, जिसकी पहचान नहीं हो पाई है। ड्राइवर पिंटू साह है, जो मौका देख कर गाड़ी छोड़कर फरार है। आपको बता दें कि अशरफ अली एव फारूक मियां की हालत काफी नाजुक बनी हुई है।

सीवान-भगवानपुर में सड़क हादसे में एक बच्चे की मौत एवं नौ लोग घायल होने के पूरे मामले पर थाना प्रभारी ने बताया कि सड़क दुर्घटना में एक बच्चे की मौत हुई है। आवेदन के हिसाब से कार्रवाई की जाएगी।

सुपौल में एनएच-27 के किनारे बनेगा मिडवे सर्विस प्लाजा, मिलेंगी कई अत्याधुनिक सुविधाएं

कोसी (एजेंसियां)।

सुपौल जिला अंतर्गत कोसी महासेतु से सटे आसनपुर कुपहा में नेशनल हाइवे-27 के किनारे मिडवे सर्विस प्लाजा का निर्माण किया जाएगा। बिहार सरकार के पर्यटन विभाग ने इसके लिए 29.53 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। यह जानकारी सूबे के पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से दी है।

बता दें कि सोशल मीडिया पोस्ट में पर्यटन मंत्री ने मिडवे सर्विस प्लाजा के प्रस्तावित भवन और परिसर का थ्रीडी वीडियो भी जारी किया है। बताया जा रहा है कि प्लाजा का निर्माण अगले 24 महीने में पूरा किया जाएगा। जहां कई अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। प्लाजा के निर्माण की जिम्मेदारी बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम को सौंपी गई है।

पर्यटन मंत्री के अनुसार, ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर (पोरबंदर से सिलचर) एनएच- 27 पर सुपौल में अवस्थित कोसी महासेतु के समीप आसनपुर कुपहा में मिडवे सर्विस प्लाजा का निर्माण होगा। आने वाले समय में इस बहुउद्देशीय भवन में फुड कोर्ट, क्रिक सर्विस रेस्टोरेंट, इनडोर स्पोर्ट्स एक्टिविटीज, रिटेल स्टोर, ई-चार्जिंग पॉइंट्स, फ्यूल आउटलेट, जन सुविधा और पार्किंग सहित यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इस योजना के अन्तर्गत मुख्य भवन का निर्माण किया जाना है। इस भवन के अंतर्गत उपरोक्त सुविधाओं के अतिरिक्त इंटरटेनमेंट जोन, एडवरटाइजिंग फसाड (विज्ञापन आवरण) आदि का निर्माण कार्य किया जाना प्रस्तावित है। मंत्री ने कहा है कि एनएच-27 अति व्यस्त राजमार्ग है और इन सुविधाओं के विकास से निश्चित ही इस मार्ग से यात्रा करने वाले यात्रियों को एक सुखद अनुभव प्राप्त होगा। इसके निर्माण से पर्यटकों के साथ जनसामान्य को भी उच्चस्तरीय पर्यटकीय सुविधाएं प्राप्त होंगी।

मधेपुरा जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज में इंटर्न संग मारपीट मामले में 21 छात्र निलंबित

मधेपुरा (एजेंसियां)।

मधेपुरा जिले के जननायक कर्पूरी ठाकुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इंटर्नशिप के लिए आए छात्रों के साथ मारपीट मामले में 21 छात्रों को 15 दिनों के लिए कक्षा एवं हॉस्टल से निलंबित कर दिया गया है। इस संबंध में मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य दिनेश कुमार ने पत्र जारी कर दिया है। निलंबन अवधि में संस्थान में आने जाने पर आर्थिक दंड के रूप में 15 हजार रुपये जुर्माना देना होगा।

बता दें कि 15 दिनों के उपरांत अपने-अपने अभिभावक के साथ अधोहस्ताक्षरी के समक्ष उपस्थित होकर भविष्य में अनुशासन का पालन करने, इस प्रकार के कृत्य की पुनरावृत्ति नहीं करने और

नियम के विरुद्ध किसी भी प्रकार का कार्य नहीं करने संबंधी बॉन्ड भरना होगा। यदि इस आदेश की अवहेलना की जाती है या आचरण में कोई सुधार नहीं लाई जाती है तो निलंबन की तिथि में विस्तार करते हुए आर्थिक दंड के साथ-साथ अनुशासनिक कार्रवाई भी की जाएगी।

मारपीट मामले में इंटर्नशिप के छात्र शुभम सिंह के आवेदन पर सिंहेश्वर थाना में केस दर्ज किया गया है।

आवेदन में शुभम सिंह ने कहा है कि वे लोग इंटर्नशिप के लिए बीसीएमआर पटना के निर्देशानुसार जननायक कर्पूरी ठाकुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आए और कॉलेज के प्राचार्य और अधीक्षक के निर्देश पर आवंटित आवास में रहते हुए अपने कार्य में योगदान दे रहे हैं। मंगलवार दोपहर लगभग डेढ़ बजे अचानक 2020 सत्र के छात्रों ने हिंसक हमला कर दिया। सभी डॉक्टरों के कमरे में घुसकर तोड़फोड़ और मारपीट की।

इस दौरान महिला इंटर्न के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया। इस घटना की जानकारी प्राचार्य को दी गई। उधर, जननायक कर्पूरी ठाकुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के प्राचार्य दिनेश प्रसाद ने कहा कि घटना को लेकर उन्होंने ही डायल 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को बुलाया। मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। दोनों पक्ष के साथ बैठक की गई है। सभी समस्या का समाधान किया जाएगा।

सिंहेश्वर थानाध्यक्ष वीरेंद्र राम ने बताया कि आवेदन के आधार पर केस दर्ज किया गया है। सीसीटीवी फुटेज और छानबीन के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। दूसरी तरफ इस घटना से मेडिकल कॉलेज अस्पताल की शैक्षणिक व्यवस्था पर सवाल उठने लगा है। हॉस्टल और कक्षा से निलंबित होने वाले छात्रों में 2020 बच के शिवम पांडे, सतीश कुमार, दीपक गुप्ता, आदित्य राज, जीतू कुमार, सुशील कुमार, गुंजन कुमार, इमाम मोहम्मद, उद्देश्य कुमार, आयुष कुमार सनी कुमार, विशाल कुमार, नसीम अटारी, सत्यम कुमार, कुंदन कुमार सौरभ, कुमार प्रदुम कुमार, सचिन कुमार, महेश कुमार, अक्षय कुमार और जमन मुशर्रफ शामिल हैं।

दोस्त के बुलावे पर गया कारोबारी का बेटा रहस्यमयी ढंग से गायब, परिजनों ने जताई अनहोनी की आशंका

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के कारोबारी गोपाल सिंह का बेटा नमन कुमार लापता हो गया है, जिसे लेकर परिजनों ने पुलिस पर एफआईआर न दर्ज करने का आरोप लगाया। बताया जा रहा है कि उनका बेटा अपने एक दोस्त के बुलाने पर बेगूसराय गया और फिर वहां से मुंगेर गया और फिर नहीं लौटा। उसके बाद परिजनों में इसको लेकर आक्रोश व्याप्त है। वहीं, परिजन पुलिस पर भी मामले को गंभीरता से नहीं देखने का आरोप को लगाया है। मामला जिले के सदर थाना क्षेत्र के भिखनपुरा का बताया गया है।

दरअसल, मुजफ्फरपुर के भीखनपुर गांव निवासी और बड़े

कारोबारी गोपाल सिंह का बेटा नमन सिंह (23) पिछले चार दिन दिनों पहले अपने दोस्त के बुलावे पर चला गया और फिर अब तक नहीं लौटा, जिसको लेकर परिजनों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं, मां और पिता की रो-रो कर हालत खराब हुई जा रही है।

मामले को लेकर परिजनों ने सदर थाना पुलिस पर कार्रवाई न करने और वहीं पर भी बदसलूकी करने का आरोप लगाया है। वहीं, इसके साथ परिजनों ने कहा कि जब बेटे का कोई शव बरामद ही नहीं हुआ है तो फिर पुलिस इस मामले में पल्ला क्यों झाड़ रही है, जिसको लेकर गुरुवार को गायब लड़के नमन कुमार के परिजन न्याय की गुहार लगाने के लिए एसएसपी राकेश कुमार के यहां सैकड़ों की संख्या में पहुंचे।

वहीं, नमन के परिजनों का कहना है कि जब उनका लड़का नमन कुमार तीन दिन पहले दोस्त के बुलाने की बात बोलकर गया तो फिर क्यों नहीं लौटा। हमें आशंका है कि हमारा लड़का नमन को दोस्त और उसके लोगों के द्वारा हत्या कर दी गई है या फिर गायब कर दिया गया है। इसमें नमन का दोस्त विशाल वैभव शामिल है, जो को बेगूसराय जिले का रहने वाला है। जब वो अपने घर से निकला उसके बाद वापस नहीं आया।

हम लोग उसको काफी खोजबीन बेगूसराय से लेकर मुंगेर तक किए। कुछ लोगों ने कहा कि वह पानी में डूब गया है, जिसके बाद हम गोताखोर की मदद से लेकर खोजबीन किए। लेकिन उसका कोई भी पता नहीं चल पाया है। मुंगेर जिले के सुल्तान बाबू घाट पर नमन की गाड़ी बरामद होने की जानकारी मिली। लेकिन उनका बेटा अभी तक नहीं मिला है। इसके बाद भी इस मामले में पुलिस अब तक कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं कर पल्ला झाड़ रही है।

इस पूरे मामले में सदर थाना के एसएचओ अश्मित कुमार ने बताया है कि गायब युवक के मामले में परिजनों के बयान पर जीरो एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। इसको मुंगेर में भेज दिया गया है।मामले में आगे की कार्रवाई किया जा रहा है।

गया में मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल की सफाई व्यवस्था देख भड़के मंत्री

गया (एजेंसियां)।

बिहार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार बुधवार देर रात अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान मंत्री ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का जायजा लिया। वहीं, अस्पताल के सफाई व्यवस्था और जलजमाव देख कर भड़क गए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान मौजूद अस्पताल प्रशासन को सफाई और जलजमाव को शीघ्र दुरुस्त करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा, अस्पताल में स्वास्थ्य कर्मियों और दवा की कमी नहीं है। लेकिन अस्पताल में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। यह ठीक नहीं है, जल्द ही अस्पताल के अधीक्षक से वार्ता कर व्यवस्था को और ठीक करने का

निर्देश दिया जाएगा। ताकि अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को बेहतर व्यवस्था मिल सके।

वहीं, सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि नगर निगम की लापरवाही के कारण शहर में डेंगू मच्छर का प्रकोप बढ़ रहा है। यही कारण है कि हर दिन डेंगू मरीजों की संख्या बढ़ रही है। आज एक ही परिवार के तीन सदस्य डेंगू के चपेट में आ गए हैं। यह चिंता का विषय है। निगम अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है। शहर में सफाई व्यवस्था के साथ-साथ फॉगिंग और दवा का छिड़काव करना चाहिए। वहीं, अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अब तक डेंगू मरीजों की संख्या बढ़ कर 175 पहुंच गया है। फिलहाल, डेंगू मरीजों के लिए अस्पताल में बनाए गए स्पेशल वार्ड में 20 मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

शेखपुरा में बाप ने सात साल के बेटे की हत्या कर नदी में फेंका

मुंगेर (एजेंसियां)।

शेखपुरा जिले में एक बाप द्वारा अपने ही सात साल के बेटे की हत्या कर नदी में फेंकने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यह आरोप बच्चे की मां ने ही लगाया है, जिसकी शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

वहीं, घटना के पांच दिन बाद शव को नदी से बरामद किया गया है। यह घटना शेखोपुरसराय थाना क्षेत्र के मियनबीघा गांव की है। आरोपी पिता चेवाड़ा थाना क्षेत्र के एकाढ़ा गांव का रहने वाला मृगेन्द्र कुमार है। बच्चे की मां वीणा कुमारी ने बताया कि मेरी शादी करीब 10 साल पहले हुई थी। शादी के तीन-चार साल बाद से हम मायके में रह रहे हैं। 20 सितंबर को मृगेंद्र कुमार ससुराल आया था तथा बड़े बेटे हरेराम को दादा-दादी के पास ले जाने की बात कहकर निकला।

21 सितंबर को मृगेन्द्र कुमार ने हरेराम को किऊल नदी में फेंक दिया। इसके बाद फोन कर कहा कि बेटा नदी में गिरकर डूब गया। इस मामले में थानाध्यक्ष हरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार को आरोपी पिता मृगेन्द्र कुमार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के बाद जेल भेज दिया है। उन्होंने कहा कि आरोपी ने पूछताछ में हत्या की बात स्वीकार की है।

छह करोड़ रुपये की चरस के साथ तीन अंतरराष्ट्रीय तस्कर गिरफ्तार

मोतिहारी (एजेंसियां)।

मोतिहारी के सुगौली रेल पुलिस ने मिली गुप्त सूचना के आधार पर तत्काल कार्रवाई करते हुए छह करोड़ की चरस के साथ तीन अंतरराष्ट्रीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी देते हुए रेल पुलिस उपाधीक्षक उमेश कुमार ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय गिरोह के तस्करों के द्वारा भारी मात्रा में मादक पदार्थ ले जाया जाने वाला है।

सूचना पर रेल पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरपुर के विनय तिवारी ने तत्काल एक विशेष छपेमारी टीम का गठन किया।

रेल पुलिस अधीक्षक के द्वारा गठित टीम का नेतृत्व करते हुए रेल पुलिस उपाधीक्षक उमेश कुमार, रेल पुलिस इंस्पेक्टर संतोष कुमार और रेल प्रभारी थानाध्यक्ष सुगौली नंदनी कुमारी सहित पुलिस बल की टीम ने स्थानीय रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर संघन जांच अभियान शुरू किया।

जांच के दौरान पुलिस टीम को देख दो संदिग्ध लोग भागना चाहे पर चौकन्ना पुलिस टीम ने खदेड़ कर दोनों को पकड़ लिया।

टीम के द्वारा जांच करने पर दोनों के बैग से आना-आधा किलो का बारह पैकेट चरस बरामद किया गया, जिसमें छह किलो एक सौ दस ग्राम चरस पाया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में छह करोड़ रुपये कीमत आंकी गई है।

डीएसपी कुमार ने बताया कि पकड़ाए लोगों में जिले के रामगढ़वा थाना के रघुनाथपुर वार्ड-8 ग्राम बेलहिया के शकुर मिया का पुत्र असलम आलम (30) और जैनूल अंसारी का पुत्र मुमताज अंसारी (35) है।

इनके निशानदेही पर मुख्य सप्लायर रामगढ़वा थाना के चाडवां निवासी सिजाउद्दीन अंसारी का पुत्र नेमुल्लाह अंसारी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्करों के अनुसार, चरस को नेपाल के अफजल नाम के व्यक्ति से खरीदी गई है। इस चरस को दिल्ली और हरियाणा भेजा जाना था।

जहां बुआ जी नाम की महिला को सप्लाई देना था। उन्होंने बताया कि तीनों पर एनडीपीएस का केस दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com